सेंसेक्स	82,530.74
निफ्टी	25,062.10
सोना	86100
चांदी	97,000
डॉलर	85.54

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
शनिवार 17 मई 2025
ज्येष्ठ कृष्ण 05 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 231
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in

संयम का पाठ पढ़ाने वाले उप मुख्यमंत्री का विवादित बयान

पीएम के चरणों में नतमस्तक है सेना

जबलपुर। अनुशासन का पाठ पढ़ाने वाली भारतीय जनता पार्टी में जैसे अनाप-शनाप बयान देने की होड़ मची है। एमपी के मिनिस्टर कुंवर विजय शाह के अनर्गल प्रलाप का मामला अभी थमा नहीं था कि, अब उप मुख्यमंत्री एवं जबलपुर जिले के प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा ने भी एक अति विवादित बयान दे डाला है। जबलपुर में आयोजित सिविल डिफेंस वॉलेंटियर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबोधन के दौरान उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा की जुबान फिसल गई।

संस्कारधानी पहुंचे मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं जबलपुर जिले के प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा ने जबलपुर दौरे पर विवादित बयान दे डाला। गौरतलब है कि दौरे पर पहुंचे डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा सिविल डिफेंस वॉलेंटियर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने यह विवादित टिप्पणी की। डिप्टी सीएम देवड़ा ने कहा कि, ''पूरा देश, देश की सेना और सैनिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चरणों में नतमस्तक हैं।''

आपको बता दें कि कल ही डिप्टी सीएम देवड़ा ने विवादित बयानों के लिए कुख्यात मध्य प्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह के कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिए गए बयान पर संयम बरतने का पाठ सिखाया था, लेकिन उन्होंने आज खुद सीमा लांघ दी। नीचे दिए लिंक में सुनिये पूरा बयान-

कुंवर विजय शाह के बयान पर बीजेपी को घेर रही कांग्रेस ने इस मामले में विरोध दर्ज कराया है। कांग्रेस की सक्रिय एवं मुखर प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने विवादित भाषण को सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए प्रतिक्रिया जाहिर की है। उन्होंने लिखा है कि, 'यह सेना के शौर्य पराक्रम का घोर अपमान है. माफ़ी से काम नहीं चलेगा। इस आदमी को तो आपको बर्खास्त करना ही पड़ेगा मोदी जी ङ्क घटिया, बेहद घटिया घिनौनी सोच है यह'।

कांग्रेस बोली- सेना के शौर्य का अपमान बर्दाश्त नहीं

विवाद की शुरुआत कहां से हुई?

मामले की शुरुआत मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह के उस बयान से हुई, जिसमें उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लीड कर रहीं महिला सैन्य अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। अब डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा के बयान ने इस विवाद को और हवा दे दी है। दरअसल देवड़ा ने जबलपुर में सिविल डिफेंस वालिंटियर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कहा, प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देना चाहेंगे... और पूरा देश, देश की सेना और सैनिक... उनके चरणों में नतमस्तक है।

कांग्रेस ने किया तीखा विरोध

कांग्रेस ने भाजपा नेताओं के इन बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने इन बयानों को लेकर कहा कि सेना को लेकर दिए गए इस तरह के बयान शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता लगातार सेना का अपमान कर रहे हैं। पहले एक मंत्री ने महिला सैनिकों पर अभद्र टिप्पणी की और अब उपमुख्यमंत्री ने सेना का घोर अपमान किया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा, कि भाजपा नेताओं द्वारा लगातार हमारी सेना का अपमान अत्यंत शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पूरे देश की जनता सेना के शौर्य पर गौरवान्वित है लेकिन भाजपा के लोग सेना को अपमानित कर रहे हैं। आखिर भाजपा ऐसा करके हमारी सेना और देशवासियों को क्या संदेश देना चाह रही है?

इस मामले पर कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भी कड़ा एतराज जताया और बयान जारी करते हुए कहा कि सेना प्रधानमंत्री के चरणों में नतमस्तक है—यह कहना देश के रक्षकों का सीधा अपमान है। सेना के प्रति इस तरह के बयान देश के लिए बर्दाश्त के बाहर की बात है।

खास खबर

आतंकियों के 3 मददगार गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में पिछले तीन दिनों में हुए दो एनकाउंटर में छह आतंकवादी ढेर कर दिए गए हैं। सेना-पुलिस ने शुक्रवार को जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि, कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन जारी है। त्राल और शोपियां में 2 एनकाउंटर में आतंकी मारे गए। एक ऑपरेशन ऊंचे पहाड़ी इलाकों में हुआ, एक ऑपरेशन गांव में हुआ। सुरक्षाबलों ने सावधानी से दोनों जगह टेररिस्ट को मारा।

सेना ने कहा कि सभी सिक्योरिटी फोर्सेस के बीच का कॉर्डिनेशन अच्छा था और ये ऑपरेशन उसका प्रमाण हैं। आने वाले समय में भी ये कॉर्डिनेशन बना रहेगा। जम्मू और कश्मीर से आतंकवाद का सफाया कर देंगे। लोगों का भी धन्यवाद करेंगे कि उनके सहयोग के बिना इस तरह की सफलता मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन थी।

टीचर ने थप्पड़ मारा, छात्र की मौत

प्रयागराज। प्रयागराज में टीचर के थप्पड़ मारने से नर्सरी के साढ़े 3 साल के बच्चे की मौत हो गई। उसी स्कूल में सेकेंड क्लास में पढ़ने वाले छात्र के भाई ने बताया- मेरा भाई रो रहा था। दो टीचर उसे मेरे क्लास में लेकर आईं और बेंच पर बैठा दिया। भाई ने रोना बंद नहीं किया तो एक टीचर ने उसके गाल पर थप्पड़ जड़ दिया। इससे भाई का सिर बेंच से टकरा गया। वह जमीन पर गिर गया। उसके मुंह और नाक से खून निकलने लगा। भाई ने टीचर से पानी मांगा, लेकिन किसी ने पानी नहीं दिया। करीब 10 मिनट तक वह पानी मांगता रहा, फिर एकदम से शांत हो गया।

तरनतारन में 85 किलो हेरोइन जब्त

अमृतसर। तरनतारन पुलिस ने 2025 की सबसे बड़ी नार्को तस्करी कार्रवाई में एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए 85 किलो हेरोइन जब्त की है। यह नेटवर्क पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के संरक्षण में चल रहा था और इसे यूके स्थित ड्रग हैंडलर लल्ली संचालित कर रहा था। भारत में स्थित इस नेटवर्क के मुख्य संचालक अमृतसर (ग्रामीण) के गांव भिट्टेवाड़ निवासी अमरजोत सिंह उर्फ जोता संधू को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार अमरजोत सीमा पार के तस्करों से ड्रग्स की खेप प्राप्त करता था और उन्हें पंजाब के विभिन्न हिस्सों में सप्लाई करता था। उसके आवास का इस्तेमाल इस नेटवर्क के लिए मुख्य ठिकाने के रूप में किया जा रहा था।

विजय शाह विवाद की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में अब 19 मई को

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 19 मई निर्धारित की है। यह मामला अब न्यायिक रूप से और गंभीर होता जा रहा है। मंत्री विजय शाह ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर में भाग लेने वाली सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर एक विवादित और आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिस पर देशभर में आक्रोश देखने को मिला। मामला मध्यप्रदेश हाईकोर्ट तक पहुंचा, जहां कोर्ट ने विजय शाह पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। इस आदेश को चुनौती देते हुए विजय शाह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान न्यायालय ने 19 मई 2025 तक मामले को स्थगित कर दिया है। कोर्ट ने याचिका की प्राथमिक सुनवाई के बाद अगली तिथि निर्धारित की, लेकिन कोई अंतरिम राहत या आदेश पारित नहीं किया।

सुप्रीम कोर्ट ने 43 रोहिंग्या शरणार्थियों को जबरन निर्वासित करने पर अंतरिम रोक लगाने से किया इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 43 रोहिंग्या शरणार्थियों को जबरन निर्वासित करने पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया है।

जस्टिस सूर्यकांत ने इस मामले पर टिप्पणी करते हुए याचिकाकर्ताओं से कहा कि आप हर रोज एक नई कहानी लेकर आते हैं। हम जिस हालत से गुजर रहे हैं, उसमें आप काल्पनिक कहानी गढ़ कर कोर्ट के सामने आ जाते हैं। एक बार कोर्ट ने आपको राहत दे दी तो बार-बार नई कहानी के साथ कोर्ट आ जाते हैं। यदि आपको इतनी ही चिंता है तो गरीबों के लिए कुछ खुद क्यों नहीं करते? जस्टिस सूर्यकांत जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि जो कुछ आपने अपनी याचिका में बात कही है, उसका आधार क्या है? आप हमें कुछ जानकारी दें और जो सामग्री है वो दिखाएं, आपके पास यह जानकारियां कहां से आती हैं?

साथ ही उ-?होंने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील कॉलिन गोंजाल्विस से पूछा कि जो कुछ आप बता रहे हैं, उसे किसने रिकॉर्ड किया? अगर याचिकाकर्ता वापस आया तो कैसे वापस आया?

सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच के समक्ष लंबित इसी तरह की याचिका के साथ जोड़ा है। अब इस मामले में 31 जुलाई को सुनवाई होगी। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने वकीलों से अपने दावों के समर्थन में सबूत पेश करने को कहा है। साथ ही डिपोर्ट पर अंतरिम संरक्षण देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने 43 रोहिंग्या शरणार्थियों (जिनमें बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग और गंभीर स्वास्थ्य स्थिति वाले लोग शामिल हैं) को भारत सरकार द्वारा जबरन म्यांमार निर्वासित करने के आरोप वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए कड़ी टिप्पणियां की हैं। अदालत ने कहा कि इस देश में साक्ष्य का एक जाना-माना कानून है। कृपया हमें बताएं कि यह जानकारी कहां से आई है और किसने कहा कि मुझे इसकी व्यक्तिगत जानकारी है।

इस पर वकील ने अदालत पर दबाव डाला और बताया कि 38 लोगों को निर्वासित किया गया, उन्हें अंडमान ले जाया गया और समुद्र में फेंक दिया गया। वे अब युद्ध क्षेत्र में हैं।

इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि उन्हें देखने वाला व्यक्ति कौन है? किसने वीडियो रिकॉर्ड की? याचिकाकर्ता कैसे वापस आया? उसने कहा कि वह वहां था। अदालत जाने से पहले, सामग्री एकत्र करें। बाहर बैठे लोगों को हमारी संप्रभुता पर हुक्म चलाने नहीं देंगे।

सुप्रीम कोर्ट की 11वीं महिला जज जस्टिस बेला एम त्रिवेदी रिटायर हुईं

- फेयरवेल न देने पर सीजेआई ने बार एसोसिएशन की आलोचना की

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के 75 साल के इतिहास में ग्यारहवीं महिला जज जस्टिस बेला एम त्रिवेदी शुक्रवार को साढ़े तीन साल तक बेंच पर रहने के बाद रिटायर हो गईं। जस्टिस बेला ने जुलाई 1995 में गुजरात में ट्रायल कोर्ट के जज के रूप में शुरुआत करने की थी। जब उनकी जॉइनिंग हुई, तब उनके पिता पहले से ही सिटी सिविल और सेशन कोर्ट के जज के रूप में काम कर रहे थे। लिम्का बुक ऑफ इंडियन रिकॉर्ड्स ने अपने 1996 के एडीशन में यह एंट्री दर्ज की है कि पिता-पुत्री एक ही कोर्ट में जज हैं।

31 अगस्त 2021 को सुप्रीम कोर्ट के जज के रूप में प्रमोट किया गया था, जब तीन महिलाओं समेत रिकॉर्ड नौ नए जजों को पद की शपथ दिलाई गई थी। सीजेआई बीआर गवई ने जस्टिस बेला एम त्रिवेदी को विदाई समारोह न देने के सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की आलोचना की।

ऑपरेशन सिंदूर : रक्षाबजट में होगी 50 हजार करोड़ की बढ़ोतरी

आधुनिक तकनीक और हथियारों पर फोकस, संसद के शीतकालीन सत्र में मिल सकती है मंजूरी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद केंद्र सरकार रक्षा बजट में 50,000 करोड़ रुपए बढ़ा सकती है। रक्षा मंत्रालय ने सरकार को फंड बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है, जिसे संसद के नवंबर-दिसंबर के दौरान शीतकालीन सत्र में मंजूरी मिल सकती है। सरकारी सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। इसमें बताया गया है कि इस फंड से नए हथियार, गोला-बारूद और तकनीक खरीदी जाएंगी। साथ ही सेना की दूसरी जरूरतें, रिसर्च और डेवलमेंट पर भी खर्च किया जाएगा।

बढ़ोतरी के बाद रक्षा मंत्रालय का ओवरऑल बजट 7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को पेश किए गए 2025-26 के बजट में सशस्त्र बलों के लिए रिकॉर्ड 6.81 लाख करोड़ रुपए का बजट दिया था। इस साल रक्षा बजट पिछले साल की तुलना में करीब 9.5 प्रतिशत ज्यादा है। केंद्र ने 2024-25 में सशस्त्र बलों के लिए 6.22 लाख करोड़ रुपए दिए थे। प्रधानमंत्री नरेंर्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के पहले बजट 2014-15 में रक्षा मंत्रालय को 2.29 लाख करोड़ रुपए दिए गए थे। बीते 10 साल में रक्षा बजट करीब 3 गुना बढ़ा है।

सैन्य बजट का 75 प्रतिशत सैलरी-पेंशन पर खर्च

फिलहाल भारत का रक्षा बजट जीडीपी का 1.9 प्रतिशत है। भारत अपनी 14 लाख की सेना की सैलरी और पेंशन पर अपने रक्षा बजट का 75 प्रतिशत हिस्सा खर्च करता है, जिससे उसके पास सैन्य आधुनिकीकरण के लिए सिर्फ 25 प्रतिशत ही बचता है।

वायुसेना के पास 234 एयरक्राफ्ट की कमी

भारतीय वायुसेना को विमानों की 42 स्क्वॉड्रन की जरूरत है। इसके बजाय वायुसेना के पास सिर्फ 31 स्क्वॉड्रन हैं। इसमें भी सक्रिय स्क्वॉड्रन की संख्या 29 ही हैं। मिग 29 बाइसन की 2 स्क्वॉड्रन इसी साल रिटायर हो जांएगी। एक स्क्वॉड्रन में 18 विमान होते हैं। इस हिसाब से वायुसेना के पास 234 विमानों की बड़ी कमी है।

भारत का सैन्य बजट 7.19 लाख करोड़ हुआ

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट का कहना है कि 2024 में दुनिया के पांचवे सबसे बड़े देश भारत का सैन्य खर्च 1.6 प्रतिशत बढ़कर 86.1 बिलियन डॉलर (7.19 लाख करोड़) हो गया है। वहीं, पाकिस्तान का सैन्य खर्च 10.2 बिलियन डॉलर यानी करीब 85,170 करोड़ रहा। 27 अप्रैल को जारी ट्रेंड्स इन वर्ल्ड मिलिट्री एक्सपेंडिचर 2024 रिपोर्ट के मुताबिक भारत अपनी सेना पर पाकिस्तान से 9 गुना ज्यादा पैसा खर्च कर रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सैन्य खर्च करने वाले दुनिया के टॉप 5 देश अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत हैं। इन पांचों का कुल सैन्य खर्च 1635 बिलियन डॉलर यानी 136.52 लाख करोड़ है।

13 बांग्लादेशी घुसपैठिए गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 13 बांग्लादेशी घुसपैठियों को औचंडी इलाके से गिरफ्तार किया है। ये सभी बंगलादेशी दो साल पहले अवैध तरीके से देश मे दाखिल हुए थे। तब से अलग-अलग इलाकों में मजदूरी का काम कर रहे थे। पुलिस ने जब से अवैध घुसपैठियों की तलाश तेज की है, ये तब से छिप कर रहने की कोशिश में थे। पुलिस ने सभी को हिरासत में लेने के बाद एफआरआरओ के हवाले कर दिया, जहां से इन्हें बांग्लादेश डिपोर्ट करने की प्रकिया शुरू कर दी गई है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि बांग्लादेश से दिल्ली लाने में उनकी मदद जलील नाम के एक शख्स ने की थी। वो बांग्लादेश का ही रहने वाला है। जलील के कहने पर यह सबसे पहले बस पकड़ कर भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर आए। वहां से इन्हें ऐसी जगह पर ले जाया गया, जहां से वे आराम से भारत में घुस गए। इसके बाद ऑटो पकड़ कर कूच बिहार पहुंचे। वहां से रेलवे स्टेशन से जालील ने सबका दिल्ली का टिकट कराया और वापस बांग्लादेश लौट गया।

सुप्रीम कोर्ट ने इस्कॉन बेंगलुरु के पक्ष में सुनाया फैसला

मुंबई । मुंबई बनाम इस्कॉन बेंगलुरु विवाद मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इस्कॉन बेंगलुरु के पक्ष में फैसला दे दिया है। बेंगलुरु हरेकृष्ण हिल टेंपल इस्कॉन बेंगलुरु के पास ही रहेगा। मुंबई इस्कॉन के अधिकार को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किया है। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश को पलटकर फैसला सुनाया है और निचली अदालत के द्वारा सुनाए गए फैसले को अदालत ने सही ठहराया है। निचली अदालत ने इस्कॉन मुंबई के अधिकार को खारिज कर कहा था कि इस्कॉन बेंगलुरु इस्कॉन मुंबई की शाखा नहीं बल्कि एक स्वतंत्र संस्था है। यह विवाद दशकों पुराना है, जिसका अब निपटारा हुआ है। जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने फैसला सुनाया है। 15 फरवरी 2016 को सुप्रीम कोर्ट में आए मामले में आठ साल बाद 24 जुलाई 2024 को सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रखा। दरअसल, इस्कॉन के संस्थापक श्रील प्रभुपाद भक्तिवेदांत स्वामी के महासमाधि में जाने के बाद उनके शिष्यों के बीच सिद्धांतों को लेकर विवाद शुरू हुआ। इस्कॉन मुंबई पर ज्यादा प्रभाव प्रभुपाद के विदेशी शिष्यों का था। उन लोगों पर आरोप है कि समाधि प्रवेश से पहले प्रभुपाद की उस वसीयत का पालन नहीं किया गया, जिसमें भविष्य में इस्कॉन के संचालन की रूपरेखा थी।

पाकिस्तान पर एक और प्रहार की तैयारी...

तालिबान से मिलाया हाथ

अफगानिस्तान से मिलने वाला पानी भी रोकेगा भारत

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर मुत्ताकी के बीच 15 मई की शाम हुए फोन कॉल ने पाकिस्तान में कुछ वैसी ही खबलबली मचाई है जैसी ऑपरेशन सिंदूर में हुई भारतीय स्ट्राइक्स ने मचाई थी। भारत और अफगानिस्तान के बीच राजनीतिक संवाद ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल समझौते को ठंडे बस्ते में डालने के भारतीय फैसले से परेशान पाकिस्तान को और ज्यादा पस्त कर दिया है। ये परियोजना पाकिस्तान में पानी की किल्लत को और भी बढ़ा सकती है। सूत्रों के मुताबिक जयशंकर और मुत्ताकी के बीच अफगानिस्तान में भारतीय मदद वाली विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाने पर रजामंदी हुई है, इसमें लालंदर की वो शहतूत बांध परियोजना भी शामिल है, जो काबुल नदीं पर बनाई जानी है। दोनों देशों के बीच इसे लेकर समझौता तो फरवरी 2021 में हुआ था, लेकिन काबुल में हुए सत्ता बदल ने इसपर ब्रेक लगा दिया था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद हुए भारतीय राजनयिक टीम के काबुल दौरे ने इस परियोजना की सुगबुगाहट को एक बार फिर हवा दे दी। दरअसल, काबुल नदी पर बनने वाली यह परियोजना अफगानिस्तान की राजधानी काबुल और मुल्क में रहने वाले करीब 20 लाख लोगों के लिए साफ पेयजल मुहैया कराएगी। इस शहतूत बांध परियोजना के लिए भारत 236 मिलियन डॉलर की वित्तीय और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराएगा। करीब तीन साल में पूरी होने वाली इस परियोजना में अफगानिस्तान की 4,000 हेक्टेयर भूमि को सिंचित किया जाएगा।

शहतूत बांध परियोजना से बढ़ेगी पाक की मुश्किल

हालांकि, इस बांध परियोजना में पाकिस्तान की परेशानी का सबब है काबुल नदी की भौगोलिक स्थिति। ये नदी हिंदू कुश पहाड़ों से निकलती है और पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दाखिल होती है। इस बांध के बनते ही पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा और सीधा खतरा होगा अपने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लिए पानी की जरूरतों को पूरा करना। काबुल नदी सिंधु जल बेसिन का हिस्सा है और पाकिस्तान के लिए भी खासी अहम है। पाकिस्तान की घबराहट इसलिए भी बढ़ जाती है, क्योंकि अफगानिस्तान के साथ उसकी कोई औपचारिक जलसंधि नहीं है। ऐसे में अफगानिस्तान न तो शहतूत बांध परियोजना को लेकर पाकिस्तान के प्रति जवाबदेह है और ना ही किसी समझौते से बंधा है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया राणे को झटका, बिल्डर को वन भूमि करनी होगी वापस

- सभी राज्य सरकारें ऐसे मामलों की एक साल में समीक्षा कर कार्यवाही करें

पुणे। भारत के मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई ने पदभार ग्रहण करने के बाद अपना पहला फैसला सुनाया, जो पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के लिए एक बड़ा झटका है। सुप्रीम कोर्ट ने शिवसेना-बीजेपी शासन के दौरान 1998 में लिए गए एक फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें पुणे की 30 एकड़ वन भूमि एक निजी बिल्डर को दे दी गई थी। कोर्ट ने जमीन को वन विभाग को वापस सौंपने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने इस पूरे मामले को राजनीतिक और नौकरशाही गठजोड़ से सत्ता के दुरुपयोग का क्लासिक उदाहरण बताया है। फैसले के देशभर में दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं, क्योंकि कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे ऐसी सभी संदिग्ध भूमि हस्तांतरणों की जांच कर एक साल में कार्यवाही पूरी करें। यह मामला पुणे के कोंढवा इलाके की 30 एकड़ भूमि से जुड़ा है। 1998 में नारायण राणे, जो उस समय महाराष्ट्र सरकार में राजस्व मंत्री थे। उनके विभाग ने इस जमीन को एक व्यक्ति चव्हाण के नाम आवंटित किया, जिसने इसे कृषि भूमि बताकर झूठा दावा किया था। चव्हाण ने कुछ ही दिनों में इस भूमि को 'रिची रिच कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी' को 2 करोड़ रुपए में बेच दिया। इस डील के बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने जैसे पुणे डिविजनल कमिश्नर, कलेक्टर और डिप्टी फॉरेस्ट ऑफिसर ने इसे गैर-कृषि घोषित कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक आदेश देते हुए कहा कि भूमि को वन विभाग को वापस करना होगा। यदि निर्माण के कारण पुन: प्राप्ति संभव न हो, तो बाजार दरों पर मुआवजा वसूला जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को ऐसी वन भूमि हस्तांतरण की जांच करने और एक साल के अंदर ऐसी संपत्तियों को फिर से प्राप्त करने का निर्देश दिया। सभी राज्य सरकारें ऐसे मामलों की एक साल में समीक्षा और कार्यवाही करें।

बहुत हुआ...28 जुलाई 2025 को काला हिरण शिकार मामले में सुनवाई

जोधपुर। राजस्थान के बहुचर्चित काला हिरण शिकार मामले में 26 साल बाद फिर से कानूनी गतिविधियां तेज हुई हैं। केस में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान, सैफ अली खान, तब्बू, नीलम और सोनाली बेंद्रे की भूमिका को लेकर बहस नए मोड़ पर आ चुकी है। राजस्थान हाईकोर्ट ने भजनलाल सरकार की अपील पर 28 जुलाई 2025 को इन सभी सितारों के खिलाफ मामलों की संयुक्त सुनवाई की तारीख तय की है।

यह मामला वर्ष 1998 का है, जब फिल्म 'हम साथ साथ हैं' की शूटिंग जोधपुर के पास हो रही थी। तभी आरोप लगे कि शूटिंग के दौरान अभिनेता सलमान और उनके साथियों ने दो काले हिरणों का शिकार किया था। ये शिकार विश्नोई समुदाय की धार्मिक आस्था से जुड़ा मामला बन गया, क्योंकि यह समुदाय काले हिरण को पवित्र मानता और पूजा करता है।

विश्नोई समाज की शिकायत पर जोधपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर सलमान को 12 अक्टूबर 1998 को गिरफ्तार किया। हालांकि, उन्हें पांच दिन बाद ही जमानत मिल गई, लेकिन तब से लेकर अब तक यह मामला अदालतों में उलझा रहा है।

निचली अदालत ने वर्ष 2018 में अभिनेता सलमान को दोषी मानकर 5 साल की सजा सुनाई थी, जबकि सैफ, तब्बू, नीलम और सोनाली को बरी किया था। सलमान को कुछ समय जेल में बिताना पड़ा, लेकिन बाद में उन्हें जमानत मिल गई।राजस्थान सरकार ने निचली अदालत के फैसले को चुनौती देकर हाईकोर्ट में अपील दायर की, इसमें सैफ अली खान, तब्बू, नीलम और सोनाली बेंद्रे को बरी कर दिया गया था। यह अपील लीव टू अपील के रूप में दाखिल की गई थी, जिसमें कहा गया था कि निचली अदालत ने पर्याप्त सबूतों के बावजूद इन सितारों को गलत तरीके से राहत दी है। बुधवार को जस्टिस मनोज कुमार गर्ग की अदालत में अपील पर सुनवाई हुई। तब यह तथ्य सामने लाया गया कि सलमान की सजा के खिलाफ भी अपील अब हाईकोर्ट में लंबित है। इस पर वकीलों ने मांग की कि दोनों मामलों को एक साथ जोड़ा जाए।

कोर्ट ने वकीलों की मांग को स्वीकार कर आदेश दिया कि सलमान खान और अन्य कलाकारों से जुड़े सभी मामलों की संयुक्त सुनवाई 28 जुलाई 2025 को होगी।

संयुक्त सुनवाई क्यों है महत्वपूर्ण?

संयुक्त सुनवाई से लाभ होगा कि सभी आरोपियों पर एक समान दृष्टिकोण से बहस हो सकेगी। गवाहों के बयान और सबूतों की समीक्षा समन्वित ढंग से की जा सकेगी। यह फैसला भी दर्शाता है कि राजस्थान हाईकोर्ट मामले को अब अंतिम निष्कर्ष की ओर ले जाना चाहता है, जिससे दशकों से लटकते मामले को बंद किया जा सके।

वार्ड क्रमांक 32 के कुछ क्षेत्रों में वार्ड वासियों को नहीं मिल रहा पानी

बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे वार्डवासी, सत्ता पक्ष के पार्षद ने कहा हमारी पार्टी की अध्यक्ष होने के बावजूद भी नहीं हो रही सुनवाई है चिंतनीय विषय

बालाघाट(पदमेश न्यूज़)। वार्ड क्रमांक 32 के कुछ क्षेत्र में बीते दिनों से पानी की समस्या बनी हुई है । कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जहां कई दिनों से नगर पालिका के नल से गंधा बदबूदार पानी आ रहा है । जिसे वार्डवासी बहुत अधिक परेशान है। कुछ क्षेत्र नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 32 में ऐसे भी है जहां पाइपलाइन लगा तो दी गई है, लेकिन उसमें पानी नहीं आ रहा है। जिसको लेकर कुछ वार्डवासियों ने तो सीएम हेल्पलाइन में भी इसकी शिकायत की है, तो वही वार्ड पार्षद राज हरिनखेडे का कहना है कि वह सत्ता पक्ष के पार्षद हैं । उसके बाद भी उनकी नगर पालिका में सुनवाई नहीं हो रही है। जबकि उन्हीं के पार्टी की नगर पालिका अध्यक्ष भी है। इस विषय को लेकर श्री हरिनखेड़े ने कहा कि उनका अध्यक्ष है और वह सत्ताधारी पार्टी के पार्षद हैं । उसके बाद नगर पालिका में उनकी सुनवाई नहीं होना बहुत ही चिंतनीय विषय है।

आपको बता दे कि इन भीषण गर्मी के बीच नगर पालिका परिषद बालाघाट नगरीय क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था को किस ढंग से संभाले हुए है, इसकी बानगी स्वयं सत्तापक्ष के पार्षद बयां कर रहे हैं। मामला वार्ड क्रमांक-32 का है, जहां तपती धूप और उमस भरी गर्मी में रहवासी पीने के पानी के लिए परेशान हो रहे हैं। वार्ड के कई क्षेत्रों में पानी नहीं आ रहा है, तो कई इलाके ऐसे हैं, जहां पीने के पानी से बदबू आ रही है। नगर पालिका प्रशासन और यहां के अधिकारियों की मनमानी ऐसी है कि वार्ड पार्षद राज हरिनखेड़े के बार-बार कहने पर भी न तो इस समस्या का समाधान हो पा रहा है और न ही वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर अधिकारी गंभीरता दिखा रहे हैं। शुक्रवार को रहवासियों के साथ पार्षद हरिनखेड़े ने नगर पालिका की 'कथनी और करनी' की पोल खोल दी है। नपा ने महीनेभर पहले शहर में नई पाइपलाइन से जलापूर्ति करने के साथ पेयजल संकट न होने के लिए हर संभव प्रयास का भरोसा दिया था। पानी बचाने से लेकर इसकी बर्बादी रोकने के लिए कड़े कदम उठाने का दावा किया था, लेकिन न तो लोगों को दो वक्त पर्याप्त पानी मिल रहा है और पानी की बर्बादी रुक रही है।

नपा के जिम्मेदार गंभीरता नहीं दिखाते

चर्चा के दौरान पार्षद राज हरिनखेड़े ने बताया कि ऐसा कोई दिन नहीं गुजरता, जब रहवासी पानी की समस्या के लिए फोन न करे। क्षेत्र का पार्षद होने के नाते मेरी जिम्मेदारी है कि उनकी समस्या दूर करूं, लेकिन इसे लेकर जो प्रयास करता हूं, उसे लेकर नपा के जिम्मेदार गंभीरता नहीं दिखाते। शुक्रवार को सुबह 11.30 बजे मैंने नपा की जल संसाधन विभाग की इंजीनियर ज्योति मेश्राम को फोन कर वार्ड में पानी का टैंकर जैन बैकरी के सामने उपलब्ध कराने कहा था, लेकिन सुबह से शाम हो गई, टैंकर नहीं आया। ये नपा प्रशासन की स्थिति है।

पुरानी पाइपलाइन बंद नही करना था

पार्षद ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि नगर पालिका ने पार्षदों की बिना सहमति के ही पुरानी पाइपलाइन को बंद कर दिया है। यही नपा प्रशासन की सबसे बड़ी गलती साबित हो रही है। यही समस्या की असल जड़ भी है। वार्ड-32 में कई क्षेत्र हैं, जहां नई पाइपलाइन से कनेक्शन तो हुए, लेकिन वहां पानी आज तक नहीं पहुंचा। इस संबंध में मार्च 2025 में हुई परिषद की बैठक में इस मुद्दे को रखा गया था। पिछले साल भी यही समस्या हुई थी, जो इस बार भी हो रही है।

पांच दिन में भी नहीं सुलझी समस्या

दूषित और बदबूदार पानी की शिकायत पर पार्षद ने बताया कि उन्हें सोमवार को कुछ परिवारों ने पानी से बदबू आने की शिकायत की थी। इस संबंध में जल प्रदाय शाखा के अधिकारी से मैंने संपर्क किया, लेकिन उन्होंने दोनों बार मेरा फोन नहीं उठाया। इस समस्या को मैंने सीएमओ बीडी कतरौलिया के सामने रखा। उन्होंने समस्या दर्ज तो कर ली, लेकिन पांच दिन बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है। वार्ड-32 के नर्मदा नगर, सांई नगर जैसे इलाकों में पानी की भीषण समस्या है।

अब कुछ दिनों से पानी नहीं आ रहा - अंजू

रहवासी अंजू बताती हैं कि हमारी कालोनी के कई घरों में महीनेभर से पानी नहीं आ रहा है। कभी कुएं से तो कभी पड़ोसियों से पानी लेकर काम चलाना पड़ रहा है। शिकायत की थी, तो कुछ दिन लो प्रेशर में पानी आया, लेकिन अब पानी नहीं आ रहा।

पाइपलाइन लीकेज हुई होगी - वंशिका

रहवासी वंशिका लालवानी बताती हैं कि पांच दिन से पीने के पानी से बदबू आ रही थी। अभी भी थोड़ी बदबू आ रही है। संभावना है कि पाइपलाइन लीकेज हुई होगी। नगर पालिका को शिकायत करने के बाद भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल रही है। सभी परेशान हैं। उन्होंने कई बार नगर पालिका सहित वार्ड पार्षद को भी पानी को लेकर समस्या बताई हैं । लेकिन अभी तक सुनवाई नहीं हो रही है। वह चाहते हैं कि उन्हें साफ पानी दिया जाए ,कुछ दिनों तक तो उनके घरों में आने वाला पानी बदबू कर रहा था, जिसे उन्होंने बड़े मुश्किल से जैसे तैसे अपने दैनिक कार्य कर रहे हैं ।

पाइपलाइन में पानी नहीं आ रहा है - ओमप्रकाश

वार्डवासी ओमप्रकाश कुकाशे बताते हैं कि उनके घर बीते कुछ महीनो से पाइपलाइन तो लगा दी गई है। लेकिन पाइपलाइन में पानी नहीं आ रहा है। जब से पाइपलाइन लगी है सिर्फ एक बार टेस्टिंग के लिए पानी आया था। उसके बाद उन्होंने इसकी शिकायत नगर पालिका में की और सीएम हेल्पलाइन में भी इसकी शिकायत की थी। किंतु नगर पालिका के कर्मचारियों द्वारा सीएम हेल्पलाइन में लगी शिकायत को कटवा दिया गया। लेकिन आज तक पानी नहीं आया है । वह चाहते हैं कि नगर पालिका उन्हें दो वक्त पर्याप्त पानी दे।

शारीरिक माप अभियान अंतर्गत 10 दिवसीय कार्यक्रम शुरू

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। जिले की आंगनवाड़ियों में 13 मई से 23 मई

तक 10 दिवसीय विशेष शारीरिक माप अभियान का आयोजन किया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदीया ने जानकारी देते हुए बताया कि संचालनालय के निर्देशों पर आंगनवाड़ी के बच्चों की शारीरिक माप का कार्य प्रारम्भ किया गया है। इस अभियान को सम्बंधित परियोजनाओं के परियोजना अधिकारियों के निर्देशन में क्रियान्वित किया का रहा है। परियोजना अधिकारी शैलेंद्र चौकसे ने बताया कि चिन्हित बच्चों की विशेष देखभाल की जा रही है और उनके स्वास्थ्य की सतत निगरानी की जा रही है। इस कार्यक्रम के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में 0 से 6 वर्ष के बच्चों का वजन और लंबाई/ऊंचाई का मापन किया जा रहा है,जिससे उनके पोषण स्तर की निगरानी की जा सके और कुपोषण के स्तर में सुधार लाया जा सके। आंगनबाड़ी केन्द्रो में दर्ज कुल बच्चों की 10 प्रतिशत बच्चों का प्रतिदिन वजन लिया जाएगा एवं उसी दिन पोषण ट्रैकर एप पर प्रविष्टि की जाएगी। उसके बाद बच्चों के पोषण स्तर से अभिभावकों को अवगत कराया जाएगा ताकि बच्चों के वजन में आ रहे सुधार, गिरावट व स्थिरता के संबंध में उन्हें आवश्यक परामर्श दिया जा सके। शारीरिक माप अभियान के अंतर्गत चिन्हित सेम, मेम एवं सुव बच्चों को संपर्क एप में सी-मेम कार्यक्रम में पंजीकृत किया जा रहा है जिससे बच्चों को आगामी स्वास्थ्य की जांच व दवाइयां वितरित की जाएगी।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के कक्षा ग्यारहवीं में प्रवेश प्रारंभ

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। जिले के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के कक्षा 11वीं में प्रवेश प्रक्रिया 15 मई से प्रारंभ हो गई है। विद्यालय प्राचार्य ने प्रेष विज्ञप्ति के माध्यम से बताया है कि विद्यालय में कक्षा 11वीं में गणित और जीवविज्ञान (हिंदी और अंग्रेजी माध्यम), कृषि और वाणिज्य (हिंदी माध्यम) की कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। विद्यालय में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को कक्षा 10वीं की मूल अंकसूची दिखाकर प्रवेश फार्म प्राप्त करना होगा, जो विद्यालय में दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने बताया कि भरे हुए फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 25 मई निर्धारित है। जिसके बाद मेरिट के अनुसार चयनित छात्र-छात्राओं की सूची प्रकाशित की जाएगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत चांगोटोला
जनपद पंचायत बालाघाट, जिला बालाघाट
क्रमांक /08/25 दिनांक 17.05.2025

निविदा

विषयाकिंत लेख है कि ग्राम पंचायत चांगोटोला में वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा, पंच परमेश्वर, पांचवा, 14 वां व 15 वां वित्त आयोग, स्वकराधान मद, स्वच्छ भारत अभियान, विधायक-सांसद निधि, परफार्मेस ग्रांट फंड, स्टेशनरी क्रय एवं अन्य मरम्मत व पंचायत में अन्य योजनाओं के तहत् विभिन्न निर्माण कार्य हेतु सामग्री क्रय की जानी हैं। इन कार्यों के लिए दिनांक 17/05/2025 से 22/05/2025 तक नीचे लिखित वर्णित सामग्री हेतु मुहरबंद निविदाएं कार्यालयीन समय में आमंत्रित हैं। निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते है, निविदा के संबंध में अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा। निविदा का लिफाफा कार्यालयीन समय पर ग्राम पंचायत चांगोटोला में जमा किया जावें एवं डाक द्वारा भेजे गये लिफाफे अंतिम तारीख के शाम 03 बजे तक ही मान्य किये जायेगें।

सामग्री- सीमेंट, लोहा, गिट्टी, सीमेंट पाइप, लोहा पाइप, मिट्टी, मुरम, रेत, ईट, मिक्चर मशीन, वाइब्रेटर मशीन, पॉलीथीन, थर्माकॉल,वॉशबेसिन नल सहित, गट्टू (पेपर ब्लॉक), नल जल योजना हेतु पाइप, टाईल्स, एसीसी एस्बेस्टस चादर (छत), पी.वी.सी पाइप, स्टेशनरी सामग्री, नल-जल संधारण की सामग्री, इत्यादि निर्माण कार्यो में आवश्यक सामग्री शामिल हैं।

प्रमोद ठाकरे, सरपंच
जैराम उइके, उपसरपंच
दीपचंद हनवते, सचिव
हेमेन्द्र साकेत, रोजगार सहायक
एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत चांगोटोला (बालाघाट)।

जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में 50 से अधिक विद्यार्थी हुए शामिल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। महाराणा प्रताप युवा संगठन और आर्ट ऑफ गिविंग के संयुक्त तत्वाधान में सीएम राइज विद्यालय में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ है। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ में महिला सशक्तिकरण राष्ट्र की ओर अग्रसर विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में जिले के प्रमुख विद्यालय और महाविद्यालय के 50 से

अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रथम स्थान नीलेश्वर बसेने, द्वितीय स्थान दिव्या नगपुरे और तृतीय स्थान वीना जामरे ने प्राप्त किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जन-जन तक महिला सशक्तिकरण और भारत की प्रगति की यात्रा सुनिश्चित करना है। साथ ही, छात्र-छात्राओं में साहित्यिक विद्या में अग्रणी होने के लिए प्रेरित करना है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से छात्र-छात्राओं को महिला सशक्तिकरण के महत्व को समझाने और उन्हें साहित्यिक विद्या में अग्रणी होने के लिए प्रेरित करने का अवसर मिला। कार्यक्रम में उप प्राचार्य साजिद मोहिस सर, अजय बैंस सीबीसी, विशिष्ट अतिथि प्रशिक्षक दुर्गा प्रसाद तुरकर, आशीष श्रीवास्तव जी सर और रासेयो कार्यक्रम अधिकारी अशोक कुमार कोर्राम सर उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सार्थक सिंह चौहान राज्य संयोजक, भागेंद्र पटले जिला संयोजक, कार्यक्रम संयोजक राहुल पटले और उनकी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जल गंगा संवर्धन अभियान- बापूटोला में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देशानुसार व जिला समन्वयक सुशील बर्मन के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन के कार्य निरंतर जारी है। इसी क्रम में मप्र जन अभियान परिषद कि नवांकुर संस्थाए एवं परामर्शदाता के प्रयासों से जन जन तक जल बचाव

जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए जन-जागरूकता किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में विकासखण्ड परसवाड़ा के ग्राम बापुटोला में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा समूह बनाकर दीवार लेखन मुख्य-मुख्य स्थलो पर किया गया व गांव में जल स्त्रोतों के संरक्षण कि शपथ दिलाई गई। साथ ही बढ़ते तापमान के कारण होने वाले जल संकट से मनुष्यों के साथ-साथ वन्यजीवो को होने वाली समस्याओ से अवगत कराया। पक्षियों के लिए जल पात्र सकोरे पेड़ों पर टांगें गये। इस कार्यक्रम में योगेश्वरी रहांगडाले,मोहित पटले, तुषार बिसेन, राजेंद्र पटले उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रशासन की जल बचाओं, जल बढ़ाओं कार्य योजना पर अमल

अगले साल हमारे पास इतना जल संग्रहित होगा कि 3 निकायों को 100 दिन जल वितरित हो सकें

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। धरती पर जल की आवक का मुख्य स्त्रोत बारिश ही है। यदि बारिश का बहता जल जमीन में नही समाएं तो हमारे पास पेयजल के लिए नदियां और तालाब ही बचेंगे। यदि उनमें पर्याप्त जल संग्रहित हो सका तो उपयोगी होगा। अगर इनका समुचित ढंग से उपयोगी नहीं बना सकें तो जल संकट के आसार बनेंगें। ऐसे में जल की पर्याप्तता जल गंगा संवर्धन अभियान पर बहुत हद तक निर्भर है। जल गंगा संवर्धन अभियान में जिला प्रशासन ने ज्यादा से ज्यादा जल संग्रहण और जल को जमीन उड़ेलने पर जोर दिया जा रहा है। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में ऐसे कार्य हो रहें है। जो जल बचाओं, जल बढ़ाओ की अवधारणा पर आधारित है। यहां 5000 हजार खेत तालाबों के अलावा 25 अमृत सरोवर और 1200 सौ कुओं के पास रिचार्ज पीठ बनाएं जा रहें है। इनमें सीधे तौर पर 10 अरब 32 करोड़ 20 लाख लीटर जल संग्रहित हो सकेगा। साथ ही इससे कही ज्यादा जल संरक्षण अर्थात जमीन में पानी संरक्षित होने की पूरी-पूरी संभावना है। इन जल संरचनाओ के अलावा और भी संरचनाएं है जो जल संग्रहण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। वैसे यानी प्रशासन की कार्य योजना से जल बचाया भी जाएगा और जल बढ़ाया भी जाएगा।

तीन निकायों में 92 लाख लीटर जल संग्रहण क्षमता, जल गंगा संवर्धन में 10 अरब ली. से अधिक होगा जल संग्रहण

वर्तमान में जिले की बालाघाट, वारासिवनी और मलाजखण्ड नगरीय निकायों में 15 टंकियों के द्वारा 92 लाख लीटर जल संग्रहित करने की क्षमता है। इस लिहाज से जल गंगा संवर्धन अभियान में बनाई जा रही तीन तरह की जल संरचनाओं से 1000 गुना से भी अधिक जल संग्रहित किया जाएगा। वहीं अगर तीन निकायों में जल वितरण से तुलना करें तो पाएंगे कि जल वितरण की तुलना में 100 गुना अधिक जल वितरण के बराबर संग्रहित होगा। तीन निकायों में हर दिन 1 करोड़ 65 लाख जल वितरण किया जा रहा है। ग्रामीण विकास विभाग कार्यपालन यंत्री श्री मनोज धुर्वे ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष अभियान में 25 नए अमृत सरोवरों से 2 लाख 50 हजार घन मीटर, 5 हजार खेत तालाबों से 1 करो? घन मीटर और 1200 सौ कुओं के रिचार्ज से 72 हजार घन मीटर जल वृद्धि यानी कुल 10 अरब 32 करो? 20 लाख लीटर जल निश्चित तौर पर संग्रहित होगा। यह जल इतना होगा कि तीन निकायों में 100 दिन से अधिक दिनों तक वितरण के बराबर होगा। बालाघाट में प्रतिदिन 1 करोड़ 3 लाख, वारासिवनी में 22 लाख और मलाजखण्ड में 40 लाख लीटर जल प्रतिदिन जल वितरण हो रहा है।

जल गंगा संवर्धन हर स्तर पर जल संरक्षण के लिए महत्वपर्ण

मप्र शासन द्वारा 30 मार्च से प्रारंभ हुए जल गंगा संवर्धन अभियान में पुरानी जल संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण के साथ ही नवीन जल संरचनाओं का निर्माण और बारिश से पूर्व पौधारोपण कर उन्हें बड़ा करने पर जोर दिया जा रहा है। इस अभियान में अब तक 3621 खेत तालाबों, 25 अमृत सरोवरों और 1130 कुओं के रिचार्ज करने का कार्य प्रारम्भ हो चुका है। इसके अलावा नगरों व ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्त्रोतों के आस-पास श्रमदान कर जल संरक्षण की दिशा में कार्य निरंतर

सड़क दुर्घटना मे घायल युवक का बीएमओ ने प्राथमिक उपचार कर अस्पताल भिजवाया

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम देवगांव से रजेगांव रास्ते में मोड़ पर बीती रात्रि समय लगभग 9:20 पर दो बाइक आपस में टकरा गई। इस सड़क दुर्घटना मे मोटर साइकिल सवार 03 लोग घायल हुए, 01 व्यक्ति गंभीर रूप से घायल था, ठीक उसी समय डॉ.वर्ष चौबे बीएमओ किरनापुर रात्रि में पी एच सी रजेगाव आकस्मिक निरीक्षण हेतु जा रहे थे, उनके द्वारा तुरंत ही रास्ते में गंभीर घायल व्यक्ति का प्राथमिक उपचार कर 108 को बुलवाकर चिकित्सालय किरनापुर भिजवाया गया। आपको बताए कि इसी तरह से हम सभी मे परस्पर सहयोग की भावना होनी चाहिए। जब कभी भी इस तरह से हमारे सामने कोई हादसे हो जावे तो हमें भी घायलों को अस्पताल भिजवाने का प्रबंध करने चाहिए। यह हम सभी के लिए पीड़ित मानवता की सेवा करने मे यह एक सच्ची प्रेरणादायी पहल साबित होगी।

विक्रय/किराये से देना है
श्याम टॉकीज एण्ड मॉल मेन रोड ग्राउंड फ्लोर एवं उसके उपर के दो फ्लोर (फ्लोर हाइट 15 फीट) पर स्थित कुल एरिया 3000 वर्गफीट का हाल/ दुकान/, बेचना/ किराये से देना है
-संपर्क-
8817024586, 9201340520

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य हेतु चपरासी की आवश्यकता है, 25 वर्ष से कम उम्र के बालाघाट एवं आसपास के रहने वाले ही संपर्क करें। वेतन-12000+
मिलने एवं फोन लगाने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9201340520/7999613237

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

तो बेरोजगार हो जाएंगे कई अतिथि शिक्षक, दस्तावेज सत्यापन का आज अंतिम दिन

दस्तावेज सत्यापन के लिए परेशान हो रहे अतिथि शिक्षक, अतिथि शिक्षकों ने जताई नाराजगी ,व्यवस्थाओं में सुधार करने की करी मांग , प्राचार्य बोले शासकीय अवकाश के चलते आ रही समस्या , सत्यापन के लिए शिक्षक, कंप्यूटर आपरेटर व सर्वर बड़ा रोड़ा

बालाघाट(पदमेश न्यूज़)। पिछले दिनों लोक शिक्षण संचनालय भोपाल द्वारा अतिथि शिक्षकों के दस्तावेज सत्यापन के आदेश जारी किए गए थे। जहां इस कार्य के लिए बालाघाट जिले के सभी संकुलों में अतिथि शिक्षकों के दस्तावेज सत्यापन की व्यवस्था बनाई गई है।जहां 06 से 17 मई तक अतिथि शिक्षकों के दस्तावेजों का सत्यापन होना है लेकिन शुरू की गई इस प्रक्रिया को करीब 11 दिन बीत जाने के बावजूद भी अब तक महज 135 से 140 ही अतिथि शिक्षकों के दस्तावेजों का सत्यापन हो सका है।जबकि भारी संख्या में अतिथि शिक्षक दस्तावेज सत्यापन की राह तक रहे हैं। वही दस्तावेज सत्यापन की अंतिम तारीख शनिवार 17 मई बताई गई है। ऐसे में संकुलों में भारी संख्या में अतिथि शिक्षक दस्तावेज सत्यापन के लिए पहुंच रहे हैं। लेकिन आए दिन किसी न किसी कारणों के चलते उनके दस्तावेजों का सत्यापन नहीं हो रहा है। जिस पर अपनी नाराजगी जताते हुए अतिथि शिक्षकों ने व्यवस्थाओं में सुधार किए जाने की मांग की है।

सत्यापन दस्तावेज सत्यापन में आ रहे अनेक रोड़े

बताया जा रहा है कि अतिथि शिक्षको के दस्तावेज सत्यापन के लिए अनेक रोडे आ रहे हैं इसकी प्रमुख वजह दस्तावेजों की जांच करने के लिए शिक्षकों की कमी ,कंप्युटर ऑपरेटर ना होना सहित नेटवर्क सर्वर की समस्या बताई जा रही है। कभी शिक्षक नहीं आने के चलते दस्तावेजो का सत्यापन नहीं हो पा रहा है, तो कभी सर्वर की समस्या बनी हुई है। जिसके चलते अतिथि शिक्षको काफी परेशान होना पड़ रहा है और वे रोजाना भारी संख्या में दस्तावेज सत्यापन के लिए केंद्र पहुंचने के लिए मजबूर है। जहां दिनभर केंद्र में खड़े रहने के बाद भी उनके दस्तावेजों का सत्यापन नहीं हो पा रहा है। जिसका एक नजारा पिछले कुछ दिनों से नगर के उत्कृष्ट विद्यालय में भी देखने मिल रहा है जहां सत्यापन न होने पर अपनी नाराजगी जताते हुए अतिथि शिक्षकों ने व्यवस्थाओं में सुधार किए जाने की मांग की है। तो वही प्राचार्य द्वारा विभिन्न कारणों का हवाला देते हुए जैसे तैसे व्यवस्था बनाकर सत्यापन का कार्य कराने की बात कही है।

नहीं बढ़ी तारीख, तो बेरोजगार हो जाएंगे कई अतिथि शिक्षक

बताया जा रहा है कि अतिथि शिक्षकों के दस्तावेज सत्यापन की 17 मई अंतिम तारीख है। जहां आज शनिवार तक सभी अतिथि शिक्षकों के दस्तावेजों का सत्यापन होना है। यदि शासन से दस्तावेज सत्यापन की तारीख एक बार फिर से नहीं बढ़ाई गई तो फिर जिले के कई अतिथि शिक्षकों के दस्तावेजों का सत्यापन नहीं हो पाएगा। जिसके चलते वे विभिन्न स्कूलों में अपनी सेवाएं नहीं दे पाएंगे। जहां समय काफी कम होने के चलते अतिथि शिक्षक भारी संख्या में केंद्र पहुंचकर अपने दस्तावेजों के सत्यापन की रहा देख रहे हैं लेकिन अनेक कारणों के चलते उनके दस्तावेजों का सत्यापन नहीं हो पा रहा है। वही 17 मई अंतिम तारीख होने के चलते अब कई अतिथि शिक्षकों को बेरोजगार होने का डर भी सता रहा है।

सभी संकुलों में नहीं हो रहा सत्यापन

बात अगर नियम की करें तो अतिथि शिक्षकों के दस्तावेज सत्यापन के लिए जिले भर के सभी स्कूलों में दस्तावेज सत्यापन की व्यवस्था बनाई गई है ।लेकिन जिले के ज्यादातर संकुलों में अतिथि शिक्षकों के दस्तावेजों का सत्यापन नहीं किया जा रहा है ।वही चुनिंदा संकुलों में ही सत्यापन का कार्य हो रहा है। जिसके चलते उत्कृष्ट विद्यालय सहित नगर के अन्य केंद्रों में अतिथि शिक्षकों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है।

सत्यापनकर्ताओ की कमी झूझ रहे केंद्र

बात अगर नगर के उत्कृष्ट विद्यालय केंद्र की करें तो यहां दस्तावेज सत्यापन के लिए पहुंचने वाले अतिथि शिक्षक पिछले चार दिनों से परेशान हो रहे हैं। जिसकी प्रमुख वजह सत्यापन करने वाले शिक्षको का अभाव बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार वर्तमान में शासकीय आदेशों के तहत स्कूलों की छुट्टियां चल रही है। जिसके चलते ज्यादातर शिक्षक स्कूल नहीं पहुंच रहे हैं। तो कई शिक्षक छुट्टी मनाने व शादी ब्याह के चलते शहर में नहीं है। यही वजह है कि केंद्र में शिक्षक नहीं पहुंच रहे हैं। जहां सभी शिक्षक उपस्थित न होने के चलते अतिथि शिक्षकों के दस्तावेजों के सत्यापन में दिक्कतें आ रही है।

कंप्यूटर ऑपरेटर भी नहीं, बाहर से बुलाया गया ऑपरेटर

अतिथि शिक्षकों के दस्तावेज सत्यापन होने ना होने की दूसरी वजह कंप्यूटर ऑपरेटर की नियुक्ति न होना बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार उत्कृष्ट विद्यालय में कंप्यूटर ऑपरेटर की नियुक्ति नहीं है जिसके चलते समनापुर से कंप्यूटर ऑपरेटर को बुलाकर दस्तावेजों के सत्यापन की व्यवस्था बनाई गई है।

सर्वर की समस्या भी बड़ा कारण

बताया जा रहा है कि दस्तावेज सत्यापन में सर्वर की समस्या भी रोड़ा बनी हुई है जानकारी के अनुसार कभी दस्तावेजों के सत्यापन के लिए शिक्षक व कंप्यूटर ऑपरेटर उपस्थित रहते हैं तो कई बार सर्वर काम नहीं करता ।अतिथि शिक्षकों के दस्तावेज व अन्य जानकारियां कंप्यूटर में अपलोड करना ,ओटीपी जनरेट करने में दिक्कत आ रही है। सर्वर समस्या के चलते कई बार प्राचार्य के मोबाइल में ओटीपी नहीं पहुंच पाता। जिसके चलते दस्तावेज का सत्यापन कार्य मुश्किल बना हुआ है।

धीमी गति से हो रहा सत्यापन का कार्य

बताया जा रहा है कि एक-एक दस्तावेज के सत्यापन करने के लिए सत्यापनकर्ता को विभिन्न कारणों के चलते अधिक समय लग रहा है।एक दिन में करीब 50 से 60 लोगों के ही दस्तावेज सत्यापित हो पा रहे हैं। जानकारी के अनुसार अभी तक 130 से 135 दस्तावेजों का ही सत्यापन हो पाया है बताया जा रहा है कि यदि दस्तावेज सत्यापन में थोड़ी भी ऊंची नीच हो गई या जल्दबाजी में गलत जानकारी अपलोड हो गई तो सत्यापनकर्ता व प्राचार्य पर एफआईआर तक दर्ज की जा सकती है।इसलिए इस कार्य में वे फूंक फूंक कर कदम रख रहे हैं ।

रोज आ रहे हैं और रोज वापस जा रहे हैं- प्रियांशी

किरनापुर से दस्तावेजों का सत्यापन कराने आई अतिथि शिक्षक प्रियांशी ने बताया कि वह रोजाना तीन-चार दिनों से दस्तावेजों के सत्यापन के लिए केंद्र पहुंच रहे हैं लेकिन दस्तावेजों का सत्यापन नहीं हो रहा है। जिसके चलते हमें रोज वापस जाना पड़ रहा है। रोजाना आकर लाइन में लगकर पहले टोकन लेनी पड़ती है और टोकन लेकर दिन भर खड़े रहना पड़ता है उसके बाद भी हमारा नंबर नहीं लग पा रहा है।

कोई ना कोई बहाना बताकर परेशान कर रहे है- शांडिल्य

वही अतिथि शिक्षक अंजनी शांडिल्य ने बताया कि डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के नाम पर परेशान किया जा रहा है आए दिन कुछ न कुछ गलती को सुधार करने कैफे भेजा जाता है जब सुधार करके लाओ तो पुनः कोई दूसरी गलती निकाल कर फिर से सुधार करने कहा जाता है। आज तीन-चार दिनों से रोजाना हम परेशान हो रहे हैं।

हमे उम्मीद है कि तारीख बढाई जाएगी- ज्योतिषी

उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य शरद ज्योतिषी ने बताया कि सभी संकुल स्तर पर भी दस्तावेजों का सत्यापन किया जाना था लेकिन ग्रामीण स्तर के संकूलो में सत्यापन का कार्य पूर्ण न होने से बड़ी संख्या में अतिथि शिक्षक उत्कृष्ट विद्यालय पहुंच रहे है। रोजाना 60 से 70 दस्तावेजों की जांच की जा रही है, लेकिन अधिक संख्या में भीड़ होने के चलते समस्या निर्मित हो रही है। वहीं शिक्षक भी ग्रीष्मकालीन अवकाश में है जिससे भी दिक्कत आ रही है। दस्तावेज सत्यापन की कल अंतिम तारीख है लेकिन बड़ी संख्या में अतिथी शिक्षको के दस्तावेज सत्यापित नही हो पाए है। ऐसी स्थिति में हर साल तारीख बढाई जाती है।हमे उम्मीद है इस बार भी तारीख बढाई जा सकती है।

कार और ट्रेक्टर आपस मे टकराये-दोनो वाहन के उड़े परखच्चे-कोई जनहानि नही

बालाघाट(पदमेश न्यूज़)। कोतवाली थाना क्षेत्र में आने वाले समनापुर रोड़ पर स्थित ग्राम भटेरा के समीप शुक्रवार की सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक कार और ट्रैक्टर में आपस मे टकरा गए । दोनों वाहन के बीच हुई जबरदस्त भिढ़ंत में दोनों वाहन के परखच्चे हो गए । हालांकि इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार 16 मई को सुबह करीब 8:30 बजे समनापुर रोड़ पर स्थित ग्राम भटेरा के पास कार और ट्रैक्टर आपस मे टकरा गये। बताया जाता है समनापुर की ओर से कार बालाघाट जा रही थी जबकि ट्रैक्टर बालाघाट की ओर से आ रहा था। तभी तेज रफ्तार दोनों वाहन में आपस में भिड़ गए। इस दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों का जमावड़ा लग गया।दोनों वाहन के बीच हुई इस जबरदस्त भिड़ंत दोनों वाहन के सामने से परखच्चे उड़ गए। ट्रैक्टर के सामने के दोनों चक्के स्टेरिंग से अलग हो गए। और कार के सामने का एक साइड का भाग पूरा छतिग्रस्त हो गया। हालांकि इस दुर्घटना में दोनों वाहन के किसी भी व्यक्ति को चोंटे नहीं आई।

तेंदूपत्ता तोड़ने गया युवक का बाघ ने किया शिकार

वन परिक्षेत्र कटंगी कछार जमुनिया की घटना, गांव में दहशत और तनाव का रहा माहौल

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। दक्षिण वन मंडल बालाघाट के वन परिक्षेत्र कटंगी अंतर्गत आने वाले पाडरपानी बीट ग्राम पंचायत जमुनिया के कछार में तेंदूपत्ता तोड़ने गए एक युवक का बाघ ने शिकार कर लिया। जिसके बाद जंगल में बसे कछार में दहशत का माहौल निर्मित हो गया है।मृतक का नाम ग्राम जमुनिया कछार निवासी 33 वर्षीय अनिल सिंह पिता अदन सिंह भलावे बताया गया है।जानकारी के अनुसार अनिल, शुक्रवार की सुबह अपने गांव के लोगों के साथ तेंदूपत्ता तोड़ने के लिए गए थे। इस दौरान सभी अलग अलग तेंदूपत्ता तोड़ रहे थे, कि बाघ ने अनिल सिंह पर सुबह करीब 9 बजे हमला कर दिया। साथ ही कमर के नीचे वाला हिस्सा पूरी तरह से खा लिया। जहा बाघ के शिकार से वहां हड़कंप मच गया और लोगो के बीच चीख पुकार मच गई। उधर घटना की सूचना वन विभाग और पुलिस को मिलने पर वन अमला व कटंगी तिरोड़ी खैरलांजी और रामपायली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी कर शव को बरामद कर पोस्टमार्टम करवाया गया। जहां शव का पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। तो वही वरिष्ठ अधिकारियों को मामले की सूचना देकर मुआवजा सहित अन्य प्रकार की विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

सवा चार माह में तीसरी मौत

जानकारी के अनुसार, बाघ के हमले से वन परिक्षेत्र कटंगी में 16 मई को ये तीसरी घटना है। इसके पूर्व खैरलांजी में और कुड़वा में दो किसानों की मौत बाघ के हमले से हो चुकी है। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में 08 से 10 बाघ विचरण कर रहे है। साथ ही बाघ की दहशत से 13 गांवों में तेंदूपत्ता तुड़ाई बंद कर दिए है।आपको बताए कि कटंगी वनपरिक्षेत्र में एक पखवाड़े में दूसरी बड़ी घटना है, इसके पूर्व 03 मई को कुडवा में, खेत में बनी अस्थायी झोपड़ी में सो रहे किसान 55 वर्षीय प्रकाश पिता तुकाराम पाने पर बाघ ने हमला कर दिया था। जिसके भी कमर के नीचे के हिस्से को बाघ ने नोंच खाया था। जबकि इससे चार माह पूर्व खैरलांजी में एक और व्यक्ति पर बाघ ने हमला किया था। जिसमें भी उसकी मौत हो गई थी।

ग्रामीणों में आक्रोश

उधर घटना के बाद से ही ग्रामीणों में आक्रोश देखा जा रहा है।वही आदमखोर बाघ की मौजूदगी से लोगो मे दहशत का माहौल है।इसी बीच वन विभाग ने घटना के बाद से ग्रामीणों को अलर्ट रहने की हिदायत दी है। वही जंगल में गश्ती भी बढ़ाई जा रही है।

मृतक के परिजनों दी गई सहायता राशि

वन परिक्षेत्र अधिकारी बाबूलाल चढ़ार ने बताया मृतक का शव बरामद कर लिया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में मृतक के परिजनों को 08 लाख रुपए की सहायता राशि दी गई है। शासन से मिलने वाली 25 लाख रुपए के लिए प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा जाएगा।उन्होंने बताया कि वन विभाग ने ग्रामीणों को जंगल की ओर अकेले जाने से मना किया है।

कैरियर काउंसलिंग के लिए 30 मई तक आवेदन आमंत्रित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। कैरियर काउंसलिंग एवं विषय विशेषज्ञ के पैनल तैयार करने के लिए अंतिम रूप से 30 मई तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए है। जिला रोजगार अधिकारी श्रीमती प्रीति मर्सकोले ने जानकारी देते हुए बताया की काउंसलर के पद के लिए मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री या पीजी डिप्लोमा अनिवार्य है, जबकि विषय विशेषज्ञ के लिए संबंधित विषयों में विशेषज्ञता और मार्गदर्शन के क्षेत्र में अनुभव होना आवश्यक है। इच्छुक आवेदक 30 मई तक अपने आवेदन समस्त शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव प्रमाण पत्र सहित जिला रोजगार कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। चयनित आवेदकों को प्रत्येक काउंसलिंग के लिए निर्धारित कार्य दिवस में उपस्थिति के आधार पर शासन द्वारा निर्धारित मानदेय का भुगतान किया जाएगा।

ऑटो स्पेयर पार्ट्स की दुकान में लगी भीषण आग

आगजनी में स्पेयर पार्ट्स का सामान जलकर खाक, कारण अज्ञात, मामले की जांच में जुटी पुलिस , रानी दुर्गावती चौक की घटना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। बीती रात वारासिवनी रोड़ सिविल लाईन स्थित नगर के रानी दुर्गावती चौक में उस वक्त अफरा तफरी का माहौल निर्मित हो गया। जब चौक स्थित एक ऑटो स्पेयर पार्ट्स की दुकान में भीषण आग लग गई।अज्ञात कारणों के चलते लगी इस आग में दुकान में रखा लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। जहां आगजनी की सूचना मिलने पर रात में मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने मिलकर दुकान में लगी इस आग पर काबू पाया।लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी ।हालांकि यह आग कैसे लगी फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। जिसकी जांच कोतवाली पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है।

रात 10 बजे की बताई जा रही घटना

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर निवासी पियूष शुक्ला,वारासिवनी रोड़, पुलिस लाइन रानी दुर्गावती चौक में ऑटो स्पेयर पार्ट्स की एक दुकान चलाते है।जो दो पहिया वाहन के स्पेयर पार्ट्स की बिक्री के साथ-साथ मोटरसाइकिल सुधार का भी काम करते हैं। बताया जा रहा है कि गुरुवार की रात्रि करीब 9 बजे दुकान बंद करके वे अपने घर चले गए थे। इसके बाद रात्रि करीब 10 बजे उनकी दुकान में अचानक आग लग गई। जिसकी सूचना स्थानीय लोगों ने दुकान संचालक, पुलिस और नगरपालिका की फायर ब्रिगेड टीम को दी। जहां मामले की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और फायर ब्रिगेड टीम कर्मचारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने उक्त आग को बुझाने का कार्य शुरू कर दिया। इसी दरमियान दुकान संचालक भी मौके पर पहुंच गए ।जहां कड़ी मशक्कत के बाद वाहन चालक इमरान खान, फायर मेन योगेश लिल्हारे, ताना जी बोरकर,और योगराज बघेल द्वारा दुकान में लगी उक्त आग पर काबू पाया गया ।लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। जहां दुकान में लगी इस आग से दुकान में रखा सारा ऑटो स्पेयर पार्ट्स का सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गया था।

आग लगी या लगाई गई कुछ नहीं कह सकते- पीयूष

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान ऑटो स्पेयर पार्ट्स दुकान संचालक पियूष शुक्ला ने बताया कि रात्रि करीब 10 बजे दुकान में आग लगने की सूचना उन्हें दूरभाष पर मिली थी। जब वह दुकान पहुंचे तो दुकान का सामान जलकर खाक हो गया था। पुलिस कर्मचारी और फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझा रही थी ।इस आगजनी में उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने आगे बताया कि उनकी दुकान में आग कैसे लगी यह स्पष्ट नहीं है। क्योंकि दुकान में शॉर्ट सर्किट जैसी कोई संभावना ही नहीं है ।यहां आग लगी है या किसी के द्वारा लगाई गई कुछ भी नहीं कहा जा सकता।

भारतीय सेना के सम्मान में आज सर्वसमाज निकालेगा तिरंगा यात्रा, प्रतिनिधियों ने की बैठक

बालाघाट(पदमेश न्यूज़)। आतंकियों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेवा द्वारा जो पराक्रम और शौर्य दिखाया गया, उसी को लेकर जिले में सर्वसमाज के द्वारा तिरंगा यात्रा निकाले जाने की रणनीति बना ली गई है। सर्व समाज के पदाधिकारीयों द्वारा 16 मई को स्थानीय काली पुतली चौक स्थित हनुमान मंदिर में एक बैठक की गई। जहां सभी समाज के प्रतिनिधियों ने बैठक में यह निर्णय लिया कि 17 मई को शाम 6:00 बजे नगर के कालीपुतली चौक से तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी, जो शहर के प्रमुख चौक चौराहों से होते हुए हनुमान चौक पहुंचेगी और यहां सबसे पहले शहीद हुए वीर सपूतों को श्रद्धांजलि दी जाएगी तो वहीं पूर्व सैनिकों का भी यहां सम्मान किया जाएगा । आपको बता दे कि पहलगाम हमले में धर्म पूछकर निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकियो के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने जो शौर्य और पराक्रम दिखाया है, उससे हर भारतीय को अपनी सेना पर गर्व है। भारतीय सेना के इसी शौर्य और पराक्रम के सम्मान में पूरे देश में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है, इसी के तहत 17 मई को बालाघाट मुख्यालय में सर्वसमाज, वीर सैनिकों के शौर्य और पराक्रम के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकालेगा। जिसको लेकर, शुक्रवार को सायंकाल 6 बजे से नगर के काली पुतली चौक स्थित सिद्धपीठ हनुमान मंदिर में सर्वसमाज के सामाजिक प्रतिनिधियों की बैठक आहूत की गई। जिसमें सामाजिक संगठन के साथ ही हिन्दुवादी और व्यापारिक संगठन के प्रतिनिधि बैठे थे। विहिप अध्यक्ष यज्ञेश लालु चावड़ा ने बताया कि शनिवार को सायंकाल 5.30 बजे काली पुतली चौक से तिरंगा यात्रा, भारतीय सेना के सम्मान और समर्थन में निकाली जाएगी। जो शहर के मेनरोड से होकर हनुमान चौक पहुंचेगी। जहां, आतंकियों के खिलाफ लड़ाई में शहीद हुए जवानो को श्रद्धाजंलि प्रदान की जाएगी और पूर्व सैनिकों का सम्मान किया जाएगा। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की है कि यह तिरंगा यात्रा, भारतीय सेना के लिए समर्पित है, सभी लोग, घर से निकलकर, इसमें शामिल होकर, इस तिरंगा यात्रा की शोभा बढ़ाए।

बघोली के वार्ड नं. 5 एवं 6 में नाली की सफाई नही होने से गंदगी का अंबार

निवासरत लोगों को हो रही परेशानी, जल्द नाली की सफाई करवाने की वार्डवासियों ने की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत बघोली के वार्ड नं. 5 एवं 6 की नालियों की लंबे समय से साफ-सफाई नही होने के कारण नाली चोक हो चुकी है। वहीं नालियों में गंदा पानी जमा रहने के कारण उसकी दुर्गंध से निवासरत लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही नाली में अधिक पानी जमा रहने पर रोड़ के ऊपर से गंदा पानी बहते रहता है। ऐसी स्थिति में मार्ग से आने-जाने वालों को बेहद परेशानी होती है और कई बार तो वाहन अनियंतित्र होने से लोग गिर जाते है एवं गंदे पानी के छिटे लगने से उनके कपड़े भी खराब हो जाते है। साथ ही गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ रहा है जिससे निवासरत लोगों को विभिन्न प्रकार की बीमारी होने का डर सता रहा है। जबकि लंबे समय से ग्रामीणजनों के द्वारा पंचायत से नालियों की साफ-सफाई करवाने की मांग कर रहे है। लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे वार्डवासियों में जिम्मेदारों के प्रति आक्रोश व्याप्त है। आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत बघोली में निवासरत लोगों के घरों एवं बारिश के पानी की निकासी के लिए रोड़ किनारे से नाली का निर्माण किया गया है जिसके माध्यम से पानी की निकासी होती है। वार्ड नं. 5 एवं 6 में बनी नाली की लंबे समय से पंचायत के द्वारा साफ-सफाई नही करवाई गई है, जिसके कारण नाली चोक हो चुकी है। ऐसी स्थिति में निवासरत लोगों के घरों का गंदा पानी नाली में जमा हो रहा है, जिसकी गंदगी दुर्गंध आने से सभी को परेशानी हो रही है एवं गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ रहा है। साथ ही वार्डवासियों के द्वारा पंचायत से लंबे समय से नालियों की साफ-सफाई करवाने की मांग कर रहे है लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। ऐसी स्थिति में मजबूरन निवासरत लोग अपने घरों के सामने की नाली की स्वयं सफाई करते है। लेकिन वर्तमान समय में वार्ड नं. 5 एवं 6 में नाली की सफाई नही होने से सभी परेशान है इसलिए वार्डवासियों ने सरपंच-सचिव से जल्द चोक नाली की साफ-सफाई करवाने की मांग की है ताकि पानी की निकासी हो सके और नाली में जमा गंदे पानी से हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

लंबे समय से नालियों की नही हुई है सफाई - कपिल

कपिल टेंभरे ने बताया कि बघोली पंचायत के वार्ड नं. 5 एवं 6 की नालियों की लंबे समय से साफ-सफाई नही हुई है, जिसके कारण नाली चोक हो चुकी है और गंदा पानी की निकासी नही होने के कारण पानी जमा हो चुका है एवं कुछ स्थानों से रोड़ के ऊपर से गंदा पानी बहते रहता है जिससे सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही यह भी बताया कि नाली में गंदा पानी जमा रहने के कारण उसकी गंदी दुर्गंध आने से सभी को परेशानी हो रही है और मच्छरों का प्रकोप बढ रहा है, जिससे संक्रमण फैलने का डर बना हुआ है। श्री टेंभरे ने बताया कि नाली की नियमित रूप से सफाई करवाने के संबंध में पंचायत के सरपंच व सचिव को अवगत करवा चुके है लेकिन कोई ध्यान नही दे रहे है जिससे सभी में आक्रोश व्याप्त है।

नाली की जल्द सफाई करवाये पंचायत - राजेन्द्र

राजेन्द्र टेंभरे ने बताया कि पानी निकासी के लिए रोड़ किनारे से पक्की नाली बनी हुई है जिससे निवासरत लोगों के घरों का गंदा पानी की निकासी होती है। लेकिन करीब एक वर्ष से नाली की सफाई नही होने के कारण नाली चोक हो चुकी है और गंदा पानी जमा होने के कारण नालियां गंदगी से बजबजा रही है एवं मच्छर पनप रहे है जिससे विभिन्न प्रकार की बीमारी होने का डर सता रहा है। श्री टेंभरे ने बताया कि गंदा पानी रोड़ में आने पर आने-जाने वालों को काफी परेशानी होती है और कई बार छिंटे लगने से उनके कपड़े भी खराब हो जाते है इसलिए पंचायत से मांग है कि जल्द नालियों की सफाई करवाये ताकि पानी निकासी की हो समस्या बनी हुई है वह दुर हो सके।

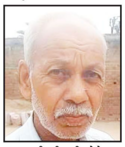

सफाई जल्द करवा दी जायेगी - अरशद

दूरभाष पर चर्चा में बघोली सरपंच अरशद पापा पटेल ने बताया कि पंचायत क्षेत्र की नालियों की समय-समय पर साफ-सफाई की करवाई जाती है, वार्ड नं. 5 एवं 6 की भी नालियों की पूर्व में सफाई करवाई गई थी परन्तु कुछ लोग नाली में कुड़ा-करकट डाल देते है जिसके कारण नाली चोक हो जाती है। साथ ही यह भी बताया कि मजदूर उपलब्ध होते ही जल्द नालियों की साफ-सफाई करवा दी जायेगी और ग्रामीणजनों से भी अपील है कि नालियों में क़ुड़ा-करकट न डाले एवं अपने आसपास स्वच्छता बनाये रखे।

पंचायतों के तालाबों से मिट्टी परिवहन करने अनुमति लेना आवश्यक नही - अनीस

खनिज विभाग के आदेश से पंचायतों व जल संवर्धन कार्यों को लाभ

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी में जलगंगा संवर्धन कार्यक्रम के तहत शिकारी तालाब का गहरीकरण कार्य किया जा रहा है। जिससे तालाब का गहरीकरण कर बारिश का पानी अधिक से अधिक समय के लिए जमा किया जा सके और इस तालाब गहरीकरण से आसपास का जलस्तर भी बेहतर बना रहे। जिसके लिए शासन के द्वारा ग्राम पंचायतों को अनेक मद के माध्यम से सहायता भी प्रदान की गई है जिससे अधिक से अधिक तालाबों का गहरीकरण हो सके। साथ ही पंचायतों के तालाबों से मिट्टी परिवहन करने के लिए अनुमति लेना भी आवश्यक नही है। चर्चा में पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि म.प्र. शासन के निर्देश पर वर्तमान समय में सम्पूर्ण मध्यप्रदेश सहित बालाघाट जिले के सभी दस ब्लाकों में जल संवर्धन के कार्य जोरों पर चल रहे हैं। सरकार द्वारा चलाये जा रहे इस कार्यक्रम की शुरुआत गत 30 मार्च से प्रारंभ हुई है जो कि 30 जून तक चलेगी। इस कार्यक्रम का शुभारंभ स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी व प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव जी के द्वारा किया गया। श्री खान ने बताया कि वर्तमान समय में बालाघाट जिले के सभी 10 ब्लाकों में जल संवर्धन कार्यक्रम के तहत मनरेगा, प्रधानमंत्री गौण खनिज, 14 वित्त, 15 वित्त, 5 वां वित्त, पंचायत निधियों, सांसद-विधायक इत्यादि निधियों से शासकीय तालाबों का जीर्णोद्वार, कुआं-बावली, परकोलेशन टैंक, खेत तालाब, मीनाक्षी तालाब, कुओं के पास रिचार्ज पिट निर्माण, तालाब गहरीकरण, मरम्मत, पेड़-पौधे कार्य सहित अन्य योजनाओं से विभिन्न कार्य प्रगति में है। साथ ही यह भी बताया कि म.प्र. शासन द्वारा खनिज विभाग के जारी पत्रानुसार अब शासकीय तालाबों से कृषक व ग्रामीणजन स्वयं के व्यय से शासकीय तालाबों से अपनी आवश्यकतानुसार गाद, कीचड़, मिट्टी इत्यादि निःशुल्क ले जा सकते हैं। इसके लिए कोई परिवहन रॉयल्टी की अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं होगी। इस हेतु आवेदक, कृषक या संगठक या व्यक्ति को ग्राम पंचायत में आवेदन देकर अनुमति प्राप्त करनी होगी। सरकार के इस आदेश से बालाघाट जिले के सभी सरपंच ने हर्ष व्यक्त किया है। साथ ही इससे जिले भर के बहुत से तालाब निःशुल्क रूप से गहरे भी हो जायेगें और शासन का लाखों-करोड़ो रूपये भी बच जायेगा।

श्रीमद् भागवत कथा का हवन-पूजन एवं महाप्रसादी वितरण के साथ हुआ समापन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पनबिहरी स्थित गढ़वाल मंगल भवन में गत 9 मई से जारी संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का 16 मई को हवन-पूजन एवं महाप्रसादी वितरण के साथ समापन किया गया। संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन शुक्रवार को दोपहर में यजमान की उपस्थिति में पंडित के द्वारा हवन-पूजन संपन्न करवाया गया। इस हवन-पूजन कार्यक्रम में उपस्थित श्रध्दालुओं ने हवनकुंड में पुर्णाहुति डालकर धर्मलाभ अर्जित किये तत्पश्चात आरती के बाद भंडारा रूपी महाप्रसादी का वितरण किया गया। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि ग्राम पनबिहरी स्थित गढ़वाल मंगल भवन में गत 9 मई से जारी 8 दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा में कथावाचक राघवदास जी महाराज के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जीवनगाथाओं पर संगीतमय प्रवचन दिया गया, जिससे पूरे ग्राम में ज्ञान की गंगा बही है एवं 16 मई को हवन-पूजन एवं महाप्रसादी वितरण के साथ श्रीमद् भागवत कथा का समापन किया गया है। आगे बताया कि इस 8 दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा में उपस्थितजनों ने भगवान का कथा श्रवण कर धर्मलाभ अर्जित किये है और कथावाचक के द्वारा सभी श्रध्दालुजनों से कहा है कि कथा में जो ज्ञान प्राप्त हुआ है उसे आत्मसात कर जन-जन तक पहुंचाये और आध्यात्मिकता से जुड़कर सत्य के मार्ग पर चलकर बेहतर जीवन जीने की बात कही है। साथ ही यह भी बताया कि भगवान श्रीकृष्ण से प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में हमेशा खुशहाली बनाये रखे। इस अवसर पर श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर पर आधारित कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 16 मई को लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर जी की 300 वीं जयंती के अवसर पर महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रभारी प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती के अवसर पर माता अहिल्याबाई जी पर आधारित प्रश्न मंच कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की, जिसमें दीक्षा भूते बी.ए. द्वितीय वर्ष ने प्रथम स्थान, रंजना गायग्वाल बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष ने द्वितीय स्थान एवं नंदनी सैयाम बी.ए. द्वितीय वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत ने विद्यार्थियों से कहा कि भारत वर्ष में बहुत से महापुरूष एवं समाज सुधारक हुए है और इनमें से एक देवी अहिल्याबाई होल्कर भी है। सीएम राइज स्कूल लालबर्रा के प्राचार्य सनत दुबे ने विद्यार्थियों को राजमाता अहिल्या देवी जी होल्कर का जीवन परिचय के बारे में बताते हुए उनके विचारो एवं कार्यों से विद्यार्थियों को अवगत करवाया एवं विद्यार्थियों को उनके विचारों को अपने जीवन में अनुशरण करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन संदीप चौरसिया एवं आभार प्रदर्शन डॉ. संगीता मेश्राम के द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे, डॉ. निर्मल क्रीर्ति गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. पल्लवी जाटव, श्रीमती संध्या परते, मनीष शिवहरे, डॉ. क्रांति जैन, डॉ आशीष बागडे, डॉ. कामाक्षा बिसेन, डॉ. विवेक खरगाल, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, रामदयाल मथारे, मिनेश पंचेश्वर, प्रसिक हुमनेकर, सोनम हरिनखेड़े, निशांत तलवरे एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मित्र मिलन समारोह में मिले पुराने दोस्त, साझा किये पुरानी यादों को

पढ़ाई के समय बिताये गये पलों को याद कर जीवन के अनुभव को किया साझा

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा (सीएम राइज स्कूल) के सत्र 1975-1976 बैच के छात्रों का बालाघाट रोड़ मानपुर स्थित हॉटल में गुरूवार की रात 9 बजे मिलन समारोह कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम 50 साल बाद मिले सत्र 1975-76 के पुराने सभी मित्रों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर 50 साल बाद मिले छात्र एक-दुसरे से मिलकर अपने विद्यालयीन यादों में खो गये और अपनी पुरानी यादों को साझा किये। साथ ही अपने विद्यालय से आगे की जीवन यात्रा की जानकारी देते हुए अपने परिवार का परिचय दिया और जीवन के अनुभव को साझा किया। वहीं 50 साल बाद मिले मित्रों के मित्र मिलन समारोह के अवसर पर सभी ने अपनी पुरानी यादों को याद करते हुए कविता, गीत का गायन एवं नृत्य कर भरपूरा आनंद लिये और कहा कि बने चाहे दुश्मन जमाना, हमारा सलामत रहे दोस्ताना हमारा। जिसके बाद सभी ने मिलकर सामूहिक भोजन किया। वहीं इस मित्र मिलन समारोह कार्यक्रम के सूत्रधार कनाडा से पहुंचे जसपाल सिंह रहे जिन्होने बालाघाट जिले के लालबर्रा पहुंचकर 1975-76 में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा में साथ में पढ़ाई करने वाले मित्रों से संपर्क कर सभी को एकत्रित कर मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित कर अपनी पुरानी यादों को याद किये है। वहीं 50 साल बाद मिले पुराने सभी मित्रों ने भावविभोर होकर गले मिलकर एक-दुसरे मित्रों को बधाई देते रहे और अपने जीवन के अनुभव को साझा किया है। साथ ही कनाडा से पहुंचे जसपाल सिंह का मूल निवास पंजाब का है, जिनके पिताजी लालबर्रा में रेंजर के पद पर सेवाएं दे चुके है। वहीं जिस समय जसपाल सिंह के पिताजी लालबर्रा में रेंजर थे उस समय उनकी पढ़ाई लालबर्रा एवं बालाघाट में संपन्न होने के बाद वे बाहर चले गये थे और वर्तमान में कनाडा में निवास करते है। साथ ही 1975-76 बैच के छात्रों में अधिकांश उनके मित्र शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हो चुके है और कुछ लोग बालाघाट, लालबर्रा, जबलपुर व अन्य बड़े शहरों में निवास करते है परन्तु अपने पुराने दोस्तों को आज भी याद कर उनका कुशलक्षेम जाना करते है। इस अवसर पर जसपाल सिंह, शिव बालक, सादिक अली, लक्ष्मीचंद तिलासी, तिलकचंद सेठिया, प्रेमलाल साहू, महेन्द्र चौहान, जयचंद गोयल, अय्यूब खान, ढालसिंह हनवत, सुधाकर हरडे, प्रणय चौधरी, प्रदीप खण्डेलवाल, मनोहर अग्रवाल, नंदलाल उइके, सतीश तारन, नंदकिशोर देशमुख, मधुकर नागेश्वर, मुन्नु जैन सहित अन्य मित्रगण उपस्थित रहे।

मुरझड़ तालाब में गंदगी का आलम ,रहवासी परेशान

तालाब की सफाई और सौन्दरीकरण करने ग्रामीणों ने की मांग

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मुरझड़ में हनुमान मंदिर के पीछे बस्ती में स्थित तालाब में साफ सफाई नहीं होने एवं भारी दुर्गंध से आसपास के रहवासी परेशान है। जहां पर गंदगी का आलम बना हुआ है तालाब चारों तरफ से खुला हुआ है जिसमें बच्चों के गिरने का भी भय बना हुआ है। हर किसी को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है असहनीय बदबू लगातार घरों के अंदर तक पहुंच रही है यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है। किंतु समस्या का समाधान करने को लेकर ग्राम पंचायत के द्वारा आवश्यक कदम नहीं उठाया जा रहे हैं। वहीं लगातार ग्रामीणजन पंचायत से तालाब का सौंदर्य करण कर साफ सफाई कर तालाब में पानी भरने की व्यवस्था बनाने की मांग कर रहे हैं। किंतु इसमें से किसी भी विषय पर ध्यान नहीं दिया गया है हालांकि सौंदर्यकरण को लेकर कुछ निर्माण कार्य प्रारंभ हुए थे वह भी अधूरा में लटके हुए हैं। वर्तमान में उक्त तालाब गंदगी का सबब बना हुआ है जहां आसपास के लोग बेहतर व्यवस्था बनाने की मांग शासन प्रशासन से कर रहे हैं।

कई वर्षो से नही हुई तालाब की साफ सफाई

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुरझड़ पंचायत वारासिवनी लालबर्रा मुख्य मार्ग पर स्थित है। जहां हनुमान मंदिर के पीछे पूर्वजों के समय से तालाब नुमा गड्डा बना हुआ है। जहां पर पानी भरकर ग्राम का जलस्तर बनाए रखना वहीं मवेशियों की पानी की समस्या को दूर करने के लिए बनाया गया था। वर्तमान में गंदगी का आलम बना हुआ है क्योंकि उक्त तालाब को भरने वाली नहर की नाली को बंद कर दिया गया है। जिसके कारण से बीते करीब ५ वर्षों से अधिक का समय हो गया तालाब में नया पानी आया नहीं है तो वहीं तालाब को खाली कर सफाई भी नहीं की गई है। जहां पर बरसात का पानी हर वर्ष जमा होता है और दुर्गंध करता है और यह सब उसके आसपास निवासरत करीब एक दर्जन से अधिक परिवारों को मकान के दरवाजे बंद कर रखने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। जिससे जल स्तर पर भी खासा प्रभाव अब देखने को नहीं मिल पा रहा है तो वहीं तालाब के अंदर गाद भारी मात्रा में जमा हो गई है। वहीं आसपास के पेड़ पौधों की पत्तियां पॉलिथीन घर से निकलने वाला कचरा गंदा पानी सभी तालाब में उतर रहा है। जो गंदगी पैदा कर रहा है जिसे निकलने वाली दुर्गंध लोगों को परेशान कर रही है। वहीं सबसे बड़ा जान का जोखिम बना हुआ है क्योंकि यह तालाब चारों तरफ से खुला हुआ है जिसमें बरसात के समय पानी भरा रहता है। अभी भी थोड़ा बहुत पानी है और इसके आसपास लोग निवास करते हैं जिनके घर में छोटे बच्चे हैं वह तालाब की ओर जाते हैं ऐसे में कभी भी जनहानि हो सकती है। जबकि यह तालाब बस्ती में निवासरत लोगों के पहले का बना हुआ है जिसका उपयोग पंचायत को अपने वाटर रिसोर्स को रिचार्ज करने के लिए करना चाहिए। जहां पर नहर की नाली बनी हुई है जिससे पानी लाया जा सकता है तो वहीं गर्मी के समय में तालाब को भरकर ग्राम का जलस्तर सुधर जा सकता है। तालाब में व्याप्त गंदगी को निकाल कर साफ सुथरा बनाकर सौंदर्यीकरण के रूप में तालाब को सुंदर बनाया जा सकता है। वहीं तालाब के आसपास जाली लगाकर लोगों में व्याप्त भय को भी दूर किया जा सकता है जिससे कि उक्त तालाब का सदुपयोग हो सके।

गंदगी के कारण रहना मुश्किल हो गया है-अंतरा भीमटे

ग्रामीण अंतरा भीमटे ने बताया कि हमारे घर के सामने गंदगी का आलम है यहां तालाब की जो साफ सफाई होनी चाहिए वह नहीं की जाती है। सभी के घरों में छोटे छोटे बाल बच्चे हैं उनके गिरने का भी खतरा यहां बना रहता है ,क्योंकि चारों तरफ से तालाब खुला हुआ है। आसपास कोई जाली या सेफ्टी वाल नहीं बनाई गई है जबकि इसमें जाली लगवाना चाहिए। यहां रोड़ बनानी चाहिए बहुत गंदगी है असहनीय बदबू चलती है तो वह हवा के साथ घर तक आती है इसका कोई समय नहीं है। सुबह से रात तक बदबू चलते रहती है इसका प्रमुख कारण यह है कि ५ वर्ष से अधिक का समय हो गया है आज तक इसकी सफाई नहीं हुई है। यह हमारे पूर्वजों से बना हुआ है पहले गंदगी नहीं रहती थी अब इतनी गंदगी है कि यहां रहना मुश्किल हो गया है।

तालाब के आसपास जाली लगाकर ग्रामीणों को भय मुक्त करना चाहियें-अतुल घोडेश्वर

ग्रामीण अतुल घोड़ेश्वर ने बताया कि तालाब में बहुत ज्यादा गंदगी है यह तालाब का जो पानी है वह वर्तमान में मवेशियों के भी पीने लायक नहीं है। इतनी ज्यादा गंदगी पानी में हो गई है कई वर्षों से यह स्थिति यहां पर बनी हुई है क्योंकि समय पर इसकी साफ सफाई नहीं हो पा रही है और होती भी है तो ऊपर से करते हैं। तालाब के अंदर से नहीं करते हैं पानी यह स्थिति में है कि मवेशी भी नहीं पी पा रहे है इतना गंदा है कि हैंडपंप का सहारा है। इस तालाब में पानी निकालने का कार्य तो नहीं किया गया है परंतु यहां पर जो पहले पानी आने की व्यवस्था थी उसे भी बंद कर दिया गया है । पहले यहां नहर का पानी आता था जो अब नहीं आता है दूसरा भय यह है कि कभी भी कोई भी बच्चा यहां अंदर गिर सकता है। बहुत ज्यादा ध्यान देना होता है क्योंकि तालाब पुरा खुला है यहां पर साफ सफाई कर जाली लगाने की बात पंचायत के द्वारा की गई है किंतु आज तक हुआ नहीं है। सरपंच को हमने सब कुछ कह दिया है उनके द्वारा अप्रैल में काम करने की बात हमें कहीं गई थी किंतु कुछ नहीं किया हम चाहते की साफसफाई हो पनघट बने।

तालाब को घूमने लायक का बनाया जाए ना की देखकर भागने लायक-भाऊलाल डोंगरे

ग्रामीण भाऊलाल डोंगरे ने बताया कि यह तालाब की स्थिति ठीक नही है किंतु साफ सफाई नहीं होने के कारण यहां पर पूरा कचरा भर गया है। जो पानी है वह सूखते जा रहा है जहां गंदगी पैदा हो रही है बदबू आने लगती है। रहकर नहीं होता है कोई भी व्यक्ति सामने नहीं बैठ सकता है बाहर से आना जाना बंद करना पड़ता है । घरों के दरवाजे मजबूरी में बंद करके रखने पड़ते हैं यह समस्या बहुत दिनों से बनी हुई है जिसके लिए सरपंच को भी बताया तो वह भी कोई ध्यान नहीं दे रहा है। यहां पर मलमा फेंका गया है उसके बाद कुछ नहीं हुआ है तालाब में पानी भरने के लिए नहर का जो एक पॉइंट बना हुआ है वह बंद कर दिया गया है। यहां का पानी निकालने के लिए भी कोई व्यवस्था नहीं है केवल बरसात का पानी आता है यहां जमा होता है और सुख कर गंदगी करता है। यहां पर कार्य प्रारंभ किया गया था परंतु वह भी अभी तक अधूरा पड़ा हुआ है उसका भी कुछ नहीं हुआ है। हम चाहते हैं की तालाब की साफ सफाई हो पानी आने जाने की व्यवस्था हो और जो जान का डर लगा हुआ है उसे समाप्त किया जाए तालाब को घूमने लायक का बनाया जाए ना की देखकर भागने लायक।

नाबालिक से छेड़छाड के मामले में अपराध दर्ज

कुनाल दुबे पर एफआईआर दर्ज ,पुलिस जुटी जांच में

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी थाना अंतर्गत निवासी १४ वर्षीय नाबालिक ने पुलिस थाने में कुनाल पिता केदारनाथ दुबे पर उसकी लज्जा भंग करने के इरादे से बल प्रयोग करने एवं यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले में पुलिस के द्वारा अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी गई है वहीं आरोपी की पतासाजी की जा रही है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता नाबालिक १४ वर्षीय है जो कक्षा ११ वीं में अध्यनरत छात्रा है। वह घर में अपनी मम्मी-पापा और छोटी बहन के साथ सोयी थी। अचानक नाबालिक के पेट में दर्द होने पर वह रात्रि करीब १.३० बजे उठकर अकेले घर के पीछे बाड़ी में बने शौचालय के तरफ शौच करने जा रही थी। तभी शौचालय के पास ही बाड़ी में आरोपी कुनाल पिता केदारनाथ दुबे ने पीछे से आकर बुरी नियत से नाबालिक को पकड़ कर अश्लील हरकत करने लगा। वहीं मुंह को भी बंद कर दिया तभी किसी कार्य से उठे पड़ोसी के द्वारा यह देखा गया और उसने चिल्लाया तो कुनाल वहाँ से खेत की तरफ भाग गया। इसके बाद नाबालिक के द्वारा अपने घर में जाकर घटना की जानकारी अपने माता पिता को दी गई जिनके साथ थाने में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। मामले में पुलिस के द्वारा भारतीय न्याय संहिता की धारा ७४,७५ (१) लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम २०१२ की धारा ७,८ के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया है।

मारपीट के आरोपियों को न्यायालय उठने तक की मिली सजा

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी न्यायालय के विद्वान न्यायाधीश कमलेश मीणा प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने मारपीट के मामले में तीन आरोपियों को अपील में न्यायालय उठने तक की सजा एवं ४८०० रुपये के अर्थदंड के साथ फरियादी को दो दो हजार रुपये देने का फैसला सुनाया है। अतिरिक्त लोक अभियोजक संतोष लिल्हारे ने बताया की रामप्रसाद नेवारे १७ जनवरी २०१६ की शाम ७ बजे अपनी दुकान पर अपने भाई दुर्गा प्रसाद नेवारे के साथ बैठा हुआ था। वह अपनी चर्चा कर रहे थे तभी राजू गौतम और माणिक भगत शराब के नशे में आकर उन्हें गाली गलौज करने लगे। जिन्हें गाली देने से मना किया तो वहीं उनके साथ तिलकचंद गौतम और हंसलाल गौतम भी उपस्थित होकर गाली गलौज करने लगे। जिन्हें पुन: रोकने पर उनके द्वारा डंडे और ट्यूबलाइट की राड़ से मारपीट करने लगे। जिसमें दोनों भाई रामप्रसाद और दुर्गाप्रसाद घायल हो गए थे। जिनके द्वारा पुलिस थाना वारासिवनी में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई जिस पर पुलिस ने अपराध क्रमांक २५/१६ भादवि की धारा २९४,३२३,५०६,३४ के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच में लिया था। जिसमें विवेचना पूर्ण होने पर न्यायालय में अभियोग पत्र पेश किया गया। इसके बाद यह प्रकरण वारासिवनी न्यायालय की अदालत में विचाराधीन था। जिसमें २९ जनवरी २०२१ को तत्कालीन न्यायाधीश के द्वारा प्रकरण में भादवि की धारा २९४ ५०६ के तहत दोष मुक्त कर दिया गया था वहीं आरोपियों का ३२३,३४ में दोष पाया गया था। इसके बाद यह प्रकरण चला और उसमें न्यायालय के द्वारा आरोपी राजू उर्फ गणेश पिता झामसिंह गौतम, तिलक चंद पिता डोमजी गौतम, हंसलाल पिता डोमजी गौतम सभी निवासी ग्राम पंचायत सरंडी थाना वारासिवनी का अपराध सिद्ध होने पर उन्हें न्यायालय उठने तक सजा एवं एक एक हजार रूपये के अर्थ दंड से दंडित किया गया था। जिसमें आरोपियों के द्वारा अपील की गई जिसमें सुनवाई करते हुए प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश कमलेश मीणा के द्वारा उन्हें न्यायालय उठने तक सजा और १६००-१६०० रुपये प्रति व्यक्ति अर्थदंड के साथ फरियादी को दो दो हजार रुपये देने का फैसला सुनाया गया। इस प्रकरण में पैरवी अतिरिक्त लोक अभियोजक संतोष लिल्हारे के द्वारा की गई।

प्रणय श्रीवास्तव चंद्र गुप्त मौर्य महा महोत्सव में मातृ भूमि सेवा सम्मान से हुए सम्मानित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। दिल्ली में पहली बार आयोजित सम्राट चंद्र गुप्त मौर्य महा महोत्सव २०२५ में अंतर्राष्ट्रीय प्रणय श्रीवास्तव को आयोजन समिति ने काव्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट काव्य सृजन हेतु मातृ भूमि सेवा सम्मान से सम्मानित किया है। प्रणय श्रीवास्तव को सम्मान पत्र एवं सम्मान चिन्ह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ राम रतन श्रीवास ,संस्थापक दिनेश्वर वर्मा ने प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। १४ अप्रैल २०२५ को डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती पर दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव पर आयोजन समिति के द्वारा काव्य प्रस्तुति पर प्रणय श्रीवास्तव को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जा चुका है। प्रणय श्रीवास्तव की इस सफलता पर नगर के सभी नागरिकों और ईष्ट मित्रो ने बधाई प्रेषित की है।

प्रदीप जायसवाल के प्रयासों से बकोडी को मिलेगी हाई स्कूल के नये भवन की सौगात

कक्षा 10 वीं व कक्षा 12 वीं के प्रतिभावान सफल विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आज

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल के अथक प्रयासों से शनिवार की दोपहर ११ बजे क्षेत्र की ग्राम पंचायत बकोड़ी को एक सौगात मिलने जा रही है। पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया की स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से शासकीय हाईस्कूल बकोड़ी के नए भवन की सौगात मिली थी। यह सौगात तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रयास से सफल हुयी थी। जिसकी प्रशासकीय स्वीकृति १४ अगस्त २०२३ को मिली थी। श्री जायसवाल ने बताया कि २१ फरवरी २०२४ को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के हस्ते इस बड़े कार्य का भूमिपूजन समारोह के साथ किया गया था। हमे प्रसन्नता भी है की बकोड़ी के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण १७ मई २०२५ को बकोडी में ही सांसद श्रीमती भारती पारधी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगणों की उपस्थिति में उत्साह से किया जा रहा है। बकोडी के नए भवन में निर्माण एजेंसी कार्यपालन यंत्री भवन लोक निर्माण विभाग ने भू तल,चार क्लास रूम,प्राचार्य रूम, लायब्रेरी, कम्प्यूटर रूम, साइंस लैब आदि सुविधाएं प्रदान की है।

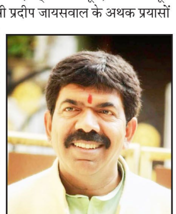

नपा का प्रतिभा सम्मान समारोह आज

परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होने पर बधाई उत्कृष्टता के प्रति आपकी प्रतिबद्धता सही में सराहनीय है। इनी भावों के साथ नगर में शैक्षणिक विषय में शानदार परिणाम देने वाले होनहार विद्यार्थियों का सम्मान नगर पालिका परिषद के द्वारा किया जा रहा है। यह कार्यक्रम शनिवार की दोपहर तीन बजे से पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल के मुख्य आतिथ्य,नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे की अध्यक्षता में प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसमें नगरीय क्षेत्र में कक्षा दसवीं में ९० प्रतिशत व अधिक , कक्षा बारहवीं में ८५ प्रतिशत व अधिक अंक प्राप्त करने वाले होनहारों का सम्मान प्रशस्ति पत्र व उपहारो के साथ व स्कूल संस्थान के प्राचार्यो का सम्मान नगर पालिका परिसर में किया जा रहा है।

जनजातीय विद्यालयों का परीक्षा परिणाम गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष रहा बेहतर

10 वीं में 16.99 तथा 12 वीं में 9.67 प्रतिशत अधिक रहा परीक्षा परिणाम

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल द्वारा विगत माह हाईस्कूल तथा हायर सेकेण्डरी सर्टिफिकेट परीक्षा 2025 का परीक्षा परिणाम घोषित किये गए। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल के परीक्षा परिणामों में जिले की 63 जनजातीय संस्थाओ का परीक्षा परिणाम गत वर्ष की तुलना में बेहतर प्राप्त हुआ है। 10 वीं के परीक्षा परिणाम में 16.99 प्रतिशत तथा 12 के परीक्षा परिणाम में 9.67 प्रतिशत की वृद्धि पायी गई है। परीक्षा परिणामों की समीक्षा के लिए शुक्रवार को एसडीएम बैहर अर्पित गुप्ता परियोजना प्रशासक एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना बैहर एवं जनजातीय कार्य विभाग सहायक आयुक्त श्री राहुल नायक द्वारा जनजातीय विद्यालयों के प्राचार्यों के साथ जनजातीय विकास परियोजना बैहर के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की। जिसमें विकासखण्ड अधिकारी बैहर, बिरसा, परसवाड़ा एवं 63 संस्थाओं के प्राचार्य, प्रभारी प्राचार्य एवं 70 प्रतिशत से कम परीक्षा परिणाम वाले संस्थाओं के विषय शिक्षक उपस्थित रहे। बैठक में सर्वप्रथम जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत संचालित संस्थाओं में हाईस्कूल तथा हायर सेकेण्डरी परीक्षा परिणाम की समीक्षा जिले एवं प्रदेश से की गई। जिसमें पाया गया कि हाईस्कूल के आधार पर परीक्षा परिणाम 16.99 प्रतिशत एवं हायर सेकेण्डरी का 9.67 प्रतिशत परीक्षा परिणाम अधिक है। हाईस्कूल में 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम वाले संस्था 18 हैं तथा हायर सेकेण्डरी में 6 संस्थाओं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत है।

6 स्तरों पर विद्यार्थियों के अध्ययन पर किया फोकस

बैठक के दौरान प्राचार्यों द्वारा जानकारी दी गई कि उन्होंने 6 स्तरों पर विद्यार्थियों के अध्ययन कार्य में फोकस कर बेहतर परीक्षा परिणाम की आशा रखते हुए अध्यापन कार्य सुनिश्चित किया था। जिसमें नियमित अध्यापन, पाठ्यक्रम शीघ्र पूर्ण करना, पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति करना, हर विषय की कॉपियां तैयार करवाकर नियमित जांच एवं समय-समय पर मूल्यांकन कराना सुनिश्चित किया गया था।

परियोजना प्रशासक ने प्राचार्यों को दिए निर्देश

समीक्षा के दौरान परियोजना प्रशासक एसडीएम श्री गुप्ता ने सभी प्राचार्यों को संस्था में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर बच्चों को सक्रिय बनाने के लिए निर्देशित किया है। उन्होने कहा कि विद्यालय का माहौल इस तरह तैयार हो जिसमें बच्चे के अंदर छुपी हुई प्रतिभा निखर पाये । बच्चों के अंदर कई प्रकार की प्रतिभा होती है, जिनको सामने लाने की जिम्मेदारी विद्यालय की है। श्री गुप्ता ने कहा कि 03-03 विषय शिक्षकों का ग्रुप बनाकर प्रतिदिन 05-05 प्रश्न पढ़ाये गये पाठों से तैयार करें। साथ ही इसे व्हाट्सअप ग्रुप में प्रसारित करें, जिससे महत्वपूर्ण प्रश्न की जानकारी सभी बच्चों तक पहुंच पाएं। इसी तरह विषय शिक्षक पढ़ाने से पहले उस पाठ के महत्वरपूर्ण बिन्दुओं को, पूर्व वर्षों में पूछे गये प्रश्नों को हाईलाईट करें। परियोजना प्रशासक श्री गुप्ता ने नया सत्र प्रारंभ के पूर्व सभी आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिये है।

थोड़ी सतर्कता और उच्च रक्तचाप को चुनौती

समय से पहले दुनिया भर में हो रही मौतों की वजहों में सबसे ज्यादा उच्च रक्तचाप यानी हाई ब्लड प्रेशर भी है। चिकित्सकीय भाषा में यह हाइपरटेंशन है। बदलता आम जनजीवन, दिनचर्या, भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी में यह कब घर कर जाता है, अमूमन पता नहीं चलता। आज यह वो वैश्विक रोग बन गया है जिसके अधिकतर प्रभावितों को बड़ा खामियाजा भुगतने के बाद समझ आता है। दबे पांव शरीर को घेरते इस रोग को साइलेंट किलर भी कहते हैं। विडंबना देखिए कि हर हाथों में वाट्स ऐप यूनिवर्सिटी का ज्ञान बघारते, नुस्खा बताते स्क्रीन पर घण्टों समय बिताने के बावजूद हर साल विश्व में लगभग 7.5 मिलियन लोग जान गंवा देते हैं। आहिस्ता-आहिस्ता मौत की दस्तक देता उच्च रक्त चाप आसानी से समझा जा सकता है। शरीर को संकेत मिलने लगते हैं। लेकिन समझ कर नजर अंदाज करना इतना भारी पड़ता है कि प्रायः लोग, जान देकर कीमत चुकाते हैं। त्वरित सूचना के दौर में भी जागरूकता और अनभिज्ञता की ऐसी चूक मौत का आंकड़ा बढ़ाती है। कह सकते हैं कि अब यह, महामारी की शक्ल अख्तियार करता जा रहा है। एकाएक हार्ट अटैक या सड़क चलते, वाहन चलाते आई मौतों की चिंताजनक घटनाओं में उच्च रक्तचाप वजह होती है। ऐसा नहीं कि इसे पहचानना कठिन हो। हमारे शरीर में बदलते लक्षणों जैसे सिर में भारीपन, आंखों में धुंधलका छाना, चक्कर आना भी इसके लक्षण हो सकते हैं। साधारतणतया इन्हें सामान्य समझ नजर अंदाज कर देते हैं और ऐसे परिवर्तनों के आदी हो जाते हैं। जाने-अनजाने उक्त रक्तचाप के साथ जीने लग जाते हैं। यही बाद में एकाएक बड़ी मुसीबत को न्यौता देता है और प्रायः नतीजा मौत तक में बदल जाता है। ऐसा भा नहीं कि बढ़े रक्तचाप पर हर बार चिकित्सक के पास जाना पड़े। नियमित निगरानी, थोड़े अहतियात, जरा सी सतर्कता और जिव्हा पर नियंत्रण से काफी इसके दुष्प्रभावों को रोका जा सकता है। लक्षण की सामान्यतः सटीक जानकारी मिल ही जाती है। स्वचलित माप मशीन से रक्तचाप का एक चार्ट बना, इसकी प्रवृत्ति समझ, रोका जा सकता है। रक्तचाप किस वक्त कितना बढ़ता है, किन कारणों से बढ़ता है जैसी बातें आसानी से समझी जा सकती हैं। बस इन्हें समझने, नियंत्रित करने या प्रभावित करने वाले तौर-तरीकों में सुधार कर उच्च रक्तचाप पर काबू संभव है। अनियंत्रित, अब तो फास्ट फूड जैसा चटखारे वालो खान-पान भी उक्त रक्तचाप के कारण हैं। सब जानते हैं कि ज्यादा नमक रक्तचाप बढ़ा, शरीर के लिए जहर होता है। फिर भी परहेज नहीं करते! ज्यादा नमक रक्त संचार प्रणाली में वो रासायनिक अभिक्रियाएं करता है जिससे रक्तचाप बढ़ाता है। ज्यादा मात्रा से रासायनिक तत्व की अधिकता रक्त और दूसरे अंगों को घातक नुकसान पहुंचाते हैं। मस्तिष्क, गुर्दा, धमनियां और रक्त शिराएं यहां तक हृदय की धड़कन भी प्रभावित होती है। ऐसी अनियमितताएं या अनदेखी जानते-समझते हुए बड़ी जोखिम बन जानलेवा बन जाती है। खानपान की बिगड़ी आदतों खासकर अधिक सोडियम, कम पोटेशियम, अत्यधिक शराब का सेवन, धूम्रपान, वजन बढ़ना, मोटापे पर काबू नहीं जैसी स्थितियां उच्च रक्तचाप की बेहद अनुकूल परिस्थितियां होती हैं। जबकि इन्हें नियंत्रित कर सकते हैं। सामान्यतः व्यस्तता कहें या पाश्चात्य अंधानुकरण, न तो हमारे सोने का समय तय है और न उठने का। सुबह-शाम की सैर, व्यायाम, बाग-बगीचों में घूमना, लंबा टहलने की आदत से न केवल उक्त रक्तचाप बल्कि दूसरी बहुत सी बीमारियों को आसानी से मात दी जा सकती है। लेकिन हम हैं कि हर दिन बहुमूल्य 6-7 घण्टे हाथ में स्क्रीन पकड़, मस्तिष्क के साथ, हथेली, उंगलियों और आँखों पर अत्याचार करते हैं। कैसे बेपहरवाह हैं? जल्दी यह, दुनिया की बहुत बड़ी बीमारी बल्कि वो महामारी बनेगी जो न छुआछूत, न आनुवांशिकी होगी बल्कि अपनी हरकतों से पाई होगी। मोबाइल में ज्यादा वक्त बिताने वालों में उक्त रक्तचाप, चिड़चिड़ाहट, गर्दन, कमर, पीठ और सिर में दर्द जैसी शिकायतें आम हो रही हैं। सुबह-शाम घूमने-फिरने वालों की संख्या उंगलियों में गिनने लायक रह गई है।

अरुणाचली चाल है पाक के हक में चीन की बौखलाहट

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद चीन बौखला गया है। पाकिस्तान की करारी हार एवं उसे दिये गये सबक को चीन पचा नहीं पा रहा है। चीन-पाक की सदाबहार दोस्ती के उदाहरण बार-बार सामने आते रहे हैं, हाल ही में सैन्य टकराव के दौरान चीन ने प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन ही नहीं किया, बल्कि सैन्य व आर्थिक मदद भी की। ऐसे ही संवेदनशील समय पर चीन ने भारतीय जमीन पर दावेदारी जताने एवं अरुणाचल के 27 स्थानों को चीनी नाम देने की कुचेष्टा की है। उसकी यह नापाक कोशिश भी पाक के साथ खड़े होने का ही प्रयास है। यह ध्यान रहे कि वह अरुणाचल एवं उसके अनेक क्षेत्रों, इनमें आवासीय क्षेत्रों के साथ पहाड़ और नदियां भी हैं, इनको पहले ही चीनी नाम दे चुका है। भारत सरकार ने अरुणाचल के भीतरी स्थानों को नए नाम देने के चीन के निराधार और बेतुके प्रयासों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए इसकी निन्दा की है। चीन अपनी दोगली नीति, षडयंत्रकारी हरकतों एवं विस्तारवादी मंशा से कभी बाज नहीं आता। वह हमेशा कोई ऐसी कुचेष्टा करता ही रहता है जिससे भारत चीन बॉर्डर पर अक्सर तनाव रहता है। हालांकि भारत ने दो टूक जवाब देते हुए साफ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह चीनी दुष्प्रचार के सिवाय कुछ नहीं है। चीन की इस हरकत ने यह साफ कर दिया है कि उससे संबंध सुधारने की भारत की तरफ से कितनी ही पहल हो जाए, वह सुधरने वाला नहीं है।

निश्चित ही चीन की ये दकियानूसी हरकतें पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं, यह उसके दुस्साहस एवं उच्छृंखलता का द्योतक है। नाम बदलने से इस स्पष्ट और निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदला जा सकता कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा। इस तरह की करतूतों, बचकानी एवं बेतूकी हरकतों से भारत को उकसाना चाहता है। इसी नीति के तहत वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना कर पुलों, सड़कों, व्यावसायिक केंद्रों आदि का निर्माण कर भारत की सीमा पर तनाव पैदा करने की भी कोशिश करता रहा है। शायद उसने यह मुगालता पाल लिया है कि ताजा घटनाक्रम से भारत दबाव में आ जाएगा लेकिन भारत अब ऐसे किसी दबाव में न तो आयेगा, बल्कि इनका सक्षम एवं तीक्ष्ण तरीके से जबाव देने में भारत सक्षम है। चीन का अधिक बौखलाहट एवं खीज का बड़ा कारण भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम, ड्रोन, मिसाइल आदि की इस कदर पोल खोल कर रख दी कि अब उसके लिए दुनिया के निर्धन देशों को अपने दोयम दर्जे एवं घटिसा किस्म के चीनी हथियार बेचना कठिन होगा। पाकिस्तान ने जिस चीनी मिसाइल का इस्तेमाल किया था, उसे भारत ने नाकाम कर दिया।

चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता है। चीन भरोसे लायक देश नहीं है, चीन के प्रति कठोर रवैया जरूरी है। निस्संदेह नाम बदलने जैसी घटनाएं हमें सतर्क करती हैं कि चीन के साथ मैत्री संबंधों के निर्धारण के दौरान हमें सजग, सावधान व सचेत रहना चाहिए। अन्यथा चीन पीठ पर वार करने से नहीं चूकने वाला है। भारत को चीन के साथ अपनी तिब्बत नीति पर भी नए सिरे से विचार करना होगा। पिछले तीसरे साल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के अनेक स्थानों के नाम बदले हैं। चीन अरुणाचल को जांगनान के नाम से दर्शाता है। वहीं इसे तिब्बत के दक्षिणी हिस्से के रूप में होने का दावा करता है। चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे

हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। जिसमें उसके सैनिक गलवान घाटी में घुस आए थे, जिन्हें रोकने में खूनी संघर्ष हुआ। तबसे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। भारत के हिस्से की जमीन पर कब्जा करने के इरादे से वह चोरी-छिपे और चालबाजी से घुसपैठ करने की कोशिशें करता रहता है। चीन की विस्तारवादी नीति भारत सहित सम्पूर्ण एशिया के लिये ही नहीं, पूरे विश्व के लिए बड़ा खतरा है।

चीन भारत की बढ़ती ताकत एवं रूतबे से परेशान है। भारत की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत चीन को चुभती रही है, इसलिए वह चोरी, चालाकी और चालबाजी से भारत को कमजोर करने की चालें चलता रहता है। दरअसल, सीमाओं को लेकर नित नए विवादास्पद तथ्य लाना चीन की फितरत में शामिल है। अरुणाचल प्रदेश ही नहीं, अक्साई चिन, ताइवान और विवादित दक्षिण चीन सागर पर भी चीन अपना दावा जताता रहा है। शातिर और चालबाज चीन अरुणाचल के किसी दस्तावेज पर भारत का नाम स्वीकार नहीं करता। कुछ मौकों पर तो वह अरुणाचल को अपने नक्शे में शामिल कर दुनिया के सामने साबित करने की कोशिश कर चुका है कि वह उसका इलाका है। मगर भारत की तरफ से मिले सख्त प्रतिरोध की वजह, सामरिक शक्ति और रणनीतिक सूझ-बूझ से उसे हर बार मुंह की खानी पड़ी है।

भारत को अनेक मोर्चों पर चीन को आडे हाथ लेना होगा, सबसे जरूरी है चीन सामान का बहिष्कार, इस पर सरकार के साथ हमारे उद्योग जगत एवं आम जनता को भी गंभीरता से सोचना होगा। ऐसा करके ही चीन की कमर को तोड़ा जा सकता है, आज दुनिया के अनेक देश चीनी सामान का बहिष्कार कर रहे हैं, हमें भी कठोर कदम उठाने होंगे। भारत ने जब भी पाकिस्तान में पनाह पाए आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों की सूची में डलवाने का प्रयास किया, चीन संयुक्त राष्ट्र में अपने वीटो का प्रयोग कर उसे रोकने की कोशिश करता रहा है, जबकि पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ युद्ध का समर्थन करती रही है। जिससे पता चलता है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाने तथा व्यापार-कारोबार बढ़ाने की बात करने वाला चीन भारत के प्रति कैसी दुर्भावना रखता है। वह वैश्विक संगठनों व मंचों पर भारत के साथ खड़ा होने का दावा एवं ढोंग ही करता है।

भारत एवं चीन दोनों देशों के बीच संबंधों में आने वाली तल्खी की बड़ी वजह भी चीन की नीयत में खोट, उच्छृंखलता एवं अनुशासनहीनता ही है। चीन ने एक बार फिर अपनी इस हरकत से भारत के प्रति शत्रुता को ही जाहिर किया है। भारत के साथ चीन का बर्ताव हमेशा दोगला एवं द्वेषपूर्ण रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह इस्तेमाल करता रहा है। जाहिर बात है कि चीन ने ऐसा न केवल चुनौतीपूर्ण समय में भारत का ध्यान भटकाने के लिये किया है, बल्कि पाकिस्तान के साथ एकजुटता दिखाने के लिये भी किया है। अपनी आर्थिक शक्ति के नशे में चूर अहंकारी चीन अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों को जिस तरह धता बता रहा है, उससे वह विश्व व्यवस्था के लिए खतरा ही बन रहा है। अब यह भी किसी से छिपा नहीं कि वह गरीब देशों को किस तरह कर्ज के जाल में फंसाकर उनका शोषण कर रहा है। चीन भूल गया है कि अब भारत 1962 वाला भारत नहीं है, यह नया भारत है और आज का भारत चीन को मिट्टी में मिलाने की ताकत रखता है। भारत की रणनीति साफ है, स्पष्ट है। आज का भारत समझने और समझाने की नीति पर विश्वास करता है लेकिन अगर हमें आजमाने की कोशिश होती है तो जवाब भी उतना ही प्रचंड देने में वह समर्थ हैं। भारतीय सेना में सरहदें बदल देने की क्षमता है, दुश्मनों को इरादों को ध्वस्त करने का मादा है इसलिये चीन अपने नक्शे में भले ही छेड़छाड़ करता रहे, लेकिन भारत की भूमि पर कब्जाने की उसकी मंशा अब कभी साकार नहीं होगी।

- यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है

-ललित गर्ग

आत्मज्ञान के लिए पात्रता

एक बार की बात है। एक धनिक सेठ एक पहुंचे हुए संत के पास पहुंचा और उनसे बोला, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना का प्रयास करता हूं। परंतु मेरा मन ध्यान में एकाग्र ही नहीं हो पाता। आप मुझे मेरे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। धनिक सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और वहां पर तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ कि एक पहुंचे हुए संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए अच्छे-अच्छे पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका बहुत स्वागत सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के पात्र में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। यह देखकर वह बोला, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो कूड़ा-करकट भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, अपितु वह भी कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। सबसे पहले पात्रता विकसित करो, तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे हैं, तो वे आत्मज्ञान को आत्मसात कैसे कर पाएंगे? एकाग्रता भी तभी बनती है, जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर धनिक सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह शुद्ध आचरण से तथा परोपकार के द्वारा पहले अपने को सुपात्र बनाएगा, ताकि उसे आत्मज्ञान सहजता से प्राप्त हो सके।

ईमानदारी से कमाया पैसा बरकत देता है

कहते है ईमानदारी से कमाया पैसा बरकत देता है।ईमानदार आदमी अपने मानवता के लिए किए गए पुनीत कार्यो से अमर हो जाता है।समाज में ईमानदारों की मिसालें दी जाती है। ईमानदारी के रास्तें में मुसीबते बहुत है लेकिन ईमानदारी से किए गए कार्यों के बाद जो खुशी होती है उसे करोडों रुपयों से भी हासिल नहीं किया जा सकता।ईमानदार आदमी पहले दुसरों का भला सोचता है कि कौन असली जरुरतमंद है।ईमानदार समाज के हित में अपना जीवन सर्मपित कर देता है।ईमानदारी कर कोई सानी नहीं है।ईमानदारी युंगों-यंगों तक रहती है।ईमानदारी की कभी हार नहीं होती। ईमानदारी एक अच्छी नीति है।आज ईमानदार लोगों की खिल्ली उडाई जाती है।ईमानदारों के खिलाफ षड़यंन्त्र रचे जाते है मगर ईमानदारों पर आंच नहीं आती।ईमानदारी की हमेशा जीत हुई है।यह एक शाश्वत सत्य है। ईमानदार आदमी द्वारा समाज के लिए निस्वार्थ भाव से किए गए महान कार्यो के लिए समाज उसे युगों युगों तक याद रखता है। वर्तमान समाज में ईमानदारी पर बेईमानी हावी होती जा रही है मगर बेईमानी औधें मुह गिर जाती है।सांच को आंच नहीं आती।ईश्वर भी ईमानदारों का साथ देता है। समाज की रचना के लिए सादगीपूर्ण जीवन जीने की कोशिश करनी चाहिए।मानव को हमेशा समानता व एक समान व्यवहार करना चाहिए। क्योकि जो आदमी भेदभाव करता है वह मानवता के नाम पर कलंक है।कहते है कि व्यक्ति को अपना अतीत नहीं भूलना चाहिए भले ही आदमी कितनी ही उंचाईयां छू लें।एक कहावत है कि मानव कितना भी अमीर हो जाए वह अपना अतीत नहीं खरीद सकता? आज दुनिया में कुछ ऐसे लोग है जो कभी दाने-दाने को मोहताज थे। मानव को सदा अच्छे कर्म करने चाहिए क्योकि अगर तुम अच्छा करोगे अच्छाई ही मिलेगी दुनिया युगों-युगों तक याद रखेगीं।अभावग्रस्त लोगों की सहायता करनी चाहिए।भूखे को रोटी खिलाओं,जरुरतमंदो की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है।हमेशा अच्छा करोगे तो अमर हो जाओगे। अगर तुम किसी का अच्छा नहीं कर सकते तो बुरा भी मत करो किसी को मत सताओ।पैसे से गुजरा हुआ समय खरीदना नामुमकिन है। पैसा ही सब कुछ नहीं होता मगर आज रिश्ते तराजू पर तोले जाते है अगर कोई गरीब है तो उसके साथ भेदभाव किया जाता है।वक्त बदलते देर नही लगती इसलिए आदमी को अपना अतीत याद करते रहना चाहिए।ताकि विपतीयो का अहसास होता रहे। वर्तमान परिवेश में मानव इतना स्वार्थी व मौकापरस्त होता जा रहा है कि खुद को खुदा से उपर समझने लगा है। आज वह भगवान के साथ छल -कपट तक करने से नहीं चुकता मगर जब उसकी मार पडती है तो होश ठिकाने आ जाते हैं। ऐसे लोगों के आदमियों की पहचान नहीं होती कि कौन अच्छा है कौन बुरा है। आज चापलूस लोगों का बोलबाला हो गया है लेकिन खुदा सब देख रहा है समय ने करवट बदली और उनका भाग्य भी बदल गया लेकिन वह लोग अपनी औकात भूल गये कि एक समय ऐसा भी था कि उनके पास एक जोडी कपडे होते थे।खाने के लाले पडे होते थे। आज अच्छे दिन आ गये तो अपनों को भूल गये और हवा में उडने लगें लेकिन असली व नकली पंखों में फर्क होता है कार-कोठी को ही जीवन का लक्ष्य मान अन्य लोगो कों को नीचा दिखाने की कोशिश में लगे व्यक्तियों की पोल आखिकार खुल जाती है, समाज में आत्मकेन्द्रीत लोगों का जमावडा बढता जा रहा है ऐसे लोग सिर्फ अपनों के सिवाय दूसरों का अच्छा नहीं कर सकते ऐसे लोग जानवरों से भी बदतर हैं।एक पत्थर सिर्फ एक बार मंदिर जाता है और भगवान बन जाता है इंसान हर रोज मंदिर जाते है फिर भी पत्थर ही रहते हैं प्रत्येक इन्सान का एक स्वाभिमान होता है उसे बनाए रखना चाहिए भले ही कितनी ही विपति आ जाए अपना स्वाभिमान बरकरार रखना चाहिए मानव को अपने स्वाभिमान के आसू हर जगह नहीं बहाने चाहिए।जीवन में हम अनेक सुख-दुख देखते है,परन्तु क्या हमने किसी और के लिए कुछ करने के बाद सच्चे सुख की अनुभूति की है दूसरों को अपनी सामर्थ्य के अनुसार दीजिए ,खासकर उन्हे जो अनेक चीजों से वंचित ही रहे या जिन्हे दुख के सिवाय कुछ भी नहीं मिला। आप महसूस करेगें कि परोपकार का काम करने के बाद आपके होंठों पर आई मुस्कराहट दुनियाभर की दौलत से भी मंहगी होगी।मानव नंगा आता है नंगा ही चला जाता है इस संसार में जो पैदा हुआ है उसे एक दिन इस नश्वर संसार को छोडना ही है आधुनिक युग में जीवन मूल्यों में गिरावट समाज में विष घोल कुंठा उत्पन्न कर रही है तनिक लाभ के लिए लोग अपना जमीर बेच रहे हैं। मानव को अपनी मर्यादा में रहना चाहिए।समय बहुत ही बलवान है वक्त के थपेडों से कोई नहीं बच पाया है।कहते अपने ही काम आते है मगर आज आदमी ही आदमी से नफरत कर रहा है कुते बिस्किट खा रहे है मगर मानव भूख से त्रस्त है क्या मजाल की कोई भूखे को रोटी का निवाला दे। आदमी नरभक्षी बनता जा रहा है प्रतिदिन शराब,मांस ,मदिरा का प्रयोग कर रहा है। इंसान फितरती होता जा रहा है। मानव विलासिता पर धन खर्च कर रहा है।

-नरेन्द्र भारती

भारत में जहरीली शराब रोकने ऑपरेशन सिंदूर-2 की सख्त जरूरत

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के हर देश के शौकीनों के लिए शराब को एक अमृत रस के रूप में टॉनिक की उपमा दी जाती है। खुशी के अनेकों मौकों पर शराब दावत को देखा जा सकता है। मैं ग्राउंड रिपोर्टिंग में देखा हूं कि, नाम मात्र की परमिशन जरूर होती है परंतु नियमों विनिमयमों कानूनों की धज्जियां जवाबदेही रखने वालों के नाक के नीचे उड़ती है, बंद लिफाफा होटों पर टेप और आखों पर पट्टी का काम करता है, यह तो हाई प्रोफाइल समिति का उदाहरण है,ठीक वैसे हीबॉटम स्तर पर दारू भट्टियों, मोहल्ला चौकों,में नंबर दो की तथाकथित नकली एथोनल का उपयोग कर बनाई गई शराब का सेवन मध्यम वर्ग, गरीब वर्ग, मजदूर वर्ग करते हैं, यहां भी इन्हीं जवाबदेहों के होटों पर लिफाफे की टेप और आँखों पर पट्टी लगा दी जाती है, जिनके परिणाम स्वरुप पंजाब में बटाला तरनतारन संगरूर जैसे कांड तथा भारत के अनेकों राज्यों में अनेकों केस होते रहते हैं जिनकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहेहैं,क्योंकि दिनांक 13 मई 2025 को पंजाब अमृतसर के पास मजीठा गांव में जहरीली शराब पीने से देर रात्रि 12 तक मेरी जानकारी के अनुसार 21 लोगों की मृत्यु की खबर मीडिया मेंआ चुकी थी। सीएम साहब ने मृत्को के परिवार वालों को 10 लाख रुपयों के मुआवजे की घोषणा की है,व घटना से जुड़े 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (हत्या) व 105 (गैरइरादतन हत्या) के साथ आबकारी अधिनियम,अनुसूचित जाति जनजाति (अत्याचार निवारण)अधिनियम संबंधी धाराएं लगाई गई है। परंतु मैं एक अधिवक्ता होने के नाते देखता रहा हूं कि नकली जहरीली शराब से जुड़े परिवार वालों के लिए मुआवजे की घोषणा, आरोपियों की गिरफ्तारी, जमानत, निचली अदालत से ऊपरी कोर्ट तक प्रक्रिया चलती है, तबतक पीड़ित परिवार वालों की जिंदगी शायद समाप्त हो जाती होगी? चूँकि भारत में जहरीली शराब रोकने ऑपरेशन सिंदूर-2 की सख्त जरूरत है, तथा सभी राज्यों में एक कॉमन बात कि,नकली शराब से जुड़े परिवार वालों के लिए मुआवजे की घोषणा, आरोपियों की गिरफ्तारी,जमानत बॉटम से ऊपरी कोर्ट तक वर्षों तक कानूनी प्रक्रिया चलती है तब तक पीडति परिवार वालों की जिंदगी शायद समाप्त हो जाती है? इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत में जहरीली शराब का नरसंहार आखिर कब तक मृतकों के घर के चूल्हे उजड़ बन रहे मातमगाह, कब जागेगी सरकार? बता दें इस आर्टिकल में दी गई जानकारी की सटीकता का प्रमाण नहीं है, क्योंकि यह इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से उठाई गई है।

साथियों बात अगर हम दिनांक 13 मई 2025 को जहरीली शराब सेवन कांड की करें तो, अमृतसरस्पंजाब के अमृतसर जिले के मजीठा ब्लॉक में जहरीली शराब पीने से 21 लोगों की मौत हो गई है, जिससे इलाके में मातम छा गया है, यह घटना ब्लॉक के भंगाली कलां,थारीवाल संघा और मरारी कलां जैसे गांवों में हुई। जिला प्रशासन ने मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई है।पंजाब सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि इस मामले में दो एफआईआर दर्ज की गई हैं और 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, उन चार आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है जो सप्लायरों से शराब खरीदकर गांवों में बेच रहे थे, इस घटना को लेकर पंजाब पुलिस के महानिदेशक(डीजीपी) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि,दुर्भाग्यपूर्ण घटना में नकली शराब के कारण हुई दुखद मौतों के बाद पंजाब पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की, जिनमें मुख्य सरगना और कई स्थानीय विक्रेता शामिल हैं, ऑनलाइन खरीदे गए मेथनॉल का इस्तेमाल नकली शराब बनाने में किया गया था। पूरे मामले की जांच चल रहीहै, ताकि कार्य प्रणाली का पता लगाया जाए और सभी दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जाए।

साथियों बात अगर हम भारत में जहरीली शराब के कहर- की करें तो,2014 से 2022 तक किस साल कितनी मौतें हुई, (1) 2014- अवैध शराब के सेवन से 1,699 मौतें हुईं। (2) 2015- 1,624 घटनाओं में 1,522 लोगों की जान गई. महाराष्ट्र (278), पुडुचेरी (149) और मध्य प्रदेश (246) में सबसे ज़्यादा मौतें हुईं। (3) 2016- 1,073 घटनाओं में 1,054 मौतें दर्ज की गई. मध्य प्रदेश (184) और हरियाणा (169) में सबसे ज़्यादा लोगों ने अपनी जान गंवाई। (4) 2017- 1,497 घटनाओं में 1,510 मौतें हुईं. कर्नाटक (256), मध्य प्रदेश (216) और आंध्र प्रदेश (183) में हालात गंभीर रहे। (5) 2018 1,346 घटनाओं में 1,365 लोगों की जान गई,मध्य प्रदेश (410) और कर्नाटक (218) में सबसे ज़्यादा मामले सामने आए। (6) 2019 1,141 घटनाओं में 1,296 मौतें हुईं. मध्य प्रदेश (410) और कर्नाटक (268) में स्थिति चिंताजनक बनी रही। (7) 2020 931 घटनाओं में 947 लोगों की जान गई. मध्य प्रदेश (214) और झारखंड (139) में सबसे ज़्यादा मौतें हुईं। (8) 2021-708 घटनाओं में 782 मौतें हुईं। उत्तर प्रदेश (137) और पंजाब (127) में सबसे ज़्यादा मामले दर्ज किए गए। (9) 2022 507 घटनाओं में 617 मौतें हुईं। बिहार (134) और कर्नाटक (98) में अवैध शराब का कहर जारी रहा।

साथियों बात अगर हम मजीठा कांड में लगाई गई भारतीय न्याय संहिता की धाराओं को समझने की करें तो,भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में धारा 103 हत्या के लिए सजा का प्रावधान करती है, जबकि धारा 105 गैर- इरादतन हत्या के लिए सजा का प्रावधान करती है। धारा 103 के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति हत्या करता है, तो उसे मृत्युदंड या आजीवन कारावास और जुर्माना लगाया जा सकता है। धारा 105 के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति हत्या की श्रेणी में न आने वाला गैर-इरादतन हत्या करता है, तो उसे आजीवन कारावास या 5 से 10 वर्ष का कारावास और जुर्माना लगाया जा सकता है। धारा 103 हत्या के लिए सजा (1) यदि कोई व्यक्ति हत्या करता है, तो उसे मृत्युदंड या आजीवन कारावास की सजा दी जाएगी और वह जुर्माने से भी दंडनीय होगा। (2) यदि पांच या अधिक व्यक्तियों का समूह नस्ल, जाति या समुदाय, लिंग, जन्म स्थान, भाषा, व्यक्तिगत विश्वास या किसी अन्य समान आधार पर हत्या करता है, तो ऐसे समूह के प्रत्येक सदस्यको मृत्युदंड या आजीवनकारावास की सजा दी जाएगी और जुर्माना भी देना होगा।

साथियों बात अगर हम अवैध शराब बनने को समझने की करें तो, कैसे बनती है अवैध शराब कच्ची शराब बनाने के लिए मुख्य रूप से गुड़, पानी और यूरिया का इस्तेमाल किया जाता है, इसमें कई खतरनाक केमिकल भी मिलाए जाते हैं, गुड़ को सड़ाने के लिए ऑक्सीटोसिन का इस्तेमाल किया जाता है, अधिक नशा लाने के लिए नौसादर और यूरिया भी मिलाया जाता है, ये सभी चीजें मानव शरीर के लिए अत्यंत हानिकारक हैं।यूरिया,ऑक्सी टोसिन, गुड़ और पानी को मिलाकर जब फर्मेंटेशन किया जाता है तो इथाइल अल्कोहल की जगह मिथाइल अल्कोहल बन जाता है,मिथाइल अल्कोहल बनने का एक कारण शराब बनाने की प्रक्रिया के दौरान तापमान का सही ध्यान न रखना भी है, इसी मिथाइल अल्कोहल के कारण शराब जहरीली हो जाती है,इसे पीने से होती है मौत-विशेषज्ञों के अनुसार, मिथाइल अल्कोहल शरीर में जाकर फार्मेल्डिहाइड (फॉर्मिक एसिड) बनाता है, यह एक ऐसा जहर है जो आंखों की रोशनी छीन सकता है या मौत का कारण बन सकता है, यह शराब पीने वाले के दिमाग के लिए भी बेहद हानिकारक है, यदि शराब में मिथाइल अल्कोहल की मात्रा 90 प्रतिशत से अधिक हो जाती है, तो वह जहरीली बन जाती है, इतनी मात्रा में मिथाइल अल्कोहल का सेवन नर्वस ब्रेकडाउन का कारण बनता है। 13 मई को बटाला में हुए शराब कांड में पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि नकली शराब बनाने के लिए इस्तेमाल 'मेथेनॉल' थोक में ऑनलाइन खरीदा गया था। मेथनॉल' एक हल्का, रंगहीन कार्बनिक रासायनिक यौगिक है, जिसे अकसर अवैध रूप से मादक पेय पदार्थों में 'इथेनॉल' के सस्ते विकल्प के रूप में ही मिलाया जाता है।

साथियों बात अगर हम शराब पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध के बारे में समझने की करें तो,शराब पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध के बारे में क्या क्या यह सैद्धांतिक रूप से संभव है? यदि ऐसा है, तो केंद्र सरकार शराबबंदी कैसे लागू कर सकती है? खैर, यह देखते हुए कि संविधान संघ को शराब को विनियमित करने की अनुमति नहीं देता है, (केंद्र) सरकार को दो-चरणीय प्रक्रिया का पालन करने की आवश्यकता होगी। तत्काल कदम संविधान में संशोधन करना और शराब को राज्य सूची से संघ सूची में स्थानांतरित करना होगा।

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। ऊपरी स्तरों पर माँग अटकने से शुक्रवार को खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में भाव बने रहे। दलहनों में चना पूर्वस्तर पर रहा। किराना जिंसों में शक्कर में बाजार आंशिक मजबूत पर रहे। सौंफ व जीरे में सुस्ती आयी। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में ऊपरी स्तरों पर माँग अटकने से भावों में नरमी रही। तिलहनों में बाजार बने रहे। दलहनों में चना पूर्वस्तर पर बना रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर लेवाली से आंशिक मजबूत हुई। सौंफ व जीरा बाजार नरमी पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4140-4190, खोपरा गोला 210-245, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 180-220, सांगली 250-270, साबूदाना हल्का 6000-6100, मीडियम 6200-6300, बेस्ट 6300-6500, ग्लास 6700, वरलक्ष्मी 5350, सौंफ मोटी 95-120, बेस्ट 280-315, एस्ट्रा बेस्ट 320-350, सौंफ बारिक 280-290, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च लूज 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1050-1200, क्लीन 1220-1330, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, जावित्री फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धौली मुसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1600-1750, बेस्ट 1850-2000, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 950-1000, काजू (320) 825-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-820, जे.एच. 850-870, टुकड़ी 800-840, बादाम मगज 820-835, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2500-2550, (160) 2850-2900, (200) 3250-3300, (250) 3250-3300

तेल- सींगदाना 1360-1370, मुम्बई 1385, राजकोट तेलिया 2160, सोया साल्वेंट 1175-1180, सोया रिफाइंड 1240-1245, कपास्या 1230, धूलिया 1235, कड़ी 1240,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1340, मुम्बई पाम 1240, मुम्बई सोया 1275,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2200, देवास-उज्जैन 2200, खंडवा-बुरहानपुर 2175, अकोला 2990 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6400-6500, रायडा 5600, सोयाबीन 4300, टोली (महुआ बीज) 4000-4200, करंज 4000-4200, अलसी 7500-7600, अरंडी 4500-4700,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6050-6075, एवरेज 5900-5950, काबुली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबुली चना मीडियम 7400-8300, काबुली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 6300-6350, एवरेज 6100-6150, मूंग देशी 7700-7750, पाला 7750-7800, चमकी 7800-7900, नायलोन 7800-7900, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6900-7000, एवरेज 6700-6800, हल्की 6500-6600, तुअर महाराष्ट्र 7100-7400, उड़द बेस्ट 8500-8600, एवरेज 8300-8400, शंकर 7900-8000, हल्की 7300-7500,

दाल- चना दाल एवरेज 8000-8200, बेस्ट 8300-8500, तुअर दाल सवा नं. 8300-8400, तुअर दाल फूल 9500-9700, तुअर दाल बोल्ड 11700-11800, मसूर दाल एवरेज 7400-7550, बेस्ट 7600-7750, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 10400-10500, बोल्ड 10600-10800, उड़द दाल 10600-10700, बोल्ड 10800-10900, मोगर 10900-11000, बोल्ड 11200-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2400-2500, लोकवन 2700-2650, बेस्ट 2750-2800, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2800-2900, पूर्णा 2900-3000, चन्दोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2350-2400,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3050, सेला 3400-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4800, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6500, तिबार 9000-10000, बासमती (921) 10500-11500, बासमती सेला 6500-9000, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। शुक्रवार को भी स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा सामान्य ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी पर रहे। भाव इस प्रकार रहे- चाँदी (9999) 96400, चाँदी (99) 96300, टंच 95600, सिक्का 1000, सोना 10 ग्राम 95000,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया तीन पैसे की हल्की बढ़त के साथ ही 85.51 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 12 पैसे बढ़कर 85.42 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि हालांकि व्यापार घाटे में वृद्धि, घरेलू बाजारों में कमजोर शुरुआत और ब्रेंट क्रूड की कीमतों में बढ़ोतरी जैसे कारक स्थानीय मुद्रा की बढ़त सीमित कर सकते हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.28 पर मजबूती के साथ खुला। बाद में 85.42 पर लुढ़क गया जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.54 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.24 फीसदी की गिरावट के साथ 100.641 पर रहा।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपको अपने व्यवसाय में कम मेहनत से अत्यधिक लाभ मिलेगा, जो आपको खुशी देगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आपको अपनी संतान की संगति पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। नौकरी में कार्यरत लोग कहीं और अप्लाई कर सकते हैं। आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी, जिसमें आप कोई जरूरी जानकारी शेयर न करें।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए सावधान रहने के लिए रहेगा। आप अपने कामों को धैर्य व संयम से निपटाने की कोशिश करें। आपको बेवजह कामों को लेकर भाग दौड़ बनी रहेगी। आप दूसरे के मामले में बोलने से बचें। आप किसी संपत्ति को खरीदने की योजना बनाएंगे। दोस्तों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। प्रेम व सहयोग आपके मन में बना रहेगा। आप किसी छोटी दूरी की यात्रा पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं।

मिथुन- नौकरी में कार्यरत लोगों को कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। आपके कुछ नए विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं। प्रॉपर्टी डीलिंग का काम कर रहे लोगों की कोई बड़ी डील फाइनल होगी। आपकी संतान के स्वास्थ्य में गिरावट आने से आपका मन परेशान रहेगा। आपका खर्च भी अधिक होगा। आप काम को लेकर यदि परेशान थे, तो उसके लिए आप अपने पिताजी से सलाह मशवरा कर सकते हैं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मनचाहा लाभ दिलाने वाला रहेगा। परिवार में किसी बात को लेकर यदि लड़ाई झगड़े की स्थिति उत्पन्न हो, तो आप उसमें चुप लगाएं। कुछ महंगी चीजों के प्रति रुझान अधिक रहेगा। धन खर्च भी अधिक होगा। आप शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट थोड़ा सोच समझकर करें।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप वाद विवाद से दूर ही रहे, तो आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपका कोई कानूनी मामला यदि लंबे समय से विवादित था, तो आपको उसके लिए कुछ लोगों से मिलना जुलना पड़ सकता है। आपका डूबा हुआ धन आपको मिलने की संभावना है। आप अपने काम करने के प्रयासों में तेजी ला सकते हैं। आप किसी नए घर, मकान, दुकान आदि की खरीदारी करने की प्लानिंग कर सकते हैं।

कन्या- आज का दिन व्यापार कर रहे लोगों के लिए लाभदायक रहने वाला है। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी को परिवार के सदस्यों से मिलवा सकते हैं। कारोबार में यदि आपकी कोई डील अटकी हुई थी, तो वह फाइनल हो सकती है। परोपकार के कार्य में भी आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। अपने खर्चों को बढ़ने से रोकने की आवश्यकता है। पार्टनरशिप में कोई काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए धन धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको किसी नई नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। यदि माताजी को कोई सेहत संबंधित समस्या हो, तो उसमें आपको लापरवाही करने से बचना होगा। रोजगार की तलाश में परेशान लोगों को कोई बेहतर अवसर हाथ लगेगा। आपकी कोई गलती परिवार के सदस्यों के सामने आ सकती है। आप अपने कामों को लेकर किसी दूसरे पर डिपेंड ना रहें।

वृश्चिक- आज का दिन बिजनेस कर रहे लोगों के लिए अच्छा रखने वाला है। आपको किसी बात को लेकर यदि कोई टेंशन थी, तो वह भी दूर होगी। आपको घर परिवार में सुख शांति बनाए रखने की आवश्यकता है। दोस्तों के साथ आप अच्छा समय व्यतीत करेंगे। आप किसी धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आपके मन में किसी काम को लेकर आज संशय बना रहेगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए जल्दबाजी में कोई काम करने से बचने के लिए रहेगा। आप अपनी आय और व्यय में संतुलन बनाकर चले, तो आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपको किसी काम को दूसरों के भरोसे छोड़ने से बचना होगा। आपको काम को लेकर भाग दौड़ अधिक रहने वाली है। आप जीवनसाथी से किसी बात को लेकर कोई ऐसी बात बोल सकते हैं, जो कि उन्हें बुरी लगेगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप किसी धार्मिक यात्रा पर जाने की तैयारी कर सकते हैं। परिवार में बड़े बुजुर्गों का आपको पूरा साथ मिलेगा। आप अपने मित्रों के साथ कुछ समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। आपके बॉस को आपके दिए गए सुझाव खुब पसंद आएंगे। आपकी दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी, लेकिन आप सेहत के प्रति लापरवाही बिल्कुल ना बरतें।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए बुद्धि व विवेक से निर्णय लेने के लिए रहेगा। आप बेवजह यात्रा करने से बचे। आपको अपने कामों को लेकर धैर्य व संयम रखने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में आपको पद व प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे लोग अपनी मेहनत में तेजी लायेंगे। आपकी किसी लापरवाही के कारण कोई नुकसान होने की संभावना है। आप अपने घर के कामों में कोई बदलाव कर सकते हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आपका आत्मविश्वास काफी मजबूत रहेगा और संपत्ति को लेकर आप कोई बड़ा इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं। भाई व बहनों से यदि आप काम को लेकर कोई मदद मांगेंगे, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगी, लेकिन आपको गलत तरीके से धन कमाने से बचना होगा। कार्यक्षेत्र में आपको अपनी जिम्मेदारियों से घबराने की आवश्यकता नहीं है।

शब्दजाल - 7901

शब्द जाल में 10 महिला राज्यपालों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

स	रा	जें	द्र	कु	मा	री	वा	ज	पे	यी
द	स	ल	प्रे	व	जी	स	द	ह	कां	रा
वि	स	रो	म	र	ज	नी	पा	ल	ख	म
शा	स	स	जि	दि	वा	स	ध	चं	श	दु
र	आ	र	ग	नी	ज	ना	तू	द्रा	झ	ला
दा	ल	ला	र	दि	ना	उ	ती	व	घ	री
मु	व	ग्रे	मी	या	प	य	ज	ती	व	सि
ख	एं	वा	ई	द	ब	क	डू	ए	श	न्हा
र्जी	ड	ल	कु	मु	द	बे	न	जो	शी	आ
क	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	य	ल	क्ष्मी	पं	डि	त	ब	प	म

सरोजिनी नायडू, विजयलक्ष्मी पंडित, शारदा मुखर्जी, कुमुदबेन जोशी, सरला ग्रेवाल, रामदुलारी सिन्हा, चंद्रावती, शीला कौल, राजेंद्रकुमारी वाजपेयी, रजनी पाल.

शब्दजाल - 7900 का हल

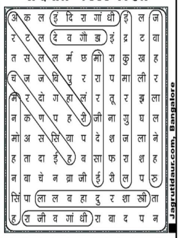

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

17 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष	05.10 बजे से
चंद्र	धनु में	मिथुन	07.12 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	09.26 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	11.42 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	13.54 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.04 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.19 ब.से
राहु	मीन में	धनु	20.35 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	22.40 बजे से
		कुंभ	00.27 बजे से
		मीन	02.00 बजे से
		मेष	03.30 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2025 वर्ष का 137 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** पंचमी अहोरात्र। **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा 17.44 बजे को समाप्त। **योग** साध्य 07.09 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 17.40 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 19.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 19° 20' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872347 **जूलियन दिन** 2460812.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्काद **तारीख** 18

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः दो पत्नियां

एक अधेड़ आदमी अपनी पत्नी से खुश नहीं था इसलिए वह एक और औरत ले आया। दोनों पत्नियां एक-दूसरे को फूटी आंख नहीं देख सकती थीं। वे हमेशा झगड़ती रहती थीं। इससे परेशान होकर उनके पति ने शहर के अलग-अलग मोहल्लों में दो शानदार मकान बनवाए। बड़ी तकरार के बाद दोनों पत्नियां इस बात पर राजी हुई कि पति बारी-बारी से एक-एक दिन उनके साथ रहेगा। जब पति छोटी पत्नी के साथ रहता तो वह पति के सर से जुएं निकालने के बहाने उसके सारे सफेद बाल उखाड़ देती। वह चाहती थी कि उसका पति जवान दिखे और उसके सर पर एक भी सफेद बाल न हो। वह आदमी अपनी बड़ी उम्रदराज पत्नी के पास रुकता तो वह उसके काले-बाल उखाड़े देती। बड़ी पत्नी को यह अच्छा नहीं लगता था कि उसका पति उससे छोटा दिखे। नतीजा यह हुआ कि कुछ समय बाद उस आदमी के सर पर एक भी बाल नहीं बचा। वह गंजा था। लोग उसके लिए कहने लगे-दो पत्नियों का भरतार बिन मारे मरता करतार।

फिल्म वर्ग पहेली- 6845

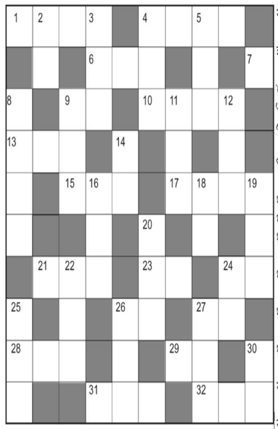

बायें से दायें:-

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की 'नहीं कही थी बात' गीत वाली फिल्म-३
७. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
९. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्ही रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेंमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जां' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नचलै नचलै' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६ संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
२५. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज सरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6844

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7154

★★★★★ कठिनतम

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7153 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

शब्द पहेली - 8369

बाएँ से दाएँ

1. दांपत्य संबंध विच्छेद-3
3. रहस्य का ज्ञाता-4
6. खुशबू, सुगंध-3
7. सौ, सैकड़ा, शतक-2
8. दुलारा, लाड़ला-2
10. नाम रखना-5
12. दाम, मूल्य, दर-3
15. अग्नि, आग-3
17. सम्मान देना -2,3
20. जन्नत, अप्सरा-2
22. दाम, कीमत-2
23. स्थान-3
24. अचरज भरा कार्य-4
25. गागर, घड़ा-3

ऊपर से नीचे

2. न्यूनता, कमी-5
3. अटक-अटक कर बोलने वाला-3
4. आवश्यकता-4
5. राजी करना, मान मनुहार करना-3
7. वहम, संदेह-2
9. भाग्यशाली (अंग्रजी-2)
11. मैला, दागदार-3
13. धोखेबाज, कपटी-3
14. मन मोहने वाला-5
15. अशांति फैलाने वाला, उपद्रवी-4
16. रक्त, खून-2
18. आनेवाला दिन-2
19. नृत्य करना-3
21. चांदी-3

शब्द पहेली -8368 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 200 अंक नीचे आकर 82,330.59 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 42.30 तकरीबन 0.17 फीसदी टूटकर 25,019.80 पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, बजाज ऑटो, अदानी एंटरप्राइजेज, टाटा कंज्यूमर, इटरनल (जोमेटो) के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि भारती एयरटेल, जेएसडब्ल्यू स्टील, इंफोसिस, एसबीआई, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर गिरे। वहीं बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 0.8 फीसदी की तेजी रही जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स में 1 फीसदी की बढ़त रही। सेक्टरों में मीडिया, पावर, पीएसयू, रियल्टी, कैपिटल गुड्स इंडेक्स में 1-1.7 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि आईटी इंडेक्स करीब एक फीसदी नीचे आया। इससे पहले आज सुबह बाजार सप्ताह के अंतिम कारोबारी

दिन गिरावट के साथ खुला। शुरुआत कारोबार में आईटी, वित्तीय सेवाओं और फार्मा सेक्टर में बिकवाली रही। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 231.64 अंक की गिरावट के साथ 82,299.10 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 49.95 अंक की गिरावट के साथ 25,012.15 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी बैंक 52.40 अंक की गिरावट के साथ 55,303.20 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 169.20 अंक की बढ़त के साथ 56,700.05 पर कारोबार कर रहा था केवल निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 78.45 अंक फीसदी बढ़कर 17,318.40 पर कारोबार कर रहा था। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में चीन, हांगकांग और जापान लाल निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि बैंकॉक, जकार्ता और सियोल हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। वहीं अमेरिकी बाजारों में पिछले कारोबारी सत्र में डाउ जोंस 271.69 अंक की बढ़त के साथ 42,322.75 पर बंद हुआ।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते का रास्ता साफ

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच हाल ही में हुए मुक्त व्यापार समझौते ने दोनों देशों के बीच व्यापार की दौड़ में नया मोड़ खोल दिए है। इस समझौते के बाद ब्रिटिश व्हिस्की, लग्जरी ब्रांड्स के कपड़े और एससेरीज, दवाएं और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स भारत में कमी के दरवाजे खोल दिए गए हैं। लेकिन, इसमें ये सवाल भी है कि इस यात्रा कब शुरू होगी। वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि हाल ही में संपन्न मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर जल्द ही हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। इस समझौते के तहत ब्रिटेन के बाजार में भारतीय उत्पादों पर शुल्क को शून्य कर दिया गया है और श्रमिकों के लिए यात्रा के नियमों में बदलाव किए जाएंगे। इस एग्रीमेंट का मकसद है 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार को हरी झंडी दिखाना, जिससे दोनों की अर्थव्यवस्थाएं बढ़ें। इसमें ब्रिटेन से व्हिस्की और कारों का आयात सस्ता हो जाएगा, जबकि भारतीय श्रम-गहन उत्पादों का आयात शुल्क मुक्त होगा। इस समझौते के तहत कई वस्तुओं और सेवाओं पर टैरिफ में कमी होगी या उसे खत्म किया जाएगा। कुल मिलाकर, यह एग्रीमेंट दोनों देशों के बीच गहरे व्यापार के रास्ते पर एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल उत्पादों की कीमतें कम होंगी, बल्कि दोनों देशों के अर्थव्यवस्थाओं को भी मजबूती मिलेगी।

आरबीआई आगामी महीनों में कर सकता है रेपो रेट में कटौती

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आने वाले महीनों में ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक जून से दीपावली (20 अक्टूबर) तक रेपो रेट में कुल 0.50 फीसदी की कटौती की संभावना है। इस कटौती का सीधा असर होम लोन, कार लोन और अन्य कर्जों की ईएमआई को भी प्रभावित करेगा। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगली बैठक 4 से 6 जून के बीच होने वाली है, जिसमें 0.25 फीसदी की कटौती लगभग तय मानी जा रही है। इसके बाद 5 से 7 अगस्त या फिर 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच होने वाली बैठक में एक और 0.25 फीसदी की कटौती की संभावना है। रेपो रेट में अब तक 0.50 फीसदी की कटौती हो चुकी है। आरबीआई ने इस वर्ष फरवरी से दरों में कटौती शुरू की थी और अब तक दो बैठकों में कुल 0.50 फीसदी की कटौती कर रेपो रेट को 6 फीसदी तक ला चुका है। यदि आरबीआई दो बैठकों में और कटौती करती है, तो यह दर और सस्ती हो जाएगी, जिससे उद्योगों को किफायती दरों पर कर्ज मिलेगा और आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। एसबीआई सिक्योरिटीज के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट ने कहा कि रेट कट के लिए सभी आर्थिक कारक अनुकूल हैं। महंगाई काबू में है, मानसून सामान्य रहने के संकेत हैं और जीडीपी स्थिर बनी हुई है। खुदरा महंगाई जुलाई 2019 के बाद सबसे निचले स्तर पर है। ऐसे में ब्याज दरों में कटौती की पूरी संभावना है।

अवैध उत्खनन की शिकायत-तहसीलदार द्वारा जप्त किए वाहन हुए लापता

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लांजी के अंतर्गत ग्राम पंचायत टेकरी के शासकीय भूमि सैगौर्रा तालाब गोसाईटोला मानपुर से मिट्टी एवं मुरूम की अवैध खुदाई की शिकायत पर तहसीलदार लांजी के द्वारा 15 मई को मौका स्थल पर पहुंचकर वहां अवैध कार्य में लगे जेसीबी मशीन एवं 4 टेक्टरों को शिकायतकर्ता एवं ग्रामीणों के समक्ष जप्त करने के उपरांत उक्त वाहनों के लापता हो जाने व कोई कार्यवाही न होने से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है, एवं उनके द्वारा जिला कलेक्टर बालाघाट को फोन पर सूचना कर तथा मेल के माध्यम से शिकायत कर व एसडीएम लांजी को ज्ञापन सौंपकर जांच उपरांत दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। शिकायत कर्ताओं द्वारा बताया गया कि ग्राम पंचायत टेकरी के सरपंच के द्वारा ग्राम मानपुर के गोसाईटोला में स्थित शासकीय तालाब (सैगौर्रा तालाब) की बिना किसी प्रशासनिक अनुमति व सहमति प्राप्त किये जे.सी.बी. मशीन से अवैध खुदाई कराकर मिट्टी एवं मुरूम का अवैध परिवहन कर आर्थिक लाभ प्राप्त किया जा रहा था, जिसकी ग्रामवासियों के द्वारा तहसीलदार लांजी एवं एस.डी.एम. लांजी को 15 मई 052025 को दूरभाष पर शिकायत दी गई थी, जिसके आधार पर तहसीलदार लांजी के द्वारा शिकायत जांच हेतु मौका स्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया गया, जिसमे सरपंच द्वारा अवैध खनन एवं परिवहन पाये जाने पर तहसीलदार लांजी के द्वारा एक जे.सी.बी. मशीन एवं 4 टेक्ट्ररो को जप्ती करके लांजी तहसील कार्यालय के लिए रवाना किया गया। किन्तु रात्रि करीब 8-9 बजे रात्रि मे उक्त जप्तीसुदा जे.सी.बी. मशीन एवं 4 टेक्ट्ररों को बगैर किसी कार्यवाही के छोड़ दिया गया है। शिकायतकर्ता दौलतराम कोठारे, हंसराज सातपुते, मधुकर सोनटेके, दिपक कोठारे, सेवकराम, अनंतराम, टुमेन्द पिपरे, सरिता, आम्रपाली, मनीष पीपरे, सुनिल किरमे, ऊषा बाई लटारे, बाबूराव सातपुते, छाया सातपुते, धनीराम कोठारे, संजय कोठारे आदि ने हस्ताक्षर युक्त कलेक्टर बालाघाट के नाम ज्ञापन एसडीएम लांजी को सौंप कर उक्त मामले की जांच कर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

ग्रामीणों ने कलेक्टर के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

सीएचसी किरनापुर मे सिकल सेल रोगियो का किया गया वैक्सीनेशन

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बालाघाट के निर्देशानुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर मे आज 16 मई 2025 दिन शुक्रवार को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व किरनापुर कार्तिकेय जैसवाल की प्रमुख उपस्थिति एवं खंड चिकित्सा अधिकारी किरनापुर डॉ वर्षा चौबे मार्गदर्शन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर में जिले से प्राप्त सूची अनुसार 21 सिकल सेल रोगियों को PCV13 वैक्सीन लगाया गया। इस कार्य मे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर मे कार्यरत नर्सिंग स्टॉप का सराहनीय सहयोग रहा।

शादी में आए एक व्यक्ति से तीन लोगों ने की मारपीट-नाचने गाने को लेकर हुआ विवाद

बालाघाट(पदमेश न्यूज़)। लालबर्रा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बम्हनी में नाचने गाने को लेकर एक व्यक्ति को तीन लोगों ने हाथ बुक्को से मारपीट कर घायल कर दिए। मारपीट में घायल व्यक्ति रविशंकर पिता कुंजीलाल बिसेन 40 वर्ष ग्राम लिम्देवाड़ा थाना हट्टा निवासी है। जिसका इलाज जिला अस्पताल में किया गया । प्राप्त जानकारी के अनुसार रविशंकर बिसेन अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते है 15 मई की रात्रि 10:30 बजे रविशंकर अपने गांव लिम्देवाड़ा से बम्हनी शादी में आया था। शादी में नाचने गाने को लेकर विवाद होने पर रविशंकर बिसेन को निकेश बिसेन नरेश बिसेन भोले ने हाथ बुक्को से मारपीट कर दिए। मारपीट में घायल रवि शंकर बिसेन को शादी में आई गाड़ी से ही जिला अस्पताल बालाघाट लाकर इलाज करवाया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने रविशंकर बिसेन का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु संबंधित पुलिस थाना को भिजवा दी है।

प्रकाशित समाचार पर कृषि विभाग ने लिया संज्ञान

कृषि विभाग के अधिकारी पहुंचे कृषि केन्द्र, लिया धान बीजों का सेम्पल

लांजी (पद्मेश न्यूज)। खरीफ फसल की बुवाई के लिए कृषकों द्वारा तैयारियां की जा रही है वहीं कृषि केन्द्रों के संचालको द्वारा भी धान बीज बिक्री के लिए बुलाना प्रारंभ कर दिया है एवं नगर के कृषि केन्द्रों के संचालको द्वारा अपने गोदामों में धान बीज संग्रहण किया जा रहा है। किसानों को गुणवत्ता पूर्ण बीज उपलब्ध हो इस हेतु समाचार पत्र के माध्यम से इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था कि बाहर से आ रहे बीजों का सेम्पल लेकर जांच की जावें। इसी को मद्देनजर रखते हुए कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा जिला कलेक्टर के निर्देशन एवं उपसंचालक के मार्गदर्शन मे खरीफ बीज की गणवत्ता को बनाये रखने एवं कषको को उच्च गुणवत्ता का बीज मिल सके इस उद्देश्य से विकासखण्ड - लांजी के कृषि आदान विक्रेता केन्द्रो में कृषि विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा 16 मई को कृषि केन्द्रों में पहुंचकर धान बीजों का सेम्पल लिया गया। कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा जानकारी में बताया गया कि उनके द्वारा लक्ष्मी बीज भण्डार लांजी एवं किसान कृषि केन्द्र लांजी का निरीक्षण किया गया एवं बीज की गुणवत्ता बनाये रखने के लिए लक्ष्मी बीज भण्डार लांजी (प्रो. लक्ष्मीकांत चौहान) से नंदीश्वरा सीड्स करीमनगर तेलगानां कपंनी के 6 धान बीज नमूने जिनकी किस्म शिवगामी, एनडीएस-सपंदा, एनडीएस - 604, एनडीएस, जेएसआर , नंदनी 328, एनडीएस स्वर्णा, एवं किसान कृषि केन्द्र लांजी (प्रो. गोविद गरूडे) से महिन्द्रा एग्री साल्यूजन हैदराबाद कपंनी के 2 धान बीज के नमूने किस्म एमपीआर-404 एवं एमपीआर - 606 बीज निरीक्षक लांजी द्वारा लिए गये। -606 बीज निरीक्षक कुलदीप गणवीर लांजी द्वारा लिए गये। उक्त बीजों के सेम्पल जांच के लिए उच्च कार्यालय बालाघाट को भेजें गए।

प्रशिक्षण प्राप्त कर रही जनजाति संस्कार केन्द्र के आचार्य दीदियों को दिया मार्गदर्शन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सरस्वती शिशु मंदिर लांजी में महाकौशल वनांचल शिक्षा सेवा न्याय जबलपुर द्वारा संचालित एवं बालाघाट जिले में जिला संयोजक विजय रामटेककर के मार्गदर्शन में संचालित सरस्वती जनजाति संस्कार केंद्र का सात दिवसीय आचार्य शिक्षा वर्ग के पंचम दिवस 16 मई को प्रथम कालखंड में नगर संयोजक दुर्गा वाहिनी विश्व हिंदू परिषद प्रखंड एवं समाज सेविका श्रीमती मनीषा दुग्गढ़, कोटेश्वर ज्ञानपीठ समिति के पदाधिकारी व समाज सेवी योगेश रामटेक्कर, जिला दमोह के खंड संघ चालक वीरेंद्र सिंह ठाकुर, खंड लांजी के खंड कार्यवाह संतोष मोरघडे, सरस्वती शिशु मंदिर लांजी प्रचार प्रभारी सदरुलाल बोहने, जिला समन्वयक मंडला रवि परते, जिला समन्वयक बालाघाट नरेंद्र मरावी, वर्ग मुख्य शिक्षक अयोध्या जंघेला, संकुल समन्वयक नरेश जी, राकेश जी, श्रीमती कौशल्या दीदी एवं समस्त शिक्षार्थी आचार्य दीदी। सर्वप्रथम श्रीमती मनीषा दुग्गड एवं अतिथियों के द्वारा भारत माता, मां सरस्वती जी का पूजन कर दीप प्रज्वलित किया गया। श्रीमती मनीषा दीदी ने अपने उद्बोधन में नारी शक्ति पर विशेष जोर दिया गया एवं धर्मान्तरण के विषय पर अपने विचार रखें। समस्त अतिथियों के द्वारा विद्यालय को समय-समय पर मार्गदर्शन एवं सराहनीय सहयोग मिलते रहता है। कोटेश्वर ज्ञान पीठ के पदाधिकारी योगेश रामटेककर ने अपने उद्बोधन में कहा गया कि जनजाति संस्कार केन्द्र के आचार्य दीदिया यह केंद्र संचालित कर राष्ट्र हित में शिक्षा को मजबूत करने में पूर्ण रूप से समर्पित है, ये इनका बहुत बड़ा त्याग है? एवं शिशु मंदिर की शिक्षा राष्ट्र प्रेमी व संस्कारित व्यक्ति का निर्माण करती है। मै विद्या भारती के शिशु मंदिरों के सहयोग लिए पूर्ण रूप से समर्पित हु एवं रहूंगा जो मुझसे होगा जरूर सहयोग करूंगा। इनका पूर्ण सहयोग मिलता है, इन सब के लिए विद्या भारती परिवार अत्यंत आभारी है और रहेगा। मंच संचालन जिला समन्वयक नरेंद्र मरावी के द्वारा किया गया।

20 मई को होगा रोजगार मेले का आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। सूक्ष्म, लघु और मध्यम विभाग, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग द्वारा जिले में 20 मई को रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में विभिन्न कम्पनियों द्वारा विभिन्न पदों पर जिले के शिक्षित बेरोजगारों का चयन किया जाएगा। इसके लिए आवेदकों की शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, बीई, बीटेक, डिप्लोमा, पॉलीटेकनिक, आईटीआई होनी चाहिए। पात्र आवेदक की आयु सीमा 18 से 30 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। इस मेले से चयनित आवेदकों को संबंधित कम्पनियों के नियमानुसार मासिक वेतन, भत्ते और अन्य सुविधाएं प्रदान की जयंगी इसके साथ ही शासन द्वारा संचालित विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के तहत प्रकरण तैयार कराए जाएंगे और मार्गदर्शन दिया जाएगा। रोजगार मेले का आयोजन 20 मई को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक जिले के शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रांगण बूढ़ी में किया जाएगा। आवेदकों को अपनी शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, रोजगार पंजीयन कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो लेकर मेले में उपस्थित होना होगा।

पटवारी सुप्रिया जैन रिश्वत लेने के मामले में निलंबित

भोपाल। जिला प्रशासन ने सुप्रिया जैन को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़े जाने पर उन्हें निलंबित कर दिया है। लोकायुक्त संगठन ने ट्रैप की कार्रवाई की थी। जिसमें वह रंगे हाथों 10000 की रिश्वत लेते हुए पकड़ी गई थी। जिला प्रशासन द्वारा मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियमों के अंतर्गत उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। अब उन्हें जीवन निर्वाह भत्ता भर मिलने की पात्रता होगी।

अब 25 मई तक होंगे शिक्षकों के तबादले

भोपाल। लोक शिक्षण संचानालय ने स्कूल शिक्षा विभाग की घोषित तबादला नीति अनुसार तबादलों के लिए आवेदन की समय सीमा में बढ़ोत्तरी कर दी है । इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने निर्देश जारी कर दिए हैं। जिसके तहत स्वैच्छिक तबादले के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि 16 मई से बढ़ाकर 21 मई और ऑनलाइन स्थानांतरण आदेश जारी करने की तिथि 20 मई से बढ़ाकर 25 मई कर दी है।

सीईपीआई कर रही शत्रु सम्पत्ति की जांच

भोपाल। भोपाल के तत्कालीन नवाब हमीदुल्ला खां की सम्पत्तियों में पाकिस्तानी नागरिक श्रीमती आबिदा बेगम एवं श्रीमती आफताब जहां बेगम की विरासत / हस्तांतरित हुई हिस्सेदारी संपत्तियों को 'शत्रु सम्पत्ति' घोषित किया गया है। इनके साथ ही प्रदेश के समस्त जिलों में शत्रु संपत्तियों का निरीक्षण करने के लिए सीईपीआई कार्यालय द्वारा एक सर्वेक्षण किया जा रहा है। जिसके लिए एक सर्वेक्षक को नियुक्त किया गया है। यह जानकारी भारत सरकार द्वारा अमिताभ अग्निहोत्री को लिखित पत्र में सूचित किया कि -भोपाल के तत्कालीन नवाब हमीदुल्ला खां की सम्पत्तियों में पाकिस्तानी नागरिक श्रीमती आबिदा बेगम एवं श्रीमती आफताब जहां बेगम की विरासत / हस्तांतरित हुई हिस्सेदारी संपत्तियों को 'शत्रु सम्पत्ति' घोषित किया गया है।

पत्र में सूचित किया गया कि - मध्यप्रदेश के जिलों में शत्रु सम्पत्तियों का निरीक्षण करने के लिए सीईपीआई कार्यालय द्वारा एक सर्वेक्षक को नियुक्त किया गया है। वर्तमान में भोपाल सहित सभी जिलों में ऐसी सम्पत्तियों का पता लगाने के लिए संयुक्त निरीक्षण चल रहा है। क्रिएशन एंड प्रोजेक्शन डॉटकॉम, भोपाल के संचालक एवं समाजसेवी अमिताभ अग्निहोत्री ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार की ओर से ये जानकारी उन्हें दी गई। दरअसल श्री अग्निहोत्री द्वारा प्रधानमंत्री एवं भारत सरकार के गृहमंत्री, कस्टोडियन कार्यालय मुंबई, कस्टोडियन कार्यालय नई दिल्ली, मप्र शासन के मुख्य सचिव एवं कलेक्टर, भोपाल को साक्ष्य एवं सुझाव सहित ज्ञापन दिया था। जिसके जवाब में भारत सरकार ने ये जानकारी उन्हें प्रेषित की। श्री अग्निहोत्री ने भारत सरकार को दिए ज्ञापन में जानकारियां मांगने के साथ ही 22 बिन्दुओं पर विस्तार से सुझाव भी प्रस्तुत किए थे। जिनके माध्यम से उन्होंने भोपाल रियासत के भारतवर्ष में 30 अप्रैल, 1949 को विलय के 'मर्जर एग्रीमेंट' में भी मूल प्रति की नवाब भोपाल परिवार से मांग की थी। इस 'मर्जर एग्रीमेंट' की मूल प्रति के आधार पर नवाब भोपाल परिवार की चल-अचल सम्पत्तियों का निर्धारण हो, फोटोकॉपी अथवा सत्यापन की प्रति से नहीं। यदि नवाब परिवार 'मर्जर एग्रीमेंट' की मूल प्रति प्रस्तुत नहीं करें, तो उसकी चल-अचल संपत्ति राजसात की जावे। इसके साथ ही उन्होंने आबिदा सुल्तान, आफताब जहां बेगम की सम्पत्तियों को शत्रु सम्पत्ति घोषित किए जाने की मांग की थी। साथ ही भोपाल रियासत की मर्जर सम्पत्तियों, शत्रु सम्पत्तियों और जागीरदारी के अंतर्गत आने वाली सम्पत्तियों की ईमानदार और निष्पक्ष अधिकारियों से जांच कराई जाए।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

कांग्रेस विधायकों का राजभवन के बाहर धरना

उमंग सिंघार ने की मंत्री विजय शाह को बर्खास्त करने की मांग, काले कपड़े पहनकर की नारेबाजी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

भोपाल। कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित और आपत्तिजनक बयान देने पर मंत्री विजय शाह के खिलाफ देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहा है। कांग्रेस उनके बयान के बाद से लगातार हमलावार है, और इस्तीफे की मांग कर रही है। वहीं शुक्रवार को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक का प्रतिनिधिमंडल राज भवन पहुंचा। यहां मंत्री को बर्खास्त करने की मांग को लेकर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा गया। वहीं राजभवन के बाहर कांग्रेस विधायकों ने काले कपड़े पहनकर मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

सिंघार ने कहा कि हाईकोर्ट ने अपनी सुनवाई में भी विजय शाह के इस बयान को अपमान जनक भाषा की संज्ञा दी। कांग्रेस सहित पूरे देश की आज यही मांग है कि सरकार मंत्री विजय शाह के इस बयान पर कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें बर्खास्त करे। आज भोपाल के राजभवन में कांग्रेस विधायक दल के साथ महामहिम राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल जी से भेंट कर मंत्री विजय शाह के खिलाफ कड़ी कार्रवाई एवं बर्खास्त हेतु ज्ञापन सौंपा।

हर एक बेटी का अपमान

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह का शर्मनाक और आपत्तिजनक बयान न सिर्फ़ मेजर सोफिया कुरैशी का, बल्कि हर उस बेटी का अपमान है, जो देश के लिए वर्दी पहनती है। हम यह साफ़ कर देना चाहते हैं विजय शाह का बयान सिर्फ़ निंदनीय नहीं, बल्कि भाजपा सरकार की विकृत मानसिकता का घिनौना उदाहरण है जिसके लिए भाजपा सरकार को गहन चिंतन करने की जरूरत है। इधर राज भवन के बाहर धरना दे रहे कांग्रेस विधायकों को पुलिस ने जबरन उठा लिया। कई विधायकों के हाथ-पैर पडक़र पुलिस ने बस में भरा और सारे विधायकों को गिरफ्तार कर ले गई। इसमें नेता प्रतिपक्ष उमंग, पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह, सचिन यादव, रामकिशोर दोगने समेत कई कार्यकर्ता शामिल है।

नगर निगम को आदमपुर खंती में आग पर फटकार

भोपाल। भोपाल की आदमपुर कचरा खंती में अप्रैल में लगी भीषण आग को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने नगर निगम को फटकार लगाई है। वहीं, इस घटना की जांच सीपीसीबी (सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड) से मांगी गई है। 6 सप्ताह बाद यानी, 25 जुलाई को इस केस की सुनवाई होगी। मामला नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) से जुड़ा है। भोपाल के पर्यावरणविद् डॉ. सुभाष सी. पांडे ने आदमपुर खंती में आग लगने की घटनाओं को लेकर एनजीटी में मार्च 2023 में याचिका दाखिल की थी। इस पर 31 जुलाई-23 को नगर निगम पर 1 करोड़ 80 लाख रुपए का जुर्माना लगाया था। एनजीटी के इस आदेश के खिलाफ निगम ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। जिस पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। इसमें निगम की ओर से जुर्माने की राशि माफ किए जाने की मांग रखी गई। दूसरी ओर, पर्यावरणविद् डॉ. पांडे की ओर से अभिभाषक हर्षवर्धन पांडे ने पक्ष रखा।

वकील ने तर्क रखा- आग अभी भी लग रही है

पर्यावरणविद् डॉ. पांडे ने बताया, सुनवाई के दौरान अभिभाषक पांडे ने कोर्ट में तस्वीरें दिखाते हुए कहा कि जिस बात के लिए निगम ने याचिका दाखिल की है, वह तो अभी भी लग रही है। पांडे ने 22 अप्रैल को आदमपुर खंती में लगी भीषण आग का उल्लेख भी किया। यह आग कई दिन में बुझी। धुआं कई किलोमीटर दूर से भी दिखाई दिया।

अर्जेंट सुनवाई में कोर्ट ने आदेश दिया

डॉ. पांडे ने बताया कि 22 अप्रैल को लगी आग को लेकर मैंने सुप्रीम कोर्ट में फिर से याचिका दाखिल की थी। जिस पर अर्जेंट सुनवाई की गई। इसमें बताया कि यह आग 15 दिन तक लगी रही। इस कारण आसपास के कई गांव के लोग प्रभावित हुए। आज आदेश में कोर्ट ने कहा कि नगर निगम सॉलिड वेस्ट का पालन नहीं कर रहे हैं। यदि नियमों का पालन करते तो कचरे का इतना बड़ा पहाड़ नहीं लगता। कचरे के ढेर अलग-अलग होने चाहिए थे। यदि ऐसा होता तो इतनी भीषण आग नहीं लगती।

खंती के आसपास ग्रीन बेल्ट नहीं

पांडे ने बताया, सुप्रीम कोर्ट की बैंच के सामने वकील पांडे ने स्ट्रॉन्ग तरीके से अपना पक्ष रखा। जिसमें कचरा खंती के आसपास ग्रीन बेल्ट नहीं होने की बात भी कहीं गई। इसलिए सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड को शामिल करके जांच करवाई जाए। इस पर बैंच ने बोर्ड को जांच करने के आदेश दिए। साथ ही आग कैसे लगी? इसके बारे में भी बताया। 6 सप्ताह में सीपीसीबी जांच करके रिपोर्ट देगा। पहले निगम ने 11 अगस्त को सुनवाई करने की बात कही थी, लेकिन कोर्ट ने यह नहीं माना। निगम को आदेश दिया कि मौके पर जाकर आसपास के गांवों के लोगों की स्वास्थ्य जांच करवाएं। ताकि, पता चल सके कि सेहत को लेकर क्या-क्या परेशानी है? और उन्हें किस प्रकार से ठीक कराया जा सकता है।

भोपाल-इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजन को कैबिनेट बैठक में मिल सकती है मंजूरी

भोपाल। राजवाड़ा में आयोजित होने वाली कैबिनेट बैठक की तैयारी जहां जोर-शोर से चल रही है, तो दूसरी तरफ नगरीय प्रशासन और विकास विभाग के साथ नगर तथा ग्राम निवेश इंदौर-भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन केड्राफ्ट को तैयार करने में जुटे हैं और यह भी चर्चा है कि इंदौर में आयोजित होने वाली कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष इस ड्रॉफ्ट का प्रजेंटेशन दिया जाएगा और उसी के साथ उसे मंजूरी भी मिल सकती है, क्योंकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा है कि मेट्रोपॉलिटन रीजन पर जल्द से जल्द अमल हो सके। दोनों मेट्रोपॉलिटन रीजन में 5-5 जिलों को शामिल किया गया है और इसके लिए कई राज्यों का अध्ययन भी अधिकारियों ने किया। महाराष्ट्र, हरियाणा, तेलंगाना, दिल्ली के मेट्रोपॉलिटन एक्ट को भी देखा-समझा जा रहा है, साथ ही जो मेट्रोपॉलिटन रीजन पहली बार प्रदेश में अमल में लाया जाएगा, उसमें अथॉरिटी के अध्यक्ष तो मुख्यमंत्री ही रहेंगे, वहीं अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारी आला अधिकारी को सौंपी जाएगी, ताकि सभी विभागों में सामंजस्य आसानी से हो सके। इंदौर रीजन में सम्पूर्ण जिले को तो शामिल किया ही है, वहीं देवास, उज्जैन, धार और शाजापुर को भी लिया गया है। पिछले दिनों प्राधिकरण बोर्ड ने मेट्रोपॉलिटन रीजन को लेकर तैयार प्रतिवेदन शासन को भेज दिया था। हालांकि इसमें अभी क्षेत्रफल में थोड़ा और परिवर्तन किया गया है और अब रीजन का क्षेत्रफल 9989.69 वर्ग किलोमीटर हो गया है, जिसमें उज्जैन का कुछ एरिया कम किया गया, तो देवास, धार का थोड़ा एरिया बढ़ाया गया, वहीं शाजापुर के एरिया में भी मामूली कमी की गई है। अभी तक तीन मर्तबा एरिया में संशोधन किया जा चुका है।

अब कभी भी छुट्टी ले सकेंगे अधिकारी कर्मचारी

एक हफ्ते पहले भारत पाक जंग की आशंका के चलते 13 विभागों में अवकाश पर लगी थी रोक

भोपाल। प्रदेश के 13 विभागों के अधिकारी कर्मचारी अब अपनी सुविधा के मुताबिक कभी भी अवकाश ले सकेंगे। राज्य शासन ने एक हफ्ते पहले भारत पाकिस्तान जंग की आशंका के चलते इन विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों की सेवाएं अनिवार्य मानते हुए अवकाश पर रोक लगा दी थी। सामान्य प्रशासन विभाग ने आज जारी आदेश में यह प्रतिबंध हटा दिया है।

सामान्य प्रशासन विभाग ने 9 मई को 13 विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के अवकाश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी थी। भारत-पाक जंग की आशंका के मद्देनजर जारी आदेश में कहा गया था कि शासकीय सेवक अपने मुख्यालय पर अनिवार्य रूप से मौजूद रहेंगे। विषम परिस्थितियों में खुद या परिवार में विवाह की स्थिति या प्रसूति और संतान पालन, गंभीर बीमारी,

दुर्घटना, स्वयं के परिवार में घटित अप्रत्याशित घटना आदि मामलों में जिला स्तर पर कलेक्टर और राज्य स्तर पर विभाग के सचिव द्वारा छुट्ट ?टी मंजूर कराने और अनुमति के बाद ही अवकाश लिए जा सकेंगे। इन विभागों के शासकीय सेवकों को अति आवश्यक स्थिति होने पर ही अवकाश दिए जाएंगे।

इन विभागों में छुट्टी पर लगी थीं रोक

जिन विभागों के अवकाश पर रोक लगाई गई थी उसमें लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग, गृह विभाग, ऊर्जा विभाग, नगरीय विकास और आवास विभाग, पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग शामिल थे। इसके साथ ही खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग, लोक निर्माण विभाग, राजस्व विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, जल संसाधन विभाग, नर्मदा घाटी विकास विभाग, परिवहन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों के अवकाश पर रोक लगाई गई थी।

उच्च शिक्षा विभाग में प्रोफेसर और फैकल्टी की भारी कमी

- सरकारी कॉलेजों में 6289 पद खाली, बड़े शैक्षणिक हब की स्थिति भी खराब

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में प्रोफेसरों की भारी कमी है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, मध्य प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में 69 विषयों के कुल 6,289 पद खाली हैं। ये सभी पद राजपत्रित शैक्षणिक संवर्ग के अंतर्गत आते हैं। प्रदेश में सबसे ज्यादा पद इंग्लिश विषय में खाली है। इनकी संख्या 458 है। कॉमर्स (440 पद) और इकोनॉमिक्स (387 पद) रिक्त है।

प्रदेश में रीवा जिला सबसे ऊपर है। यहां 196 पद खाली हैं, सागर (193 पद), छतरपुर (190 पद) का स्थान, टॉप 10 जिलों में उज्जैन, सीधी, सिंगरौली, सीहोर, सतना, मुरैना और शिवपुरी भी शामिल है। वहीं राजधानी भोपाल सहित इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर जैसे बड़े शैक्षणिक हब की स्थिति भी कोई बेहतर नहीं है। भोपाल में 102 पद खाली है।

सरकार को उठाना होगा कदम

यदि समय रहते इन पदों पर नियुक्ति नहीं हुई, तो आने वाले शैक्षणिक सत्र में लाखों छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होगी। विषय विशेषज्ञों की कमी से शिक्षा में गिरावट तो आएगी ही, शोध और नवाचार जैसे पहलू भी पीछे छूटेंगे। प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों को शिक्षकों की भारी जरूरत है। 6,289 पदों की यह रिक्तता केवल संख्या नहीं, बल्कि शिक्षा की सेहत का संकेत है। अब देखना है कि सरकार इस दिशा में कितनी तेजी से कदम उठाती है।

संजीव कुमार झा नए मुख्य निर्वाचन अधिकारी

भोपाल। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी संजीव कुमार झा को मध्य प्रदेश का नया मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बनाया गया है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने उनका नियुक्ति पत्र भेजा है। मध्य प्रदेश सरकार पहले ही सहमति दे चुकी थी। झा अभी रिवेन्यू बोर्ड के सदस्य के रूप में ग्वालियर में पदस्थ थे। वर्तमान में पदस्थ 1997 बैच के आईएएस अधिकारी सुखबीर सिंह अब मध्य प्रदेश शासन की सेवा में वापस होंगे। सुखवीर सिंह पिछले 8 माह से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी का काम देख रहे थे।

पहली बार होगी सहकारी समितियों की प्रदर्शन के आधार पर ग्रेडिंग

भोपाल। प्रदेश में पहली बार सहकारी समितियों की प्रदर्शन के आधार पर ग्रेडिंग होगी। इसके लिए समितियों की वित्तीय स्थिति, प्रबंधन की पारदर्शिता, सेवाओं की गुणवत्ता, लाभांश वितरण और सदस्यों को दी जा रही सुविधाओं को आधार बनाया जाएगा। इससे समितियों की कार्यप्रणाली, पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन, सदस्य संतुष्टि और नवाचार की क्षमताओं का मूल्यांकन होगा। प्रदेश में 4500 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां हैं, जिनसे 58 लाख से अधिक किसान व अन्य सदस्य जुड़े हैं।

घाटे में होने के कारण किसानों को खाद देने के लिए राज्य सहकारी विपणन संघ (मार्कफेड) से साख पर खाद नहीं मिलती और फिर सरकार को मजबूरी में नकद वितरण की व्यवस्था बनानी पड़ती है। यही स्थिति उपार्जन और खाद्यान्न वितरण को लेकर भी बनती है। इसे देखते हुए सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने निर्देश दिए हैं कि सभी समितियों की ग्रेडिंग की जाए। यह प्रदर्शन पर आधारित होगी। इसमें अन्य मानकों के साथ यह भी देखा जाएगा कि सदस्य संतुष्ट हैं या नहीं। समिति ने अब तक क्या-क्या नवाचार किए हैं। इसके आधार पर समितियों की ग्रेडिंग होगी और आगे की कार्ययोजना बनाई जाएगी ताकि कमजोर समितियों की स्थिति को सुधारा जा सके और नवाचार करके रोजगार के नए अवसर भी बनाए जा सकें।

प्लेसमेंट लेना नहीं रोजगार देने का सोचे

- आरजीपीवी कॉलेज का 12वां दीक्षांत समारोह, राज्यपाल मंगुभाई पटेल बोलें

भोपाल। भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में शुक्रवार को राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का 12वां दीक्षांत समारोह हुआ। इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने की। साथ ही कार्यक्रम में नीति आयोग के सदस्य डॉ. विजय कुमार सारस्वत,तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार और कुलपति प्रोफेसर राजीव त्रिपाठी की भी उपस्थिति रही। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के तीन शैक्षणिक सत्रों - 2020, 2021 और 2022 में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 205 विद्यार्थियों को पदक और प्रशस्ति पत्र दिए गए। साथ ही जनवरी 2020 से दिसंबर 2023 के मध्य पीएचडी पूर्ण कर चुके 157 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। ये शोध विज्ञान, इंजीनियरिंग, तकनीकी एवं प्रबंधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में किए गए हैं। यह विश्वविद्यालय की अकादमिक गुणवत्ता और शोध क्षेत्र में उपलब्धियों को दर्शाता है।

रोजगार देने वाला बनने की दी सलाह

इस दौरान राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने समारोह को संबोधित करते हुए सभी विद्यार्थियों और पदक विजेताओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, यह सफलता केवल आपकी नहीं, बल्कि आपके माता-पिता की भी है। जब विद्यार्थी मंच पर पदक लेने आते हैं, तो वह उनके लिए गौरव का क्षण होता है — उन्हें लगता है कि उन्होंने कुछ कर दिखाया है।

4700 अतिथि विद्वानों का भविष्य अधर में, सेवाएं खत्म

- सरकार ने नहीं निभाया वादा, जून में आंदोलन की चेतावनी दी

भोपाल। प्रदेश के महाविद्यालयों में शैक्षणिक सेवाएं दे रहे 4700 अतिथि विद्वानों की सेवाएं खत्म करने का सिलसिला शुरू हो गया है। तबादलों की कार्यवाही के बीच महाविद्यालयों के प्राचार्यों द्वारा अतिथि विद्वानों की सेवाएं खत्म की जा रही हैं। ऐसे में एक बार फिर अतिथि विद्वानों के रोजगार पर संकट खड़ा हो गया है। इसे देखते हुए जून में अतिथि विद्वानों द्वारा आंदोलन करने का फैसला किया गया है। अतिथि विद्वान नियमितिकरण संघर्ष मोर्चा ने कहा है कि भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री ने अतिथि विद्वानों को न हटाने की घोषणा की थी, जिसे उच्च शिक्षा विभाग नहीं मान रहा है।

अतिथि विद्वान नियमितिकरण संघर्ष मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुरजीत सिंह भदौरिया ने बताया कि 11 सितंबर 2023 विधानसभा चुनाव के पूर्व महापंचायत में अतिथि विद्वानों से किए गए वादे, घोषणाएं अभी तक पूरे नहीं किए गए हैं। उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा अधीन प्रदेश के अलग-अलग कॉलेज में पढ़ाते हुए अतिथि विद्वानों को 20 से 25 साल हो चुके हैं, ये सभी पीएचडी, नेट, स्लेट की योग्यताएं रखते हैं और इनकी उम्र भी 45 से 55 साल तक की हो चुकी है। हर बार सरकार के द्वारा चुनाव आने पर घोषणाएं की जाती हैं कि अतिथि विद्वानों को नियमित किया जाएगा, भविष्य सुरक्षित किया जाएगा और चुनाव खत्म होने के बाद कोई भी सुनवाई नहीं होती है। भदौरिया ने कहा कि 11 सितम्बर 2023 को अतिथि विद्वानों के हित में जब पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषणाएं की थी तो उच्च शिक्षा मंत्री डॉ मोहन यादव भी उस कार्यक्रम में शामिल थे, जो आज मुख्यमंत्री हैं।

तब यह ऐलान किया गया था कि अतिथि विद्वानों को 1500 कार्य दिवस मानदेय की जगह फिक्स वेतन 50000 दिया जाएगा। अतिथि विद्वानों के पद भरे हुए माने जाएंगे उनको नौकरी से बाहर फॉलन आउट नहीं किया जाएगा। अतिथि विद्वानों को शासकीय सेवकों की तरह सभी सुविधाएं दी जाएंगी। फॉलन आउट अतिथि विद्वानों को सेवा में वापस लिया जाएगा।

अतिथि विद्वानों का कहना है कि अभी तबादले होने वाले हैं और जिन कॉलेज में प्रोफेसर की पोस्टिंग हो जाएगी। वहां काम करने वाले अतिथि विद्वानों को फिर मौका नहीं मिलेगा। इसके अलावा पीएससी से भी नियुक्तियां होने वाली हैं। इससे भी पद भरेंगे और जिन अतिथि विद्वानों को हटाया जा रहा है, उनके यहां पद भरने के बाद उन्हें सेवा में नहीं लिया जाएगा। अतिथि विद्वान संघ का कहना है कि भाजपा शासित हरियाणा में अतिथि विद्वानों को नहीं हटाने का फैसला किया गया है और सरकार ने उनकी सेवाएं सुरक्षित कर यूजीसी वेतनमान भी दिया है।

पद से अलग कर रहे काम तो बतानी होगी वजह

- जिला और संभागीय विभाग अधिकारी बताएंगे, पद के अनुरूप कौन-कौन काम नहीं कर रहे

भोपाल। प्रदेश में विभिन्न विभागों के पद के विरुद्ध काम करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों की जानकारी सरकार जुटा रही है। इसके लिए विभागों की ओर से जिला और संभागीय कार्यालयों से ब्यौरा देने के लिए कहा गया है। इनसे कहा गया है कि कौन से अधिकारी, कर्मचारी किस विभाग में अपने पद के अनुरूप काम नहीं कर रहे हैं और कितने समय से काम कर रहे हैं। इसकी जानकारी देंगे। इसके साथ ही कर्मचारियों को पद के मुताबिक काम नहीं सौंपने की वजह भी बताने के लिए कहा गया है।

शासन ने खासतौर पर तृतीय श्रेणी कैडर में आने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के बारे में यह जानकारी देने के लिए कहा है। जिला और संभाग के अफसरों को दिए निर्देश में जो जानकारी भेजना जरूरी है उसमें कार्यालय का नाम बताने के साथ उस दफ्तर के बारे में यह जानकारी देना होगा कि जानकारी संभाग, उपसंभाग, मंडल, अनुविभाग, जिला या विकासखंड किस स्तर के दफ्तर के बारे में दी जा रही है। इसके साथ ही ऐसे कर्मचारी का नाम और पद तथा पदस्थापना बताना होगा जो अपने पद के अनुरूप काम नहीं कर रहा है। विभाग के अधिकारी को यह जिम्मेदारी भी सौंपी गई है कि वह यह बताए कि जो कर्मचारी अधिकारी अपने पद के मुताबिक काम नहीं कर रहा है उसे वर्तमान मे कौन सा काम सौंपा गया है जो उसके द्वारा किया जा रहा है।

अटैचमेंट खत्म करने की जा रही है व्यवस्था

विभागों में अटैचमेंट के जरिए मूल पद के विपरीत काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को लेकर अक्सर शिकायतें आती हैं। ऐसे में अटैचमेंट खत्म कर कर्मचारियों और अधिकारियों से पद के अनुरूप काम कराने को लेकर सरकार जब तब निर्देश भी जारी करती है। इसी तारतम्य में अब विभागों ने यह जानकारी मांगना शुरू किया है। कुछ विभागों ने तो इसके लिए बाकायदा फार्मेट भी जारी कर उसी के आधार पर ब्यौरा भेजने के लिए कहा है।

कागज खरीदी में करोड़ों का खेल

- फर्जीवाड़े का पाठ्यपुस्तक निगम

भोपाल। मप्र में हर साल पाठ्यपुस्तक निगम स्कूलों के लिए किताबों को छपवाता है। इन किताबों को छपवाने के लिए निगम कागजों की खरीदी विभिन्न पेपर मिलों से करता है। कागजों की खरीदी में बड़े स्तर पर फर्जीवाड़ा सामने आया है। जब इसकी पड़ताल की गई तो यह पता चला है कि कागजों की खरीदी में यह फर्जीवाड़ा हर साल किया जाता है, जिससे सरकार को करोड़ों रुपए की चपत लग रही है।

गौरतलब है कि पाठ्यपुस्तक निगम में हर साल तरह-तरह के फर्जीवाड़े सामने आते रहते हैं। इस बार भी प्रदेश की स्कूल शिक्षा विभाग की किताबों की छपाई के लिए पाठ्यपुस्तक निगम का पेपर मिल से कागज खरीदी में अनियमितता सामने आई है। निगम पेपर मिल से कम कागज लेकर उसका ज्यादा भुगतान करता है। यह खेल सालों से चला आ रहा है।

अधिकारियों की मिलीभगत से खेल

जानकारों का कहना है कि पाठ्यपुस्तक निगम में फर्जीवाड़े का पूरा खेल अधिकारियों की मिलीभगत से हो रहा है। गौरतलब है कि मप्र सरकार सरकारी स्कूलों में पहली से बारहवीं तक के बच्चों को निश्शुल्क किताबें उपलब्ध कराती है। किताबों के लिए कागज खरीदी व प्रिटिंग का जिम्मा पाठ्यपुस्तक निगम के पास है। पाठ्यपुस्तक निगम हर साल करीब साढ़े छह करोड़ किताबें छापता है। इन किताबों की छपाई के लिए पेपर मिल से कागज खरीदे जाते है। इसमें शाह पेपर मिल, सेतिया पेपर मिल, सिल्वरटन पेपर मिल, अमृत पेपर मिल व खन्ना पेपर मिल के नाम शामिल है। इन पेपर मिलों द्वारा पाठ्यपुस्तक को जितना कागज भेजा जाता, उतने का बिल न बनाकर ज्यादा का बनाया जाता है। पाठ्यपुस्तक निगम भी बिना किसी आपत्ति के उसका भुगतान कर देता है। यह खेल अधिकारियों की मिलीभगत के बिना संभव नहीं है।

एक दशक से अधिक समय से चल रहा खेल

पाठ्यपुस्तक निगम में यह खेल लगभग दस साल के अधिक समय से चल रहा है। यानि निगम करीब एक करोड़ रुपए का बिना पेपर लिए ही पेपर मिल को भुगतान कर चुका है। जबकि निगम में पेपर विशेषज्ञ के तौर पर संविदा महाप्रबंधक संजीव कुमार त्यागी की नियुक्ति है। निगम में पेपर मिल से खरीदी का जो खेल चल रहा है उसे इस तरह समझा जा सकता है। कागज खरीदी में एक शीट का एरिया 58.56×80 = 4914 वर्ग सेंटीमीटर अर्थात 0.4914 वर्ग मीटर होता है। कागज में जीएसएम का अर्थ ग्राम पर स्कायर मीटर यानि एक 1 वर्ग मीटर का वजन 80 ग्राम है। शीट का वजन 0.4914×80 = 39.312 ग्राम अर्थात एक शीट का वजन लगभग 39.31 ग्राम होगा। अब अगर 1 रिम में 500 शीट होती हैं तो 500×39.312 = 19656 ग्राम या 19.656 किलो है। अर्थात एक रिम का वजन लभग 19.65 किलो होगा। यही वास्तविक वजन है। जबकि पेपर मिल के द्वारा 3 रीम के बॉक्स का वजन 59.1 मानते हुए एक रीम का वजन 19.7 माना है। इसी वजन के अनुसार पेपर का बिल निगम में लगाया जाता है। जबकि वास्तविक में पेपर का वजन 19.65 था। अर्थात 50 ग्राम पेपर का अधिक भुगतान पेपर मिल के द्वारा मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम से लिया जाता है। इस प्रकार निगम द्वारा लगभग 4500 टन पेपर लेने पर पेपर मिल के द्वारा लगभग 11.50 टन अधिक पेपर का भुगतान पेपर मिल को किया जाता है। जोकि पेपर वास्तव में निगम को मिला नहीं है। इस प्रकार नहीं दिए गए पेपर की वास्तविक राशि देखी जाए, तो लगभग साढ़े दस लाख से 11 लाख रुपए होती है। निगम द्वारा बिना पेपर लिए ही पेपर मिल को लगभग 11 लाख रुपए का अधिक भुगतान किया जाता है।

आज केकेआर को हराकर प्लेऑफ में पहुंचने उतरेगी आरसीबी

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले शनिवार से फिर शुरु हो रहे है। इसमें पहले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के बीच टक्कर होगी। इस मैच में आरसीबी जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है क्योंकि उसका प्रदर्शन इस सत्र में काफी अच्छा रहा है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज लय में हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। आरसीबी 11 मैचों में 16 अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है और इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेगी। वहीं दूसरी ओर गत विजेता केकेआर के 12 मैचों में 11 अंक हैं और वह छठे स्थान पर है और ऐसे में अगर ये मुकाबला वह हारती है या बारिश के कारण ये रद्द होता है तो वह प्लेऑफ से बाहर हो जाएगी।

आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली पर भी इस मैच में सभी की नजरें रहेंगी। विराट ने इसी सप्ताह टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। विराट ने 9 मई को इस सत्र के स्थगित होने से पहले काफी अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 500 से अधिक रन बनाये हैं और वह ऑरेंज कैप के प्रबल दावेदार हैं। ऐसे में प्रशंसक चाहेंगे कि वह इस मैच में भी अच्छी बल्लेबाजी करें। केकेआर की टीम लगातार दो जीत के साथ इस मैच में उतरेगी। ऐसे में उसका लक्ष्य इस सिलसिले को बनाये रखना होगा। दोनों टीमों पर नजर डालें तो आरसीबी के जीतने की अधिक संभावना है। इस मैच के पहले कप्तान रजत पाटीदार के फिट होने से आरसीबी प्रबंधन ने राहत की सांस ली है।

आरसीबी के अधिकतर विदेशी खिलाड़ी भी उससे जुड़ गये हैं। फिल साल्ट, लुंगी एनगिडी, टिम डेविड, लियाम लिविंगस्टन और रोमारियो शेफर्ड जैसे खिलाड़ी टीम के लिए उपलब्ध हैं हालांकि। देवदत्त पडिक्कल और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के चोटिल होने के कारण बाहर होने से उसे झटका लगा है।

आरसीबी ने पडिक्कल की जगह मयंक अग्रवाल को शामिल किया है। वहीं मैच में हालांकि सबकी नजरें कोहली पर होंगी। स्टेडियम में भी दर्शक उन्हें खेलते हुए देखना चाहेंगे। ऐसे में इस मैच में विराट के प्रशंसक आरसीबी की जगह टेस्ट की सफेद जर्सी में नजर आयेंगे। दूसरी ओर केकेआर की राह बेहद कठिन है। कप्तान आजिंक्य रहाणे की टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी में कमजोर नजर आयी है। कप्तान रहाणे और अंगकृष रघुवंशी के अलावा को भी बल्लेबाज सत्र में लगातार रन नहीं बना पाया है। टीम के लिए ये मैच इस पार या उस पार वाला है इसलिए, उसके सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह अब तक विफल रहें हैं और अब इन्हें इस मैच में रन बनाने होंगे। टीम को मोईन अली की कमी खलेगी। मोईन बीमार होने के कारण लीग से बाहर हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं।

आरसीबी : फिल साल्ट, विराट कोहली, रजत पाटीदार (कप्तान), मयंक अग्रवाल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, जोश हेजलवुड, यश दयाल, रसिख दार सलाम, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, स्वप्निल सिंह, लियाम लिविंगस्टोन, नुवान तुषारा, लुंगी एनगिडी, मोहित राठी, स्वास्तिक चिकारा, अभिनंदन सिंह।

केकेआर:- अजिंक्य रहाणे (कप्तान), मनीष पांडे, अंगकृष रघुवंशी, रिंकू सिंह, लवनिथ सिसोदिया, क्विंटन डिकॉक, रहमानुल्लाह गुरबाज, सुनील नारायण, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, वेंकटेश अय्यर, वरुण चक्रवर्ती, हर्षित राणा, वैभव अरोड़ा, मयंक मारकंडे, उमरान मलिक, एनरिक नॉर्किया, स्पेंसर जॉनसन।

जैक्स की जगह बेयरस्टो को शामिल करेगी मुम्बई

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले 17 मई से फिर शुरु होने जा रहे हैं। इसमें कई खिलाड़ी अपने व्यस्त कार्यक्रम के चलते बाहर हो गये हैं। ऐसे में सभी टीमें में बदलाव भी दिखेगा। इसी के तहत ही मुम्बई इंडियंस बचे हुए सत्र के लिए इंग्लैंड के विल जैक्स की जगह जॉनी बेयरस्टो को शामिल करने जा रही है। जैक्स को मुम्बई ने नीलामी में 5.25 करोड़ रुपये में साइन किया था पर वह आवश्यक कार्य से इसके मुकाबलों से बाहर हो गये हैं।

ऐसे में मुंबई की टीम बेयरस्टो को शामिल करने के प्रयास कर रही है। बेयरस्टो ने पहले भी आईपीएल में खेला है। वह सनराइजर्स हैदराबाद और फिर पंजाब किंग्स में शामिल रहे हैं। अब वह आईपीएल 2025 के अंतिम चरण के लिए मुंबई इंडियंस में जैक्स की जगह लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। आईपीएल में अब तक बेयरस्टो ने कुल 50 मैच खेलते हुए दो शतकों और नौ अर्द्धशतकों की सहायता से 1589 रन बनाये हैं। अगर मुंबई इंडियंस उन्हें शामिल करती है तो वह पारी की शुरुआत करते हुए या नंबर 3 बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे। मुंबई इंडियंस को लीग में अपना पहला मैच 21 मई को दिल्ली कैपिटल्स से खेलना है।

इस बार आरसीबी जीतेगी आईपीएल 2025 का खिताब - कैफ

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि इस बार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम आईपीएल खिताब जीतेगी। कैफ का मानना है कि इस बार आरसीबी का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। ऐसे में टीम के पास अपना पहला खिताब जीतने का सुनहरा अवसर है। आरसीबी के सभी खिलाड़ियों विशेषकर स्टार खिलाड़ी विराट कोहली का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है जिसका लाभ भी टीम को मिलेगा। इस सत्र में शुरुआत से ही आरसीबी ने जीत का सिलसिला बनाये रखा है जिससे वह 16 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है और प्ले ऑफ में अपनी जगह पक्की करने से एक जीत दूर है। कोहली वर्तमान में 505 रनों के साथ इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में शामिल हैं। कैफ ने कहा कि, अगर हम एक टीम के तौर पर आरसीबी की बात करें तो वे बेहतरीन रहे हैं। मैं टीम शब्द पर जोर दे रहा हूं क्योंकि वे हमेशा से बल्लेबाजी से भारी रहे हैं। इस बार कप्तान रजत पाटीदार ने अपने गेंदबाजों का इस्तेमाल बेहतरीन तरीके से किया है। इससे टीम 170-180 के स्कोर का भी बचाव करने में सफल रही है। कोहली ने वही करना जारी रखा है जो वह सबसे अच्छा करते हैं। आईपीएल के दौरान उनका बल्ला कभी खामोश नहीं रहता है लेकिन गेंदबाजों ने उन्हें ये विश्वास दिलाया है कि वे जीत सकते हैं।

विराट ने मेरा हौंसला बढ़ाया, बोले कप्तानी तुम्हें योग्यता से मिली - रजत पाटीदार

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने कहा है कि जब उन्हें कप्तान बनाया गया था तब समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहा जाये। ऐसे में पूर्व कप्तान विराट कोहली ने उनका हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि तुमने अपनी योग्यता से इसे हासिल किया है। जिसके बाद से ही उनका उनका मनोबल बढ़ा है। पाटीदार ने 2022 आईपीएल मेगा नीलामी में नहीं खरीदे जाने से लेकर एक ऐसी फ्रेंचाइजी का कप्तान बनने की अपनी यात्रा बतायी है जिससे अभी तक खिताब नहीं जीता हो।

पाटीदार ने इस दौरान पिछले समय को भी याद किया। इस क्रिकेटर ने कहा , मुझे आईपीएल 2022 के लिए मेगा नीलामी से पहले एक संदेश मिला था कि आप तैयार रहें हम आपको शामिल करेंगे। तब मुझे उम्मीद थी कि मुझे एक और अवसर खेलने के लिए मिलेगा पर मुझे मेगा नीलामी में नहीं चुना गया। जिससे मैं थोड़ा निराश था।

पाटीदार ने कहा, तब मैंने नीलामी में नहीं चुने जाने के बाद इंदौर में स्थानीय मैचों में खेलना शुरू कर दिया था। फिर, मुझे एक कॉल आया कि हम आपको लवनीत सिसोदिया के प्रतिस्थापन के रूप में चुन रहे हैं, जो घायल हो गए थे। तब मैं टीम में नहीं आना चाहता था क्योंकि मुझे पता था कि मुझे वहां खेलने का अवसर नहीं मिलेगा, और मुझे हमेशा लगता है कि मैं वहां डगआउट में नहीं बैठना चाहता। वहीं तीन साल बाद उसी आरसीबी की कप्तानी हासिल होने से मुझे शुरुआत में हैरानी भी हुई।

पाटीदार ने कहा, मेरे मन में कई सवाल थे, जैसे कि टीम में बहुत सारे बड़े खिलाड़ी हैं। विराट कोहली इतने बड़े खिलाड़ी हैं, आप उनके नेतृत्व में यह कैसे कर पाएंगे पर मुझे पता था कि मुझे उनका पूरा समर्थन है। जैसा कि मैंने कहा, यह मेरे लिए एक सीख है, यह मेरे लिए एक अवसर है। इसलिए, मैं उनसे जितना हो सके उतना सीखूंगा क्योंकि किसी के पास हर भूमिका में उनके जैसा अनुभव और विचार नहीं है। चाहे वह बल्लेबाजी हो, एक व्यक्ति के रूप में हो या एक कप्तान के रूप में। मैंने उन्हें (कोहली) तब से देखा है जब से मैंने टीवी देखना शुरू किया था।

उन्होंने याद करते हुए कहा, जब वह मुझे गेंद दे रहे थे, तो मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं कैसे प्रतिक्रिया दूं। मैंने गेंद को थामा, उनकी तरफ देखा और खुद से पूछा, अब मुझे क्या करना चाहिए? फिर उन्होंने कहा, तुम इसके अधिकारी हो, तुमने इसे स्वयं किया है। इससे मैं शांत हो गया। पाटीदार ने इस सीजन में 11 मैचों में आरसीबी की कप्तानी करते हुए अपनी टीम को 8 मैचों में जीत दिलायी है।

इस कारण विराट ने लिया होगा संन्यास - नासिर हुसैन

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनका प्रदर्शन हमेशा शीर्ष स्तर का रहा है। इसलिए जब उन्हें लगा कि अब वह सौ फीसदी नहीं दे सकते तो उन्होंने खेल को अलविदा कह दिया। हुसैन के अनुसार किसी भी सामान्य चीज से संतुष्ट न होने की भावना ने ही शायद उन्हें संन्यास के लिये प्रेरित किया होगा। हुसैन ने कहा, 'वह चैम्पियन है। वह जीत का लक्ष्य लेकर ही खेलता है और उसके लिए बेचैन रहता है। कोहली के लिए सब कुछ जीतने के बारे में ही है। इसलिए, तो लक्ष्य का पीछा करने में वह माहिर है। अगर वह 100 फीसदी नहीं दे सकता होगा तो मैदान पर नहीं उतरेगा। वह हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने ही उतरता है।

हुसैन ने कहा, 'हो सकता है कि उसने संन्यास का फैसला भी इसलिए ही लिया हो। वह आम क्रिकेटर नहीं बनना चाहता। वह कुछ खास करना चाहता है। उसने भारत को वह ताकत बनाया जो वह आज है। उन्होंने कहा, 'मैं पिछले 14 साल से कोहली का बड़ा प्रशंसक रहा हूं। उसके आंकड़े स्वयं उनके बारे में कहते हैं पर वह आंकड़ों से बहुत आगे कुछ है। उसकी शख्सियत, स्वैग और जुनून है। हम भारतीय क्रिकेटप्रेमियों को जानते हैं और क्रिकेट उनके लिए बहुत मायने रखता है।

उन्होंने कहा, 'क्रिकेट को लेकर इतना जुनून भारत में कोहली से ज्यादा किसी ने नहीं जगाया। वह अविश्वसनीय क्रिकेटर है। वह भारत को नंबर एक तक ले गया जहां टीम 42 महीने तक रही। उसने अपने आक्रामक अंदाज से उनके क्रिकेट खेलने का तरीका बदल दिया। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल आथरटन ने इसी पॉडकास्ट में कहा, 'हमें नहीं पता कि अब चौथे नंबर पर कौन उतरेगा पर जो भी उतरेगा उसे कोहली की जगह लेनी है और यह आसान नहीं है।

जब मैच के दौरान जडेजा और रैना में हुई झड़प

मुम्बई। क्रिकेट मुकाबलों में कई बार विवाद भी देख जाते हैं। आम तौर पर मैच में विरोधी टीमों के खिलाड़ियों में विवाद होता है पर कभी-कभी एक ही टीम के खिलाड़ी आपस में लड़ने लगते हैं। ऐसा ही एक मामला एकदशक से कुछ पहले साल 2013 में देखा गया था। तब वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में किसी बात पर रवींद्र जडेजा और सुरेश रैना में बहस हो गयी थी। तब जडेजा गेंदबाजी कर रहे थे। उनकी गेंद पर सुनील नरेन ने चौका लगाया पर गेंद सुरेश रैना के हाथों में आकर फिसल गयी। इस प्रकार कैच छूटने से जडेजा नाराज हो गये और उनकी रैना से बहस शुरु हो गयी। फिर विराट कोहली और इशांत शर्मा ने किसी प्रकार मामला हल कराया। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 311 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 102 रनों से हार गयी।

रोहित-कोहली के संन्यास के बाद भी भारतीय टीम वापसी करेगी - मांजरेकर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास को लेकर ज्यादा परेशान होने की जरुरत नहीं है। मांजरेकर के अनुसार टीम में कई युवा प्रतिभाएं हैं जो इनकी जगह ले सकती हैं। उन्होंने कहा कि जब सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण और सौरव गांगुली जैसे खिलाड़ियों के अलविदा कहने का समय आया तब इसी प्रकार की चिन्ता जतायी जा रही थी पर युवाओं ने अपने प्रदर्शन से उनकी कमी पूरी की जिससे भारतीय क्रिकेट ने शानदार वापसी की। मांजरेकर ने काह, 'मैं जानता हूं कि प्रशंसक चिंतित होंगे। फैब फोर के संन्यास के बाद भी ऐसी ही चिंता थी। लेकिन कुछ साल बाद भारत दुनिया की नंबर एक टेस्ट टीम बना। उन्होंने लिखा, 'जब तक भारत में खेल लोकप्रिय हैं और कई प्रतिभाशाली युवा खेलने के लिए सामने आ रहे हैं तो टीम को अच्छे खिलाड़ी मिलते रहेंगे। भारतीय टीम में जगह हासिल करना आसान नहीं होता और जो भी यहां तक पहुंचता है उसमें प्रतिभा होती ही है।

मांजरेकर ने कहा, 'इसमें समय लगेगा पर डरने की जरूरत नहीं है। पहले स्टार खिलाड़ियों के जाने के बाद हमारी गेंदबाजी बेहतर हुई। यहां भी ऐसा हो सकता है। नए सितारे आएंगे और नये गेंदबाज भी। भारतीय टीम दुनिया की शीर्ष टीमों में बनी रहेगी। उन्होंने कहा, ' भारतीय टीम को इस नजरिये से भी देखा जा सकता है जिसमें विराट और रोहित टीम के होते हुए भी टीम को न्यूजीलैंड से 3-0 से और उसके बाद ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। युवाओं से भरी होने वाली टीम के मारे पास खोने के लिए कुछ नहीं है इसलिए वह निडर होकर खेलेगी।

प्लेऑफ में बटलर की जगह मेंडिस गुजरात टाइटंस की ओर से खेलेंगे

मुम्बई। आईपीएल के बचे हुए सत्र में गुजरात टाइटंस की टीम को आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर के बिना ही खेलना होगा। बटलर ने इस सत्र में अब तक टीम की ओर से करीब 500 रन बनाये हैं और ऐसे में उनका प्लेऑफ के लिए नहीं होना टीम के लिए बड़ा झटका होगा। उनके नहीं होने से टीम को एक शीर्ष स्तर के विकेटकीपर के बिना ही खेलना होगा। अब श्रीलंका के विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस उनकी जगह लेंगे। मेंडिस को सीधे ही अंतिम 11 में जगह मिलना तय है, क्योंकि गुजरात के पास अन्य विकेटकीपर नहीं हैं। टीम के पास अन्य विकेटकीपर के तौर पर अनकैप्ड अनुज रावत ही हैं। आईपीएल 2025 के 17 मैच 17 मई से 3 जून के बीच खेला जाएगा। इस बीच इंग्लैंड को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज खेलनी है। जोस बटलर को दोनों सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम में चुना गया है। यही कारण है कि वह आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में नहीं खेल पाएंगे। गुजरात टाइटंस 11 मैचों में 16 अंकों के साथ मौजूदा अंक तालिका में टॉप पर है और क्वालिफिकेशन हासिल करने से एक जीत दूर है।

खराब फिटनेस के कारण कप्तानी की दौड़ से बाहर हुए बुमराह

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को एक समय कप्तानी का सबसे बड़ा दावेदार माना जा रहा था पर अब वह इस दौड़ से बाहर नजर आते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए शुभमन गिल को कप्तानी मिलने की संभावना है जबकि पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर और अनिल कुंबले जैसे दिग्गजों ने कहा था कि बुमराह को टेस्ट कप्तानी दी जाये। इन दोनो के अलावा कई अन्य पूर्व क्रिकेटरों का भी कहना है कि बुमराह ही कप्तानी के योग्य हैं। इसके बाद भी उनका नाम कप्तानी की दौड़ से बाहर नजर आ रहा है। इसका कारण बुमराह की फिटनेस है वह जिस प्रकार बार बार चोटिल होकर मैदान से बाहर होते हैं उससे चयन समिति उन्हें कप्तान के तौर पर सही नहीं मानना। समिति एक ऐसे खिलाड़ी को कप्तान के तौर पर चाहती है जो लगातार खेल सके। बुमराह ने इसी साल ऑस्ट्रेलिया दौरे में पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में कप्तानी की थी। जिसमें भारतीय टीम जीती थी।

बुमराह ने सिडनी में खेले गए आखिरी टेस्ट में भी कप्तानी की थी पर मैच के दूसरे ही दिन बुमराह बैक इंजरी के कारण बाहर हो गये। उसके बाद वह मैदान पर नहीं लौटे।

बुमराह 3 महीने तक क्रिकेट के मैदान से दूर रहे। चैंपियंस ट्रॉफी में भी हिस्सा नहीं ले पाए। आईपीएल 2025 के शुरुआती मैचों में भी वह नहीं खेल पाए। फिटनेस और चोट की इन्हीं चुनौतियों की वजह से अगले टेस्ट कप्तान के तौर पर बुमराह का नाम कट गया। उसके बाद से ही बीसीसीआई चयन समिति ने नए कप्तान पर विचार शुरू कर दिया जिससे बुमराह कप्तानी की दौड़ से बाहर हुए।

आईपीएल के बचे मैचों के लिए नहीं लौट रहे स्टार्क, कैपिटल्स को झटका

मेलबर्न। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क इंडियन प्रीमियर लीग ने (आईपीएल) के बचे हुए मैचो के लिए भारत लौटने से इंकार कर दिया है। ऐसे में दिल्ली कैपिटल्स को करारा झटका लगा है। स्टार्क ने कैपिटल्स को दिये अपने संदेश में कहा कि अब वह आगे नहीं खेल पायेंगे। आईपीएल को 9 मई को पाकिस्तान के ड्रोन हमलों के बीच ही स्थगित कर दिया गया था। वहीं बीसीसीआई ने संघर्ष विराम के बाद सरकार से अनुमति मिलने के बाद इसे फिर से शुरु किया है। स्टार्क ने सत्र के स्थगि होने से पहले कैपिटल्स के लिए सबसे अधिक 14 विकेट लिए थे। ऐसे में प्लेऑफ में जगह पक्की करने का प्रयास कर रही दिल्ली के लिए उनका नहीं होना एक करारा झटका होगा।

वहीं स्टार्क की पत्नी और महिला क्रिकेटर एलिसा हीली ने 8 मई को याद करते हुए बताया कि जब पड़ोसी शहरों में ड्रोन हमले के सायरन बजने के कारण धर्मशाला में पंजाब किंग्स के साथ मैच बीच में ही रद्द कर दिया गया था तो सभी डरे हुए थे। एलिसा ने 'कहा, ''बिजली के कुछ टावर की बत्ती बुझ गई और हम बस वहीं इंतजार कर रहे थे। मैंने कुछ सीट दूर अफवाह सुनी कि हमें स्टेडियम खाली करना पड़ सकता है, क्योंकि बिजली गुल हो गई है।

टिम, शेफर्ड आरसीबी से जुड़े

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के बचे हुए सत्र के लिए दो विदेशी खिलाड़ी टिम डेविड और रोमारियो शेफर्ड रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से जुड़ गये हैं। आरसीबी का मुकाबला शनिवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा। टिम के आने से आरसीबी को मध्यक्रम को एक अच्छा बल्लेबाज मिलेगा। शेफर्ड हालांकि कितने मैच खेल पायेंगे ये तय नहीं है। शेफर्ड को अब आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ इस माह के अंत में होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए शामिल किया है। ऐसे में वह प्लेऑफ शायद ही खेल पायें। इन दोनो के अलावा जैकब बेथेल, लियाम लिविंगस्टोन और फिल साल्ट भी टीम से जुड़ गये हैं। साल्ट का प्रदर्शन इस सत्र में काफी अच्छा रहा है। लिविंगस्टोन अपनी आक्रामक बल्लेबाजी स्पिन गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं, उन्हें अंतिम मैचों में जगह मिल सकती है। वहीं बेथेल केवल दो मैच खेल सकेंगे। इसमें 23 मई को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ घरेलू मैच भी शामिल है। वह इसके बाद इंग्लैंड जाकर राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलेंगे। इससे साफ है कि वह 27 मई को लखनऊ में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अंतिम लीग मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे। आरसीबी के दो विदेशी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और लुंगी एनगिडी आईपीएल में आगे नहीं खेलेंगे। हेजलवुड चोटिल हैं और उनका इलाज चल रहा है हालांकि उनकी चोट गंभरी नहीं है। वहीं एनगिडी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के कारण इस लीग में अब नहीं खेल पायेंगे। एनगिडी को इस खिताबी मुकाबले के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम में शामिल किया गया है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल अगले माह 11 जून से शुरु होगा।

न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर हेसन बने पाक टीम के कोच

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर माइक हेसन को अपनी सीमित ओवरों की टीम का नया कोच बनाया है। पीसीबी ने कहा है की कि हेसन पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) समाप्त होने के बाद 26 मई को टीम से जुड़ेंगे। इस वर्ष की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में खराब प्रदर्शन से भी पीसीबी पर बेहतर कोच रखने का दबाव था। इस पद के लिए कुल सात उम्मीदवारों ने आवेदन प्रस्तुत किए थे, जिनमें चार विदेशी कोच शामिल थे। हेसन अभी पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के गत विजेता इस्लामाबाद यूनाइटेड के मुख्य कोच हैं। वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी कोच रहे हैं। पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने कहा कि हेसन अपने साथ अंतराष्ट्रीय अनुभव लेकर आए हैं और प्रतिस्पर्धी टीमों को बेहतर तरीके से विकसित करने का उनका एक अच्छा रिकॉर्ड है। नकवी ने कहा, हम पाकिस्तान के सफेद गेंद वाले क्रिकेट के भविष्य को आकार देने में उनकी विशेषज्ञता और नेतृत्व की प्रतीक्षा कर रहे हैं। हेसन 2023 के बाद से पाकिस्तान टीम के कोच बनने वाले पांचवें विदेशी हैं। उनसे पहले ग्रांट ब्रैडबर्न, मिकी आर्थर, साइमन हेलमेट, गैरी कर्स्टन और गिलेस्पी भी कोच रहे थे पर इन्हें बीच में ही कामकाज छोड़ना पड़ा था।

जैक्स की जगह बेयरस्टो को शामिल करेगी मुम्बई

मुम्बई। आईपीएल मुकाबले 17 मई से फिर शुरु होने जा रहे हैं। इसमें कई खिलाड़ी अपने व्यस्त कार्यक्रम के चलते बाहर हो गये हैं। ऐसे में सभी टीमें में बदलाव भी दिखेगा। इसी के तहत ही मुम्बई इंडियंस बचे हुए सत्र के लिए इंग्लैंड के विल जैक्स की जगह जॉनी बेयरस्टो को शामिल करने जा रही है। जैक्स को मुम्बई ने नीलामी में 5.25 करोड़ रुपये में साइन किया था पर वह आवश्यक कार्य से इसके मुकाबलों से बाहर हो गये हैं। ऐसे में मुंबई की टीम बेयरस्टो को शामिल करने के प्रयास कर रही है।

विवादों में उलझी अतिशेष शिक्षक तबादला प्रक्रिया

- स्कूल शिक्षा मंत्री के हस्तक्षेप के बाद अतिशेष की प्रक्रिया स्थगित

भोपाल। मप्र के कई स्कूलों में शिक्षकों की कमी है तो कहीं ये जरूरत से ज्यादा हैं। इसी को देखते हुए शिक्षा विभाग ने तबादले की प्रक्रिया शुरु करने से पहले अतिशेष शिक्षकों को उन स्कूलों में भेजने की योजना बनाई थी जहां शिक्षकों की कमी है। लेकिन, फिलहाल यह प्रक्रिया विवादों में उलझ गई है। जैसे ही प्रदेश के शिक्षा पोर्टल पर लगभग 20,344 शिक्षकों की अतिशेष सूची जारी हुई, शिक्षकों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया है। शिक्षकों का आरोप है कि पोर्टल पर दर्ज जानकारी गलत है और कई शिक्षकों को अतिशेष बताया गया है, जबकि वे अपनी पोस्ट पर हैं। कई जगह सेवानिवृत्त शिक्षक भी अभी पदस्थ बताए जा रहे हैं। इसको देखते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के हस्तक्षेप के बाद अतिशेष शिक्षकों के ट्रांसफर की प्रक्रिया को स्थगित कर दिया गया है।

दरअसल, लोक शिक्षण संचालनालय के अफसरों ने आधी-अधूरी तैयारियों के साथ अतिशेष के ट्रांसफर की प्रक्रिया शुरू की थी। स्कूल शिक्षा विभाग की ट्रांसफर पॉलिसी में सीनियर व जीएडी की ट्रांसफर

पॉलिसी में जूनियर को अतिशेष माना जाता है। स्कूल शिक्षा में फिलहाल दस हजार से ज्यादा शिक्षक अतिशेष हैं। स्कूल शिक्षा विभाग में चल रहे ट्रांसफर में अतिशेष शिक्षकों से दूसरे स्कूल में भेजने के लिए आवेदन मांगे गए थे। अधिकांश अतिशेष शिक्षकों ने प्रक्रिया को गलत बताया। कई शिक्षकों ने गलत तरीके से अतिशेष करने के आरोप विभाग पर लगाए। इसके विरोध में राज्य कर्मचारी संघ, शिक्षक संघ समेत कई संगठनों ने विभागीय मंत्री उदय प्रताप सिंह, सचिव स्कूल शिक्षा संजय गोयल व आयुक्त लोक शिक्षण शिल्पा गुप्ता को ज्ञापन सौंपा। इसके बाद मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने अतिशेष शिक्षकों की प्रक्रिया को स्थगित करने के निर्देश दिए हैं। मप्र शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौड़ का कहना है कि लोक शिक्षण द्वारा मनमाने तरीके से अतिशेष की प्रक्रिया की जा रही थी, जिससे शिक्षकों में भय व्याप्त था। स्कूल शिक्षा मंत्री ने प्रक्रिया को निरस्त करने के दिए निर्देश से शिक्षकों में खुशी है।

एजुकेशन पोर्टल पर गलत जानकारी

जानकारी के अनुसार एजुकेशन पोर्टल पर गलत जानकारी दर्ज होने के कारण विवाद की स्थिति निर्मित हुई है। लोक शिक्षण संचालनालय के संचालक केके दिवेदी ने सभी संयुक्त संचालक व डीईओ को निर्देश जारी किए हैं, जिसमें कहा गया है कि राज्य स्तर पर लोक सेवकों द्वारा उपस्थित होकर शाला में पदस्थापना दिनांक के परिवर्तन संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए जा रहे है। उल्लेखनीय है कि एजुकेशन पोर्टल 3.0 में समस्त लोक सेवकों की जानकारी प्रमाणीकरण विकासखंड शिक्षा अधिकारी के स्तर से किया गया है, फिर भी विसंगति की स्थिति है। इसे देखते हुए जिला एवं विकासखंड स्तर पर लोक सेवकों की शाला में पदस्थापना की दिनांक का परीक्षण कर यदि किसी लोक सेवक की पदस्थापना दिनांक में परिवर्तन है, तो तथ्यात्मक दस्तावेज के साथ जानकारी तत्काल उपलब्ध कराएं। संचालक ने निर्देश दिए हैं कि अक्टूबर 2024 से अब तक नियुक्त शिक्षकों के आईडी लंबित होने विषयक नव नियुक्त शिक्षकों द्वारा शाला में कार्यभार ग्रहण कर लिया गया है, लेकिन जिला स्तर से इन शिक्षको के आईडी नहीं बनाने के कारण संबंधित शाला में रिक्त प्रदर्शित हो रही है। सभी शिक्षकों के आईडी अनिवार्य जनरेट कर यह प्रमाण-पत्र भेजे की सभी शिक्षकों के आईडी जनरेट कर दिये गए हैं। मप्र राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष शिववीर सिंह भदौरिया का कहना है कि लोक शिक्षण संचालनालय की अतिशेष की प्रक्रिया गलत है। पहले पोर्टल में सुधार किया जाना चाहिए। इसके बाद अतिशेष शिक्षकों के दावे-आपत्ति बुलवाना चाहिए, लेकिन विभाग का रवैया मनमाना है। विभागीय मंत्री के प्रक्रिया को स्थगित करने पर आभार व्यक्त करते हैं।

शिवराज सिंह चौहान ने नागालैंड के जलुकी में पशु चिकित्सा कॉलेज की नई इमारतों का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज गुरुवार को नागालैंड के जलुकी स्थित केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय (इंफाल) के अंतर्गत आने वाले पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन कॉलेज की प्रशासनिक व अकादमिक इमारतों का उद्घाटन किया। इस मौके पर नागालैंड के उपमुख्यमंत्री टी. आर. जेलियांग, राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री मेत्सुबो जामिर और विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अनुपम मिश्रा भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में अपने भाषण के दौरान चौहान ने नागालैंड की कृषि और पशुपालन क्षेत्र की विशेषताओं की सराहना की और राज्य के कृषि विकास के लिए 338.83 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। उन्होंने राज्य सरकार से कृषि और ग्रामीण विकास के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने को कहा और केंद्र सरकार की पूर्ण सहायता का आश्वासन भी दिया।

चौहान ने सुझाव दिया कि हर जिले में वैज्ञानिकों, कृषि विज्ञान केंद्र अधिकारियों, विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों और किसानों की एक कोर टीम बनाई जाए, जो हर महीने गांवों में जाकर किसानों की समस्याएं जाने और उनका समाधान खोजे। इससे नीतियों और तकनीकी हस्तक्षेप को ज़मीनी स्तर पर लागू करना आसान होगा। उन्होंने नागालैंड में प्राकृतिक खेती की संभावनाओं पर बल दिया और कहा कि केंद्र सरकार इसमें सहयोग देने के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री ने कॉलेज की सराहना करते हुए छात्रों को दिल्ली आमंत्रित किया, ताकि वे अपने नवाचार और विचारों को साझा कर सकें। उन्होंने छात्रों के स्टार्टअप और उद्यमिता विकास के लिए पूर्ण सहयोग व आर्थिक सहायता देने का वादा किया और भविष्य में किसानों व छात्रों से दोबारा मिलने नागालैंड आने की इच्छा जताई।

इस मौके पर नागालैंड के राज्यपाल ला. गणेशन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और विश्वविद्यालय की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण और किसान-सरकार भागीदारी से ही देश 2047 तक विकसित भारत बनने के सपने को साकार कर सकता है। उपमुख्यमंत्री टी. आर. जेलियांग ने कहा कि राज्य में तकनीकी हस्तक्षेप और शोध आधारित कृषि से ही आर्थिक विकास संभव है। इस कार्यक्रम में 639 किसान और 84 राज्य व केंद्रीय अधिकारी शामिल हुए। चौहान ने इस अवसर पर आयोजित किसान मेले और प्रदर्शनी का भी दौरा किया और किसानों से संवाद किया।

तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में जिला स्तर के नेतृत्व में फेरबदल किया

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले भरोसेमंद पुराने नेताओं और उभरती हुई अगली पीढ़ी के नेताओं के बीच संतुलन बनाने के एक सुनियोजित प्रयास के तहत पश्चिम बंगाल में जिला स्तर के नेतृत्व में फेरबदल किया है। इस फेरबदल का उद्देश्य अधिक अनुशासन लागू करना, गुटबाजी पर अंकुश लगाना और अगले साल होने वाले महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों की तैयारी करना है, क्योंकि टीएमसी लगातार चौथी बार सत्ता में आने की उम्मीद कर रही है। सबसे महत्वपूर्ण कदम बीरभूम में उठाया गया, जहां टीएमसी ने विवादास्पद नेता अनुब्रत मंडल को जिला अध्यक्ष पद से हटा दिया, जिस पद पर वे वर्षों से निर्विरोध काबिज थे। पार्टी ने जिले में इस पद को पूरी तरह से समाप्त कर दिया तथा इसके स्थान पर संगठन की देखरेख के लिए टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी द्वारा चुनी गई नौ सदस्यीय कोर समिति को चुना। प्रतीकात्मकता तीव्र थी। मवेशी तस्करी के मामले में अभी भी जमानत पर बाहर चल रहे मंडल को नई कोर कमेटी में शामिल किया गया है, लेकिन उनसे एकतरफा नियंत्रण हटा लिया गया है। बीरभूम में जिला अध्यक्ष का पद बरकरार है, तथा वरिष्ठ विधायक आशीष बनर्जी उस पद पर बने रहेंगे। लेकिन पार्टी सूत्रों ने बताया कि अब नियंत्रण पूरी तरह से सामूहिक हाथ में है, किसी व्यक्ति के हाथ में नहीं। 35 संगठनात्मक जिलों में से 18 में बदलाव किए गए हैं और कुछ में जिला अध्यक्ष और अध्यक्ष के पदों की घोषणा होनी बाकी है। उत्तर कोलकाता में, 76 वर्षीय पार्टी सांसद सुदीप बंदोपाध्याय, जो लोकसभा में पार्टी के नेता भी हैं, को कोलकाता (उत्तर) का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस कदम को ममता बनर्जी द्वारा महत्वपूर्ण शहरी क्षेत्र में अनुभवी लोगों को बनाए रखने और साथ ही जिलों में युवा नेताओं को आगे बढ़ाने के तरीके के रूप में देखा जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने की सोमशेखर को मणिपुर हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त करने की सिफारिश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने गुरुवार को न्यायमूर्ति केम्पैया सोमशेखर को मणिपुर हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त करने की सिफारिश की है। वर्तमान चीफ जस्टिस डी. कृष्णकुमार 21 मई को रिटायर हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर जारी बयान में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 15 मई 2025 को अपनी बैठक में कर्नाटक हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति केम्पैया सोमशेखर को मणिपुर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की है, जो 21 मई 2025 को न्यायमूर्ति डी. कृष्णकुमार की सेवानिवृत्ति के बाद होगा।

15 सितंबर 1963 को जन्मे न्यायमूर्ति सोमशेखर को नवंबर 2016 में इलाहाबाद उच्च हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया था। उन्होंने नवंबर 2018 में कर्नाटक हाईकोर्ट के स्थायी न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी। उन्हें सीधे 17 जून 1998 को जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने बीजापुर और बेंगलुरु के सिटी सिविल कोर्ट में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में सेवा दी। उन्होंने कर्नाटक हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार न्यायिक और रजिस्ट्रार सतर्कता के रूप में भी कार्य किया है।

बेंच में पदोन्नति से पहले, न्यायमूर्ति सोमशेखर ने मैसूरु और चामराजनगर में सिविल और आपराधिक पक्षों में वकालत की थी। उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति को नियंत्रित करने वाले प्रक्रिया के मुताबिक भारत के सीजेआई हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की नियुक्ति के लिए प्रस्ताव पेश करते हैं। इसमें प्रावधान किया गया है कि नियुक्ति की प्रक्रिया समय रहते शुरू की जानी चाहिए ताकि हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के लिए प्रत्याशित रिक्ति की तिथि से कम से कम एक माह पहले यह प्रक्रिया पूरी हो जाए। सीजेआई सर्वोच्च न्यायालय के दो वरिष्ठ न्यायाधीशों, जिन्हें आमतौर पर कॉलेजियम के रूप में जाना जाता है, उनके परामर्श से हाईकोर्ट के किसी अवर न्यायाधीश को उस उच्च न्यायालय या किसी अन्य उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के लिए अपनी सिफारिश भेजेंगे।

इसके अलावा, सीजेआई सर्वोच्च न्यायालय में अपने सबसे वरिष्ठ सहयोगी के विचार भी जान लेते हैं, जो उस हाईकोर्ट के मामलों से परिचित होता है, जिसमें अनुशंसित व्यक्ति कार्य कर रहा है और जिसकी राय उम्मीदवार की उपयुक्तता पर निर्णय लेने में अहम हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश मिलने के बाद, केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री संबंधित राज्य सरकार के विचार करेंगे। राज्य सरकार के विचार प्राप्त होने के बाद, केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री प्रधानमंत्री को प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे, जो चयन के बारे में राष्ट्रपति को सलाह देंगे। इसके बाद जैसे ही राष्ट्रपति की मंजूरी मिली है, न्याय विभाग नियुक्ति की घोषणा करता है और भारत के राजपत्र में अधिसूचना जारी करता है।

चिनाब नदी पर बने बांधों से अब हर महीने गाद निकाली जाएगी, जिससे पाकिस्तान को होगी परेशानी

श्रीनगर। चिनाब नदी पर बने बांधों से अब हर महीने गाद निकाली जाएगी, जिसने पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इससे पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पाकिस्तान में र बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। खेती बर्बाद हो सकती है।

बांधों में पानी के साथ मिट्टी, रेत और कचरा जमा होता है,जिसे गाद कहते हैं। ये गाद बांध की क्षमता कम करती है और बिजली उत्पादन में रुकावट डालती है। फ्लशिंग में बांध के गेट खोलकर तेज़ पानी छोड़ा जाता है,जिससे गाद बह जाती है। भारत ने चिनाब नदी के सलाल और बगलिहार बांधों में हर महीने फ्लशिंग शुरू की है। मई में 7।5 मिलियन क्यूबिक मीटर गाद निकाली गई। चिनाब का पानी पाकिस्तान की खेती के लिए ज़रूरी है। फ्लशिंग से पानी का प्रवाह कम हो सकता है। खासकर गर्मियों और बुआई के मौसम में,जिससे फसलें प्रभावित होंगी।

तेज़ पानी छोड़ने से पाकिस्तान में बाढ़ का जोखिम बढ़ सकता है,जैसा कि मई में सियालकोट में देखा गया। पाकिस्तान की 80त्न अर्थव्यवस्था सिंधु नदी सिस्टम पर निर्भर है।

चिदंबरम के बयान पर राजीव चंद्रशेखर का कटाक्ष, देर से ही सही कांग्रेस को गठबंधन की सच्चाई समझ आई

बीजेपी का आरोप, चिदंबरम ने कांग्रेस को आईना दिखाया

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने कहा है कि इंडिया ब्लॉक अब बिखर रहा है। उनके बयान पर भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कटाक्ष कर दिया है। कांग्रेस की हार का इतिहास याद दिलाकर कहा कि उन्हें बहुत देर से गठबंधन की सच्चाई समझ आई।

बीजेपी नेता चंद्रशेखर ने कहा, भारत की जनता बहुत पहले यह निर्णय ले चुकी है। जनता ने 2019 में निर्णय लिया, 2024 में निर्णय लिया। कांग्रेस के कुछ नेता भी भेल ही देर से लेकिन स्वीकार कर रहे हैं।

चंद्रशेखर ने कहा, कोई भी राजनीतिक गठबंधन जिसका आधार अवसरवादिता है, भ्रष्टाचार है, जो वंशवाद को बढ़ावा देती है, और जो सिर्फ प्रधानमंत्री के विरोध के नाम पर बनी है, क्या उस गठबंधन को कभी भी भारत के लोगों का समर्थन मिल पाएगा? भारत की जनता ने भाजपा और नरेंद्र मोदी को एक भरोसेमंद ताकत के रूप में स्वीकार किया है। भाजपा इकलौती पार्टी है जो देश के मूल्यों में विश्वास करती है और राजनीति को लोगों के जीवन को विकसित करने का जरिया मानती है। प्रधानमंत्री मोदी देश के विकास के लिए सातों दिन और चौबीस घंटे काम करते हैं। देश को समृद्ध बनाना, ताकतवर बनाना, उनकी राजनीति का आदर्श है। इसकारण भाजपा और नरेंद्र मोदी को लगातार जनता का समर्थन मिल रहा है। वहीं इंडिया ब्लॉक अपने भ्रष्टाचार को छुपाने और पीएम मोदी का विरोध करने के नाम पर बना गठबंधन है। इसतरह के गठबंधन को जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी।

दरअसल चिदंबरम ने कहा था, इंडिया ब्लॉक का भविष्य उज्जवल नहीं है, मुझे नहीं लगता कि गठबंधन में शामिल दल और नेता एकजुट हैं। यह एक कमजोर गठबंधन लगता है। अगर यह बरकरार रहता हैं तब मुझे बेहद खुशी होगी। मौजूदा समय में देश में बीजेपी से ताकतवार कोई दूसरा राजनीतिक दल नहीं है। चिदंबरम के बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी हमलावर हो गई है। भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, चिदंबरम ने कांग्रेस पार्टी को आईना दिखाया है। इंडिया ब्लॉक बिना किसी मिशन, नीति और नेता का गठबंधन है। गठबंधन के सभी दल अपने भ्रष्टाचार को छुपाने और मोदी विरोध के नाम पर एक साथ हैं, लेकिन इसमें एकजुटता नहीं है। दिल्ली में आप और कांग्रेस साथ हैं, पंजाब में अलग, बंगाल में तृणमूल और कांग्रेस अलग हैं और दिल्ली में एक साथ। इसतरह के गठबंधन का भविष्य अंधकारमय है।

जस्टिस बेला त्रिवेदी को नहीं दिया गया फेयरवेल, नाराज सीजेआई ने बार एसोसिएशन को सुना दी खरी-खरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की महिला जज बेला त्रिवेदी शुक्रवार को चुपचाप ही रिटायर हो गईं। उनके विदाई के मौके पर बार काउंसिल की ओर से कोई औपचारिक फेयरवेल आयोजित नहीं हुआ। इस पर चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह ने आपत्ति जाहिर की है। आमतौर पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन और सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन की ओर से जजों के रिटायरमेंट पर फेयरवेल आयोजित होते हैं। लेकिन जस्टिस बेला त्रिवेदी के आखिरी कार्यदिवस के मौके पर ऐसा कोई प्रोग्राम नहीं किया गया। इस पर जजों ने आपत्ति जताकर कहा कि ऐसा कोई आयोजन न होना दुर्भाग्यपूर्ण है। रिटायरमेंट के मौके पर सेरेमोनियल बेंच भी बैठी। इस बेंच के सामने कपिल सिब्बल और रचना श्रीवास्तव मौजूद रहे। सिब्बल सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं और रचना श्रीवास्तव उपाध्यक्ष हैं। बेंच में शामिल रहे जस्टिस गवई ने कहा, मैं सिब्बल और रचना श्रीवास्तव की मौजूदगी की सराहना करता हूं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने जो स्टैंड लिया है, वह सही नहीं है। मैं खुलकर बात करने वाला व्यक्ति हूं, इसलिए स्पष्ट कह रहा हूं कि यह गलत हुआ है। उन्होंने कहा कि बेंच के सामने फुल हाउस की मौजूदगी बताती है कि फैसला सही है। जस्टिस बेला त्रिवेदी एक शानदार जज रही हैं। वे सम्मानजनक विदाई की हकदार थी।

आईटी और ईडी की रेड के बाद गुजरात समाचार के मालिक बाहुबली हिरासत में लिए गए

अहमदाबाद। गुजरात के प्रमुख अखबार गुजरात समाचार के मालिक बाहुबली शाह का हिरासत में लिए जाने की खबर है7 प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग (आईटी) ने बुधवार को अहमदाबाद स्थित गुजरात समाचार ग्रुप और जीएसटीवी पर रेड की थी। दो दिन की कार्रवाई के बाद आज बाहुबली शाह को हिरासत में ले लिया गया। आयकर विभाग की कार्रवाई के दौरान बैंक खाते, डिजिटल डेटा, दस्तावेज और वित्त संबंधित रिकार्ड का ब्यौरा एकत्र किया गया है। इस कार्रवाई में जब्त किए गए संदिग्ध दस्तावेज ईडी को सौंप गए होने की खबर है। जिसके बाद ईडी ने अपनी कार्रवाई शुरू की। बाहुबली शाह को हिरासत में लिए जाने के बाद लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। राहुल गांधी ने ट्वीट में किया, जिसमें लिखा गुजरात समाचार को खामोश करने की कोशिश सिर्फ एक अख़बार की नहीं, पूरे लोकतंत्र की आवाज़ दबाने की एक और साज़िश है। जब सत्ता को आईना दिखाने वाले अख़बारों पर ताले लगाए जाते हैं, तब समझ लीजिए लोकतंत्र खतरे में है। बाहुबली शाह की गिरफ्तारी डर की उसी राजनीति का हिस्सा है, जो अब मोदी सरकार की पहचान बन चुकी है। देश न डंडे से चलेगा, न डर से - भारत चलेगा सच और संविधान से। अरविंद केजरीवाल ने अपने ट्वीट में लिखा बीते 48 घंटों में गुजरात समाचार और त्तस्ञ्झङ्क पर द्बञ्ज और श्वष्ठ के छापे, और फिर उनके मालिक बाहुबलीभाई शाह की गिरफ्तारी — ये सब एक इत्तेफाक नहीं है। ये बीजेपी की उस बौखलाहट का संकेत है, जो हर उस आवाज़ को खामोश करना चाहती है जो सच बोलती है, सवाल पूछती है।

भारतीय वायुसेना ने नकली विमानों से पाकिस्तानी सेना को खूब छकाया

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने ऑपरेशन सिंदूर में एक अनोखी और चतुर रणनीति अपनाई। भारतीय वायुसेना ने बिना पायलट वाले ड्रोन (यूएवीएस) का इस्तेमाल किया, जो सुखोई-30 और मिग-29 जैसे लड़ाकू विमानों की तरह दिखते थे। इन नकली विमानों ने पाकिस्तानी वायुसेना और उनकी हवाई रक्षा प्रणाली को धोखा दिया, जिससे भारत को पाकिस्तान के 11 एयरबेस पर सटीक हमले करने का मौका मिला गया। भारतीय वायुसेना ने बिना पायलट वाले ड्रोन को इस तरह तैयार किया कि वे रडार और इन्फ्रारेड सिग्नल में सुखोई-30 एमकेआई और मिग-29 जैसे लड़ाकू विमानों जैसे दिखें।

ममता को सुप्रीम कोर्ट से फटकार, तत्काल कर्मचारियों को 25 प्रतिशत महंगाई भत्ता का बकाया भुगतान करे

कोलकाता। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को राज्य कर्मचारियों को 25 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) का बकाया भुगतान करने का आदेश दिया है। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने आदेश देकर ममता सरकार को तीन महीने के भीतर भुगतान पूरा करने का निर्देश दिया। आदेश के तहत, बंगाल सरकार को अपने कर्मचारियों को बकाया डीए का 25 प्रतिशत हिस्सा शीघ्र भुगतान करना होगा। मामले की अगली सुनवाई अगस्त में तय की गई। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला राज्य कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर पश्चिम बंगाल में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदू अधिकारी ने इस पर खुशी जाहिर कर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, मैं सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस करोल और संदीप मेहता के पश्चिम बंगाल सरकार को दिए गए निर्देश का स्वागत करता हूं, इसमें उन्होंने ममता सरकार को तुरंत 25 प्रतिशत बकाया डीए (महंगाई भत्ता) कर्मचारियों को देने को कह दिया है। उन्होंने लिखा, यह फैसला बंगाल सरकार के कर्मचारियों की बहुत बड़ी जीत है। ये वहीं कर्मचारी हैं जो लंबे समय से राज्य सरकार की कठोरता और अन्याय के खिलाफ लड़ रहे थे, पहले ट्रिब्यूनल और फिर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचकर अपनी लड़ाई जारी रखी। भाजपा से संबद्ध कर्मचारी परिषद (राष्ट्रवादी पश्चिम बंगाल सरकार के कर्मचारियों का संघ) ने कानूनी लड़ाई में आगे बढ़कर नेतृत्व किया। इस जीत के लिए संगठन के सभी सदस्यों और पदाधिकारियों को बधाई, जिन्होंने ममता सरकार के दमन के खिलाफ आवाज उठाई।

उन्होंने वरिष्ठ अधिवक्ता परमजीत सिंह पाटवाला, प्रख्यात वकील श्रीमती बांसुरी स्वराज और उन सभी वकीलों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने कर्मचारियों की ओर से अदालत में पैरवी की। बीजेपी नेता सुवेंदू अधिकारी ने कहा कि ममता ने एक बार कहा था कि डीए कोई अधिकार नहीं है। लेकिन शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि डीए वास्तव में कर्मचारियों का अधिकार है।

ऑपरेशन सिंदूर पर दुनिया को ब्रीफ करेंगे भारतीय सांसद

नई दिल्ली। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर पर भारत के सांसद दुनिया को ब्रीफ करेंगे। केंद्र सरकार सभी दलों के चुनिंदा सांसदों को 22 या 23 मई से 10 दिनों के लिए विदेश दौरे पर भेज रही है। ये सांसद अमेरिका, यूके, दक्षिण अफ्रीका, कतर और यूएई जाएंगे। वहां की सरकार को आतंकवाद पर भारत का पक्ष बताएंगे।

जानकारी के मुताबिक, अलग-अलग पार्टियों के सीनियर सांसद विदेश दौरे पर भारतीय डेलिगेशन के ग्रुप्स को लीड करेंगे। कांग्रेस सांसद शशि थरूर को ग्रुप लीडर बनाया जा सकता है। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी भी डेलिगेशन का हिस्सा हो सकते हैं। सूत्रों की तरफ से बताया जा रहा है कि सांसदों के साथ विदेश मंत्रालय का एक अधिकारी और एक सरकारी प्रतिनिधि भी जाएंगे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू सांसदों का विदेश दौरा कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। सांसदों को निमंत्रण भेजा जा चुका है। उन्हें अपना पासपोर्ट और ट्रैवल से जुड़ी जरूरी डॉक्यूमेंट्स तैयार रखने की सलाह दी गई है।

30 से ज्यादा हो सकती है सांसदों की संख्या

सूत्रों के हवाले से बताया कि विदेश दौरे पर जाने वाले सांसदों की संख्या का अभी पता नहीं चला है। हालांकि, कुछ नेताओं ने बताया है कि सांसदों की संख्या 30 से ज्यादा हो सकती है। इनमें भाजपा, कांग्रेस, टीएमसी, जदयू, डीएमके, एनसीपी(एसपी), बीजद, सीपीआई(एम) के सांसदों के शामिल होने की संभावना है। भाजपा की तरफ से पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और सांसद अपराजिता सारंगी डेलिगेशन का हिस्सा होंगी। कांग्रेस से शशि थरूर, मनीष तिवारी, सलमान खुर्शीद और अमर सिंह शामिल होंगे। ह्रष्टक्क(स्क्क) की सुप्रिया सुले और एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी का नाम भी सामने आया है।

विदेश मंत्रालय ने सांसदों को विदेश यात्रा के लिए तैयार रहने को कहा

विदेश मंत्रालय सांसदों को डिप्लोमेटिक मिशन के लिए रवाना होने से पहले जानकारी देगा। एक पार्टी के नेता ने अपना नाम उजागर न करते हुए बताया कि उन्हें 22-23 मई तक 10 दिनों के लिए रवाना होने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। विदेश मंत्रालय यात्रा से जुड़े डिटेल्स शेयर करने के लिए उनसे संपर्क करेगा। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों की तरफ से बताया जा रहा है कि डेलिगेशन में 5-6 सांसदों के 8 ग्रुप्स होंगे। सांसदों के साथ विदेश मंत्रालय का एक अधिकारी और एक सरकारी प्रतिनिधि भी जाएंगे।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू सांसदों का विदेश दौरा कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। सांसदों को निमंत्रण भेजा जा चुका है। उन्हें अपना पासपोर्ट और ट्रैवल से जुड़ी जरूरी डॉक्यूमेंट्स तैयार रखने की सलाह दी गई है।

कांग्रेस डेलिगेशन का हिस्सा होगी

सांसदों के डेलिगेशन को विदेश भेजने को लेकर केंद्र की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हालांकि, कांग्रेस जनरल सेक्रेटरी (इंचार्ज कम्युनिकेशन) जयराम रमेश ने बताया कि केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस संबंध में कांग्रेस अध्यक्ष से बात की है। जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान से आतंकवाद पर भारत के रुख को समझाने के लिए विदेश में मल्टी पार्टी डेलिगेशन भेजने का फैसला किया है।

रविंद्र के साथ हुई मारपीट को लेकर नगर अधीक्षक ने ली प्रेसवार्ता

कहा घटना का पत्रकारिता से नहीं है संबंध दोषियों पर होगी कड़ी से कड़ी कार्रवाई

बालाघाट(पदमेश न्यूज़)। बीते दिनों गोंदिया रोड पर हुई घटना को लेकर नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह ने स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम में एक पत्रकार प्रेसवार्ता ली जहां उन्होंने बताया कि उन्होंने उसे घटना की सीसीटीवी फुटेज देखा है जहां ट्रक ड्राइवर सहित कुछ लोगों द्वारा रविंद्र के साथ मारपीट की गई है जिसमें सीसीटीवी फुटेज अनुसार यह स्पष्ट हो रहा है कि ट्रक ड्राइवर को पहले से यह पता नहीं था कि रविंद्र एक मीडियाकर्मी है और कुछ लोग इस घटना को भ्रमित करने हेतु पत्रकारिता से जोड़ रहे हैं, उन्होंने कहा कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज के अनुसार इस मामले में बारीकी से जांच कर रही है और जो लोगों द्वारा रविंद्र के साथ मारपीट की गयी है। उन सभी पर पुलिस कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेगी, ताकि इस प्रकार की घटना दोबारा ना घटित हो।

आपको बता दे की गत 15 मई की देररात रविन्द्र उमाटे के साथ, डंपर वाहन चालक और बजाज परिवार के सदस्यों ने मिलकर मारपीट की थी। जिसमें शुक्रवार को सामने आए सीसीटीव्ही फुटेज में साफ नजर आ रहा है कि किस तरह डंपर वाहन चालक और बजाज परिवार के सदस्य, रविन्द्र के साथ मारपीट कर रहे है। अब पुलिस, सीसीटीव्ही के आधार पर और लोगों को आरोपी बनाने की बात कह रही है। बताया जाता है कि गोंदिया रोड में पिंचा गली में एक डंपर वाहन चालक ने रोड पर डंपर खड़ा कर दिया था। जिससे रास्ते से आ रहे रविन्द्र उमाटे ने वाहन को रास्ते में खड़े करने को लेकर हॉटटॉक हो गई। जिसको लेकर रविन्द्र उमाटे के साथ डंपर चालक दीपक लिल्हारे, दीपक बजाज, मुरली बजाज और यश बजाज ने अपने लोगों को बुलाकर संगठित अपराध की तरह, रविन्द्र के हाथ, मुक्कों से बेदम पिटाई की। जिससे रविन्द्र उमाटे के सिर और शरीर के अन्य जगहो पर चोटें है। जिससे उनकी हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल से बेहतर उपचार के लिए, नागपुर रिफर कर दिया गया है। सीएसपी वैशाली कराहलिया ने मामले में प्रेसवार्ता कर पूरी घटनाक्रम से मीडिया को अवगत कराते हुए बताया कि इस मामले में चार आरोपियो पर अपराध कायम किया गया है। 15 मई की रात्रि रविंद्र किसी कार्यक्रम से अपने घर की ओर जा रहे थे तभी गोंदिया रोड में डंपर चालक से रविंद्र का विवाद हो गया, विवाद में रविंद्र के साथ मारापीटी हुई है, डायल हंड्रेड भी कुछ देर में मौके पर पहुंची थी और रात्रि में ही मामला कायम किया गया था , डंपर चालक के साथ-साथ दीपक बजाज और अन्य चार लोगों पर मामला कायम किया गया है। जांच के बाद कुछ सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं और अब वीडियो में दिख रहे मारपीट करते लोगों पर भी पुलिस मामला कायम कर रही है । नगर पुलिस अधीक्षक ने यह भी बताया कि सीसीटीवी फुटेज के अनुसार डंपर चालक को यह पता नहीं था कि रविंद्र एक मिडियाकर्मी है और इस मामले में इतने अधिक लोग कैसे जमा हुए ,क्यों यह विवाद हुआ । इन सब विषय पर पुलिस जांच कर रही है , सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है और फुटेज में मारते दिखने वाले लोगों पर मामला भी कायम किया जा रहा हैं। पुलिस इसमें पूरे नियम अनुसार निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई कर रही है।

पुलिसकर्मी पर भी गिरेंगी गाज

नगर पुलिस अधीक्षक ने यह भी बताया की उस समय डायल हंड्रेड सहित जो भी पुलिसकर्मी ड्यूटी पर थे, उन सब की भी जांच की जा रही है और यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उन पर भी कार्रवाई की जाएगी , आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर नगर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस की अलग-अलग टीम बना दी गई है जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी ।

लगन लगाने जा रहे दूल्हे का डबल मनी के निवेशकों ने किया अपहरण

बालाघाट(पदमेश न्यूज़)। बीती रात हट्टा थाना क्षेत्र से एक दूल्हे का उस समय अपहरण कर लिया गया जब यह दूल्हा लगन लगाने के लिए देवटोला बालाघाट जा रहा था। दूल्हे का अपहरण डबल मनी के निवेशकों द्वारा की जाने की बात सामने आ रही है। हालांकि दूल्हा और डबल बने कि निवेशकों के बीच समझौता हो जाने की वजह से इस घटना की रिपोर्ट हट्टा थाना में नहीं की गई है। जिले के बहुत चर्चित डबल मनी का मामला लोगों का लाखों करोड़ों रुपए डूबा चुका है। वही इस डबल मनी के मामले में लिप्त आरोपियों को जमानत पर छूटने के बाद निवेशकों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसा ही डबल मनी के निवेशकों का सामना एक दूल्हे को करना पड़ा। यह दूल्हा शुभम खेरे लांजी क्षेत्र के ग्राम इटोरा का रहने वाला है। शुभम के द्वारा पूर्व में लोंगो के लाखों रुपए डबल मनी में लगवाए किंतु वह वापस नहीं कर पाया। इस मामले में वह गिरफ्तार भी हुआ जो जमानत पर है। रूपये नहीं मिलने के कारण डबल मनी की निवेशक अपनी जमा पूंजी डूबने के कारण वैसे ही बौखलाये हुए। शुभम ने इन लोगों को रुपए वापस करने के लिए बोला था। किंतु वह रुपए वापस नहीं कर पाया और अपनी शादी कर रहा था। 15 मई को शुभम की शादी देवटोला बालाघाट में थी। रात्रि में शुभम अपनी बारात लेकर लगन लगाने के लिए देवटोला के लिए निकला था। हट्टा से बालाघाट की ओर आते समय हट्टा थाना क्षेत्र में ही डबल मनी के गुस्साये निवेशकों ने रास्ते में दूल्हा शुभम की कार रोककर उसका अपहरण कर लिए और उसे अमेड़ा बगदरा तरफ ले गए। दूल्हा के अपहरण होने की खबर मिलते ही हट्टा एवं ग्रामिण पुलिस सक्रिय हुई। इस दौरान डबल मनी के निवेशक और शुभम के बीच समझौता हो गया। और इस घटना की रिपोर्ट हट्टा थाना में नहीं हो सकती। इसके बाद शुभम बारात लेकर देव टोला पहुंचा। जहा उसकी शादी हुई। 16 मई को सुबह दूल्हा शुभम दुल्हन को लेकर देवटोला से अपने घर पहुंचा और वैवाहिक रस्म अदा किया।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

शादी का झांसा देकर नाबालिक के साथ दुष्कर्म

आरोपी युवक अंकित कोशले गिरफ्तार, न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया जिला जेल

बालाघाट(पदमेश न्यूज़)। एक 17 वर्षीय नाबालिक लड़की ने एक युवक के विरुद्ध शादी का प्रलोभन देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाई। यह घटना चांगोटोला थाना क्षेत्र की है। चांगोटोला पुलिस ने इस 17 वर्षीय

नाबालिक लड़की द्वारा की गई रिपोर्ट पर युवक अंकित पिता राजेन्द्र कोशले 20 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार क्या 17 वर्षीय लड़की घरेलू काम करती है । पिछले डेढ़ वर्ष से इस लड़की की पहचान अंकित कोशले के साथ रिश्तेदार की शादी में हुई थी और दोनों ने अपने मोबाइल नंबर एक दूसरे को दिए थे। फिर दोनों बातचीत करने लगे थे। इसी बीच अंकित कौशल ने इस लड़की को बोला कि मैं तुमसे शादी करना चाहता हूं। यह लड़की अंकित कोशले के झांसे में आ गई। जनवरी 2024 की रात्रि में अंकित कोशने में इस लड़की को अपने घर ले जाकर और शादी का झांसा देकर उसके साथ जबरदस्ती। शारीरिक सम्बंध बनाएं और जिसके बाद अंकित कोशले इस लड़की को शादी का झांसा देकर उसका देश शोषण करते आ रहा था और 13 मई को भी अंकित कोसले ने इस नाबालिक लड़की को अपने घर बुलाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाएऔर बोल रहा था कि मैं जल्द ही शादी कर लूंगा किंतु अंकित कोशले ने बाद में इस लड़की को शादी करने से मना कर दिया। जिसके बाद इस ल?की ने इस घटना के संबंध में अपने परिवार वालों को बताई। 15 मई की शाम यह लड़की अपने परिवार वालों के साथ रिपोर्ट करने के लिए चांगोटोला पुलिस थाना पहुंची। चांगोटोला पुलिस थाना ने इस लड़की द्वारा की गई रिपोर्ट पर अंकित कोशले राजेन्द्र कौशल 20 वर्ष के विरुद्ध धारा 64(2) भारतीय न्याय संहिता 2023 और 5एल/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के तहत अपराध दर्ज किया। चाँगोटोला थाना प्रभारी शशांक राणा ने अपराध दर्ज होने के तुरंत बाद ही अंकित कोशले को इस अपराध में गिरफ्तार कर लिये। 16 मई को अंकित कोशले को बालाघाट की विशेष अदालत में पेश कर दिया गया। जहा से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है।

पूर्व में 13 विभागों के अवकाश पर लगे प्रतिबंध को हटाया गया

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। राज्य शासन द्वारा 09 मई 25 को 13 विभागों के शासकीय सेवको के अवकाश के प्रतिबंधित आदेश जारी किए गए थे। मप्र शासन सामान्य प्रशासन विभाग उप सचिव श्री प्रदीप जैन ने शुक्रवार को संबंधित आदेश को वापस लेते हुए लगाए गए प्रतिबंध को हटा लिया गया है। इस सम्बंध में समस्त कलेक्टर्स व पुलिस अधीक्षकों को पत्र जारी किया गया है।

जमीन बेचना है
प्रस्तावित लवादा-समानापुर-लामता फोरलेन मार्ग के समीप ग्राम रटेगांव कोसमी (खमरिया) में स्थित प.ह.नं. 34 खसरा नं. 45 तथा 46/1, 13 एकड़ सिंचित भूमि (भूमि पर कार द्वारा पहुंचा जा सकता है)
विक्रय करना है
संपर्क करें- 7879121671

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट